जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 251 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 14 जुलाई, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

खाद्य संकट और खाद्य सुरक्षा विश्व की दो प्रमुख समस्याएं हैं, तथापि, हजारों सालों से इंसान द्वारा उगाई जा रही एक फसल जल्दी ही दोनों समस्याओं को खत्म कर सकती है और इसके लिए बेहद मूल्यवान मीठे पानी की भी जरूरत नहीं है। मैक्रोएल्जी, जिसे सामान्यतया सीवीड कहा जाता है, एक सस्टेनबल क्रॉप के रूप में तेजी से विश्व भर के लोकप्रिय हो रही है। क्योंकि, एक तो पर्यावरण पर इसका दुष्प्रभाव कम होता है दूसरा, इसमें पौष्टिक तत्व भी प्रचुर मात्रा में हैं। अमेरिका में सीवीड फार्मिंग, अब सबसे तेजी से बढ़ रहा एक्वाकल्चर सैक्टर है। पैसिफिक नॉर्थ वैस्ट, न्यू इंग्लैण्ड और अलास्का में पानी के अंदर इसके दर्जनों फार्म हैं। वर्ष 1950 से 2019 के बीच विश्व भर में सीवीड का उत्पादन 34.7 हजार टन से बढ़कर 34.7 मिलियन टन हो गया है। यह नाटकीय वृद्धि, कॉसमैटिक्स और टूथपेस्ट से लेकर वैकल्पिक प्लास्टिक, जैसे बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग और ड्रिंकिंग स्ट्रॉ आदि में सीवीड के वृहत् उपयोग को दर्शाती है। तथापि, विश्व की भूख मिटाने में भी इसकी भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। यू.एन ग्लोबल कॉम्पैक्ट के वरिष्ठ सलाहकार विन्सैंट डुमाइज़ल, जिन्होंने हाल ही में "द सीवीड रिवोल्यूशन" किताब लिखी है, का कहना है कि, "केवल दो प्रतिशत महासागर में फार्मिंग करके हम 12 अरब लोगों की प्रोटीन की जरूरत पूरी कर सकते हैं।" सीवीड में प्रोटीन भारी मात्रा में है लेकिन फैट व कार्बोहाइट्रेट कम है और यह वाइटमिन्स, ज़िंक व आयरन से भरपूर है। उन्होंने इसे सी फॉरेस्ट की संज्ञा दी। सीवीड की 12,000 प्रजातियों को सूचीबद्ध किया गया है और सभी खाने योग्य हैं। सीवीड के तीन समूह हैं- लाल, हरा और भूरा। भूरे रंग वाले समूह में सी कैल्प शामिल हैं जो सबसे बड़ी व सबसे आम प्रकार की सीवीड है तथा अंडर वॉटर सी फॉरैस्ट में भारी तादाद में मिलती है। इतना ही नहीं, सीफॉरैस्टेशन के लिए खाद, मीठे पानी आदि की जरूरत भी नहीं होती है। डुमाइज़ल ने कहा, अगर मवेशियों को सोया की बजाए सीवीड आधारित भोजन खिलाया जाए तो मीथेन गैस के उत्सर्जन में 90 प्रतिशत कम किया जा सकता है। इसके अलावा सीवीड से खाद्य संकट से जूझ रहे लोगों को पर्याप्त पोषण दिया जा सकता है। समुद्र के तटवर्ती समुदायों के लिए भी सीवीड फार्मिंग आय का एक विकल्प है क्योंकि अब इन स्थानों पर फिशिंग कम हो रही है।

श्रीलंका अकाल की ओर अग्रसर?

इसलिये देश के लिए पहली प्राथमिकता है, आई.एम.एफ. से किसी तरह से छोटा-मोटा ऋण प्राप्त करके खाने की सामग्री व पैट्रोल आयात किया जा सके

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 13 जुलाई। जब श्रीलंका के राष्ट्रपति देश छोड़ कर भाग गये तथा प्रधानमंत्री रानिल विक्रम सिंघे अन्तरिम राष्ट्रपति बने गये तो बुधवार को यह देश घोर अराजकता की स्थिति में पहुँच गया।

श्रीलंका में सरकार नाम की शायद ही कोई चीज है तथा पदासीन अन्तरिम राष्ट्रपति रानिल विक्रम सिंघे ने सेना से कहा है कि वह देश में पुनः व्यवस्था की स्थिति लाये। लेकिन शायद ही ऐसा कोई संकेत नज़र आ रहा है कि ऐसा हो रहा हैं।

अगर स्थिति में जल्दी ही स्थायित्व नहीं आता तथा अगर राजनैतिक अस्थिरता के फलस्वरूप हिंसा बढ़ती जाती है, तो श्रीलंका में एक आभासी स्थायित्व एवं शान्ति लाने के विषय में भारत का कुछ गम्भीर निर्णय लेने पडेंगे। ऐसी सम्भावना और भी ज्यादा दिखाई दे रही है कि श्रीलंका में खासतौर से खाद्य एवं ईंधन सहित, जरूरत की अत्यावश्यक चीजों का घोर अभाव हो जाये।

- **श्रीलंका में संकट की शुरुआत तब से हुई, जब से देश का संसदीय ढांचा बदलकर नई व्यवस्था लागू की गई, जिससे राष्ट्रपति में सर्वाधिक पावर निहित हो गई।**
- **वॉर-हीरो गोटाबाया राजपक्षे राष्ट्रपति बने, तथा व्यक्तिगत भ्रष्टाचार व परिवार के भ्रष्टाचार के आरोप सरेआम लगने लगे।**
- **श्रीलंका पुराने पार्लियामैन्टरी सिस्टम पर लौटना चाहता है, पर यह दूरगामी रणनीति है, तथा संविधान में परिवर्तन करके लायी जा सकती है।**
- **पर, सब दूर की बाते हैं, फिलहाल तो, जनता को भोजन कैसे उपलब्ध हो, तथा एम्बुलैंस आदि कैसे चलें, यह बड़ा संकट है।**

श्रीलंका के कुछ अर्थशास्त्रियों ने ऐसी आंशका व्यक्त की है कि आगामी दो तीन महीनों में ऐसी स्थिति आ सकती हैं।

पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के बारे में यह कहा जाता है कि वे युद्ध के नायक के रूप को त्याग कर एक ऐसे नापसन्द राजनेता के रूप में आ गये थे, जिसने कटुता उत्पन्न कर रहे तमिल पृथकतावादी आन्दोलन का सफाया करके, देश को अव्यवस्था की स्थिति में पहुँचा दिया तथा अपनी जेबें भरने में लगे रहे।

ऐसा व्यापक मान्यता है कि गोटाबाया राजपक्षे सरकार पूरी तरह भ्रष्ट थी तथा राजपक्षे के पूरे परिवार के हाथ तिजोरियों में रहते थे, जिसके फलस्वरूप, वे जनता का विश्वास खो चुके थे।

श्रीलंका में सरकार की संरचना में सबसे बड़ी और मूलभूत समस्या यह थी कि सारी शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित थीं। श्रीलंका सरकार मंत्री मण्डलीय प्रारूप वाली सरकार से हटकर, राष्ट्रपति प्रारूप वाली सरकार के रूप में आ गई थी।

अब माँग यह है कि सरकार का ढ़ाँचा बदले तथा यह राष्ट्रपति सरकार वाले प्रारूप से मन्त्रिमण्डल सरकार वाले प्रारूप में आये तथा पदासीन राष्ट्रपति की अबाधित एवं स्वच्छन्द शक्तियों पर नियन्त्रण रहे। विपक्षी दल एवं अन्य राजनैतिक समूह इस दिशा में काम कर रहे हैं कि श्रीलंका में यथाशीघ्र संविधान परिवर्तन/संशोधन हो।

लेकिन, यह एक दीर्घकालीन लक्ष्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश कुमार व लालू को ढलता सूरज मान भाजपा पंख पसारने की तैयारी में जुटी

जैसा कि विदित ही है, भाजपा बिहार में सबसे बड़ी पार्टी तो है, पर राज्य में अभी तक पूर्ण बहुमत नहीं हासिल कर पायी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। भाजपा और जे.डी.यू. के बीच सत्ता संघर्ष बिहार में एक निर्णयात्मक चरण में पहुंच गया लगता हैं।

नीतीश कुमार ने जब से चौथी बार मुख्यमंत्री का पद संभाला है तब से उनकी गठबंधन सहयोगी एवं राज्य विधानसभा में अधिक सदस्य संख्या वाली भाजपा के साथ उनकी पार्टी के समीकरण संकटपूर्ण रहे हैं। ब्रिटिश हुकूमत से वर्ष 1857 में स्वतंत्रता सेनानी कुंवर सिंह द्वारा जगदीशपुर का किला मुक्त कराने के सम्मान में भाजपा ने गत अप्रैल माह में महा उत्सव की तैयारियां की थीं और जे.डी.यू. को इस कार्यक्रम से दूर रखा गया था। जे.डी.यू. अपनी ओर से भाजपा को राज्य की जातिगत जनगणना जैसे पेचीदा मुद्दों पर घेरने की कोशिश करती रही हैं।

- **पर अब विस्तार का उपयुक्त समय मानते हुए, भाजपा ने प्रदेश में एक के बाद एक आम सभाएं आयोजित करने की योजना बनाई है।**
- **किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, एस.सी. मोर्चा, एस.टी. मोर्चा के नेताओं व कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई है पटना में, जिसे पार्टी अध्यक्ष नड्डा व राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष संबोधित करेंगे।**
- **भाजपा ने प्रदेश में अपने संगठन को मजबूत करने की दृष्टि से, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों को चिन्हित करके, उपयुक्त जात/जाति के नेताओं को वहां की जिम्मेवारी सौंपी है।**

जे.डी.यू. और लालू प्रसाद की आर.जे.डी. के बीच सम्भावित मेल मिलाप की खबरों के बीच बिहार में आगामी महीनों में एक बड़े बदलाव की संभावनाए बहुत ज्यादा हैं। असदुद्दीन ओवैसी के ए.आई.एम.आई.एम. के पांच में चार विधायकों को तोड़ने में आर.जे.डी. को मिली सफलता के बाद भाजपा का फोकस कांग्रेस के विधायकों की अच्छी खासी संख्या को स्वयं में शामिल करने के विकल्प पर है। असदुद्दीन इसके साथ ही जे.डी.यू. में विभाजन की संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा रहा हैं।

इसे लोहा गर्म हो तब प्रहार किए जाने के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है कि भाजपा ने कई राज्यव्यापी मीटिंग्स की योजना बना रखी हैं। भाजपा ने राज्य के समूचे विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 28 और 29 जुलाई को दो दिवसीय "प्रवास" आयोजित करने का निर्णय लिया हैं।

इसके बाद पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों की 30 और 31 जुलाई को दो दिवसीय संयुक्त मीटिंग होगी। पटना में आयोजित होने वाली एक मीटिंग के लिए किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, एस.सी.मोर्चा, एस.टी.मोर्चा अथवा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बुलाया जा रहा हैं। मीटिंग को पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और भाजपा महासचिव बी.एल. संतोष संबोधित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ई.डी. डायरैक्टर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के निदेशक संजय कुमार मिश्रा के सेवाकाल में गत वर्ष 17 नवम्बर को दिए गए एक साल के

- **ई.डी. डायरैक्टर संजय कुमार मिश्रा को एक साल का कार्यकाल विस्तार देने को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है।**

एक्सटैंशन को चुनौती देने वाली एक याचिका को लिस्ट करने का बुधवार को निर्णय लिया। इस याचिका में एक वकील ने कोर्ट का ध्यान उसके 8 सितम्बर के एक आदेश की ओर आकृष्ट किया है जिसमें कहा गया था कि सेवानिवृति के बाद अधिकारियों के कार्यकाल में विस्तार सिर्फ अपवाद स्वरूप ही किया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो दिखता है, वो बिकता है'

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। राहुल गांधी ने ऐसा फिर कर दिया है। एक निजी दौरे पर कथित रूप से यूरोप जाकर उन्होंने इस आम धारणा को मजबूत कर दिया है कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो जिम्मेदारियों से बचता है, उन्हे यह भी पता नहीं है कि वे स्वयं को किस रूप में देखते हैं, पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता रखने वाले एक नेता या एक ऐसा राजनेता जो गंभीरता से प्रयास ना करने के बावजूद सत्ता का लोभी है।

उनका नवीनतम विदेश दौरा कांग्रेस पार्टी की गुरुवार को आयोजित हो रही मीटिंग से थोड़ा पहले ही हुआ है। इस मीटिंग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह पार्टी को उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, मणिपुर और गोवा जैसे राज्यों में लगे राजनीतिक झटकों के बाद हो रही है। पार्टी के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें उसके अध्यक्ष के विकल्प पर मंथन होने जा रहा है। यह ऐसा पद है जिसे वर्ष 2019 में लोक सभा चुनावों की हार के कारण राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद सोनिया गांधी संभाले हुए है।

यह ध्यान देने योग्य है कि गुरुवार की मीटिंग के लिए पार्टी के सभी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है।

- **राहुल गांधी के एक बार फिर विदेश यात्रा पर निकलने से, जनता व पार्टी असमंजस में है कि, राहुल गंभीर राजनीतिज्ञ हैं, व ऐसे दूल्हा जिसे विवाह में कोई रूचि नहीं।**

क्या राहुल पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे या नहीं, उनकी गैर मौजूदगी की वजह से यह भी स्पष्ट नहीं है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों को जो बात स्पष्ट है, वह यह कि ऐसी पार्टी, जिसका चेहरा अब भी राहुल गांधी हैं, वह अटकाव की स्थिति में है और वह स्थिति चरम सीमा पर है।

जन धारणा ये है कि राहुल गांधी बिना पतवार वाले एक ऐसे जहाज का प्रतीक बन गए हैं जो अपने वर्तमान दलदल से बाहर निकलने से बार-बार इन्कार करता है। गुरुवार की मीटिंग में 2 अक्टूबर से शुरु हो रही "भारत जोड़ो यात्रा" की योजनाओं पर भी काम किया जाएगा। इस मीटिंग से राहुल गांधी की अनुपस्थिति से नेतृत्व के प्रश्न की अटकलों को और मसाला मिलना तय है।

भाजपा ने राहुल गांधी की हाल की विदेश यात्राओं की आलोचना की है। इनमें मई माह की आलोचना की है। इनमें मई माह की शुरुआत में हुई एक यात्रा भी शामिल है, जब उन्हें काठमांडू के एक नाइट क्लब में देखा गया था। इसकी तस्वीरें भाजपा समर्थकों द्वारा जारी की गई थीं लेकिन कांग्रेस ने कहा था कि एक पत्रकार की शादी में भाग लेने के लिए व्यक्तिगत रूप से जाने में क्या गलत है।

काठमांडू का दौरा अन्य राज्यों के अलावा पंजाब और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के तुरंत बाद किया गया था। राहुल गांधी ने तब यूरोप का दौरा भी किया था। उन चुनावों से पूर्व वह दिसम्बर माह में इटली चले गए थे और जनवरी के मध्य में लौटे।

वे मई के उत्तरार्द्ध में भी विदेश गये थे। इंग्लैंड के केम्ब्रिज की इस यात्रा पर भी, भाजपा नेताओं ने राजनैतिक स्वीकृति लेने के उनके इनकार पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राम सेतु

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय बुधवार को इस बात के लिये सहमत हो गया कि भाजपा नेता डॉ. सुब्रमन्यम स्वामी की उस याचिका की सुनवाई 26 जुलाई को की जायेगी, जिसमें उन्होंने केन्द्र को ऐसे निर्देश दिये

- **राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के मसले पर सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है, इस पर 26 जुलाई को सुनवाई होगी।**

जाने की माँग की है कि वह "राम सेतु" को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित करे।

राम सेतु, जिसे आदम के पुल के नाम से भी जाना जाता है, लाइमस्टोन शोल्स का एक शृंखला है, जो तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्व तट के पास स्थित पम्बन द्वीप से श्रीलंका के उत्तर-पश्चिम तट के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"रिन्युएबल एनर्जी" कंपनियों को भुगतान का मामला अब सुलझेगा?

तीन साल से "रिन्युएबल एनर्जी" कंपनियां सरकारी ग्रिड में बिजली दे रही थीं, परंतु इसके एवज में कोई भुगतान नहीं मिल रहा था

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 13 जुलाई। प्रदेश में "रिन्युएबल एनर्जी सर्टिफिकेट" (आर.ई.सी.) स्कीम के तहत सोलर तथा विंड मिल से अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में निवेश करने वाली कम्पनियों और संस्थाओं द्वारा राजस्थान सरकार के खिलाफ दायर मामले का राजस्थान हाई कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई थी। न्यायाधीश एस.एस. श्रीवास्तव और न्यायाधीश शुभा मेहता ने मामले की सुनवाई करते हुए इस केस को अगले माह पांच तारीख को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया और साथ ही कहा कि न्यायालय राज्य सरकार या किसी अन्य पार्टी को इस मामले में किसी भी कारण से स्थगन के आदेश जारी नहीं करेगा।

जैसा कि विदित है कि आर.ई.सी. स्कीम के तहत राज्य व केन्द्र सरकार ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए कई कम्पनियों और संस्थानों को प्रोत्साहित किया। इन कम्पनियों को राज्य सरकार ने अपनी अक्षय ऊर्जा को 2012-13 की नीति के तहत आश्वासन दिया था कि सभी संस्थाओं और कम्पनियों को 25 वर्ष तक सतत् लाभ यानि स्थायी "रेट ऑफ रिटर्न" पहुंचायेगी ताकि इन कम्पनियों को घाटा न हो। राज्य सरकार की अक्षय ऊर्जा नीति में समाहित था कि राज्य सरकार अगले 25 वर्ष तक इन कम्पनियों से ऊर्जा स्थाई दर पर खरीदेगी ताकि उन्हें नुकसान ना हो।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012-13 में सोलर पैनलों में बनने् वाली अक्षय ऊर्जा को मार्केट में 16 से 18 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बेचा जाता था। परंतु वर्ष 2019 के बाद से टैक्नोलॉजी में सुधार और सोलर पैनलों के निर्माण में लागत कम होने की वजह से सोलर पैनलों से बन रही अक्षय ऊर्जा की प्रति युनिट दर में भारी गिरावट आई। यहां तक कि 2019 में राज्य सरकार को "ओपन टैण्डरों" में "सोलर फार्म्स" में 2.86 रुपये प्रति यूनिट की दर पर उर्जा मिल रही थी।

- **हाई कोर्ट भी अभी तक "रिन्युएबल एनर्जी" कंपनियों और सरकार के बीच समझौता होने की संभावना पर कार्य कर रहा था और तारीखों पर तारीख दिये जा रहा था।**
- **पर अब हाई कोर्ट ने निर्णय लिया है कि, 5 अगस्त को इस मामले पर दो-तीन दिन लगातार सुनवाई कर अपना निर्णय देगा।**
- **रिन्युएबल एनर्जी कंपनियों में हाई कोर्ट के इस आदेश से हर्ष और उत्साह दिख रहा है।**

"सोलर तथा विंड मिल से निर्मित ऊर्जा "ओपन मार्केट" में सस्ते दामों में मिल रही थी इस लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2018-19 में आर.ई.सी. स्कीम के तहत अक्षय उर्जा क्षेत्र में निवेश कर चुकी कंपनियों से नया "पावर परचेज़ एग्रीमेंट" (पी.पी.ए.), यानि अक्षय उर्जा खरीदने की नयी दर, तय करना चाहती थी। परंतु समझौते नहीं होने के कारण सरकार आर.ई.सी. स्कीम के तहत निवेश कर चुकी करीब 108 प्राईवेट तथा सरकारी संस्थाओं व कंपनियां पिछले तीन साल से बिजली उत्पादन के लिए कोई पैसा नहीं दे रही है।

वर्ष 2019 से इन 108 कंपनियों ने हाई कोर्ट में राज्य सरकार के खिलाफ याचिकायें दायर कर रखी थीं, क्योंकि सरकारी ग्रिड में बिजली डालने के बाद भी उन्हें सरकार पैसा नहीं दे रही है।

मंगलवार को भी राज्य सरकार ने कहा कि सरकार और सभी 108 संस्थाओं या कंपनियों के बीच बातचीत का कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार आर..ई.सी. स्कीम के तहत सौर उर्जा बनाने वाली कंपनियों को 2.24 रुपये प्रति यूनिट की दर पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बालिका से रेप

श्रीगंगानगर, 13 जुलाई (कासं)। रायसिंहनगर इलाके के एक गांव में नानी के साथ स्कूल से घर लौट रही दस साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है।

रायसिंह नगर एस.एच.ओ. गणेश कुमार के अनुसार बच्ची रायसिंहनगर

- **दस साल की यह बच्ची अपनी नानी के साथ स्कूल से घर लौट रही थी, रास्ते में वह थोड़ा आगे निकल गई तो आरोपी युवक ने उसे घर छोड़ने की बात कह कर बाइक पर बिठा लिया और स्कूल के पास खंडहर में ले जाकर रेप किया।**

इलाके के एक गांव में अपनी नानी के पास आई हुई थी। वह अपनी नानी के साथ अपने भाई की टीसी लेने के लिए स्कूल में गई थी। वहां से वापस लौटने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अत्याचार और भय दोनों कायरता के दो पहलू हैं। –अज्ञात

सेनाओं में भर्ती की अग्निपथ-अग्निवीर योजना--गरीब ग्रामीणों व किसानों पर प्रहार

भारत की सेनाओं में, सबसे निचले पायदान पर सैनिक भर्ती की अब तक की प्रचलित भर्ती प्रक्रिया के स्थान पर नई अग्निवीर/अग्निपथ योजना की घोषणा को महीना होने को आया।

इस अवधि में सेना के सभी अंगों के सेवारत व सेवा निवृत्त उच्च अधिकारियों, सेना के सेवा निवृत्त कनिष्ठ स्तरीय अधिकारियों, भूतपूर्व सैनिकों, सरकार के कई मंत्रियों, उच्चाधिकारियों, सत्तासीन राजनीतिक पार्टी के बड़े नेताओं के विचार सामने आ चुके हैं।

सभी प्रमुख समचार पत्रों, टीवी चैनल्स में भी विस्तार से इस योजना पर चर्चा हुई है।

भाजपा से भिन्न राजनीतिक दलों के भी विभिन्न प्रकार से धरना-प्रदर्शन आदि के माध्यम से इस योजना के पक्ष में कम और विपक्ष में ज्यादा विचार सामने आए।

इन सब माध्यमों से इस योजना के संबन्ध इसके पक्ष, विपक्ष में जो विचार प्रकट हुए उनका सार निम्नानुसार है:-

1. इस योजना के पक्ष में जो विचार आए है, उनके अनुसार इस योजना का प्रमुख उधेश्य भारतीय सेना की औसत उम्र यथा सम्भव 26 से 30 वर्ष रखना है अर्थात भविष्य की युवा भारतीय सेना जो हर दृष्टि से इजराइल, रूस, अमरीका, चीन आदि देशों की सेनाओं जैसी होगी। जनता में सेना के प्रति ओर आदर बढ़ेगा।

शनै: शनै: देश में 25-26 वर्ष से अधिक आयु का एक ऐसा वर्ग होगा जो सैन्य अनुशासन में ढला होगा।

इस योजना के माध्यम से समाज में अनुशासन बढ़ेगा

समाज को इसका बहुत लाभ होगा।

चार साल के पश्चात जो युवक सेना से बाहर होंगे वे ज्यादा स्किल जानने वाले, अनुशासित युवा होंगे जिन्हें सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में आसानी से नौकरियां उपलब्ध होंगी अथवा उन्हें जो फंड मिलेगा उस से वे आसानी से अच्छा व्यापार-धन्दा कर, स्वरोजगरित होंगे और दूसरों के लिए भी रोजगार सृजक बन सकेंगे।

वर्तमानं में रक्षा बजट का बहुत बड़ा भाग वेतन, पेंशन मद में व्यय होने के कारण, सेनाओं को आधुनिकतम हथियार आदि उपलब्ध कराने और सेना के आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त धन शेष नही रहता।इस योजना के लागू होने के बाद आधुनिकतम हथियारों के क्रय के लिए अधिक धनराशि उपलब्ध होगी। आधुनिकतम हथियारों से सुसज्जित आधुनिक सेना देश की रक्षा में अधिक सक्षम होगी। इस से विश्व में देश का गौरव बढ़ेगा।

एक न समझ में आ सकने वाला सा तर्क यह भी सामने आया कि इस योजना से देश की सेना सही माइनों में अखिल भारतीय सेना होगी। (क्या अब ऐसी नहीं है????) वर्तमान में तो देश के मात्र 150-175 जिलों से ही लोग सेना में भर्ती होते है किन्तु इस योजना के माध्यम से देश के 733 जिलों के हर कोने से, हर जाति, वर्ग का युवा, सेना की प्रत्येक वेकेंसी के लिए भर्ती का हकदार होगा। इस योजना के बाद, यह पीपल्स सेना होगी जिसकी पहचान किसी क्षेत्र या वर्ग से जुड़ी नहीं होगी।

सरकार के उच्चतम स्तर से यह साफ कर दिया गया कि यह योजना वापिस नहीं ली जाएगी। युवाओं के हित के लिए यह योजना है, जिसको नोजवान अभी समझ नही पा रहे।

कुछ अधिकारीयों-नेताओं का तो यहां तक कहना था कि सेना कोई रोजगार की स्कीम थोड़े ही न है? देश सेवा का अवसर है।

तो फिर, राज्य सेवा आयोगों आदि के माध्यम से जो विभिन्न प्रकार की भर्तियां होती है वे रोजगार है या ओर कुछ??

2. इस योजना के विपक्ष में जो तर्क, विचार आए उनमें सबसे प्रमुख यह है कि इस पर संसद व उसकी समितियों में व अन्य स्तरों पर व्यापक विचार-विमर्श नहीं हुआ। विचार-विमर्श हुआ भी होगा तो केवल उच्च अधिकारियों, नेताओं तक सीमित रहा होगा। सेना भर्ती का एक प्रमुख स्टेकहोल्डर युवा वर्ग है। उनसे कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ। अचानक से निर्णय ले लिया गया।

अमरीका, इजराइल, यूके, रुस आदि देशों में और हमारे देश की युवा जनसँख्या में भारी अंतर है। वहां कमी और यहां आवश्यकता से अधिक हैं। वहाँ की परिस्थितियां भिन्न है। दूसरे देश की नीतियों का अंधानुकरण घातक भी हो सकता है।

अग्नि वीरों के तो चार साल यही तलवार लटकती रहेगी कि चार साल बाद क्या होगा? इस प्रकार की मनस्थिति में रहकर वे रेगुलर सैनिकों के साथ पूर्ण सामंजस्य के साथ काम कर पाएंगे या फिर, मात्र उनके ऑर्डरली के रूप में ही काम करेंगे? क्या 06 माह में अग्निवीर सैनिक इन सब परिस्थियों में युद्ध के लिए ढलना सीख जाएगा?

कुछ पूर्व सैनिकों का कहना था कि सेना में जो भी हथियार राइफल, मशीनगन, तोप, टैंक, मिशाइल आदि व अन्य कोई भी दूसरे हथियार काम आते है, उसे अकेला व्यक्ति हंडेल करेगा या एक से अधिक व्यक्ति, इसके नॉर्म्स तय है। इन नॉर्म्स नें बिना कोई परिवर्तन के सेना के मैनपावर में कटौती का क्या औचित्य? 06 माह की ट्रेनिंग में जवान इन सब हथियारों की सिखलाई में पारंगत हो जाएगा इस पर पूर्ण शंसय है।

भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मरुस्थल, पहाड, नदियां, बर्फानी चोटियां, समुद्र सब हैं, क्या 06 माह में अग्निवीर सैनिक इन सब परिस्थियों में युद्ध के लिए ढलना सीख जाएगा?

अग्नि वीरों के तो चार साल यही तलवार लटकती रहेगी कि चार साल बाद क्या होगा? इस प्रकार की मनस्थिति में रहकर वे रेगुलर सैनिकों के साथ पूर्ण सामंजस्य के साथ काम कर पाएंगे या फिर, मात्र उनके ऑर्डरली के रूप में ही काम करेंगे?

क्या भिन्न प्रान्तों व वर्गों के सैनिकों से बनी सैन्य टुकडियां जैसे सेक्सन, पलटून, कम्पनियां पूरे जोश, गहन सामंजस्य से काम कर पाएगी?

यदि एक अग्निवीर की 4 साल की अवधि में युद्ध जैसी अत्यंत कठिन परिस्थितियां उत्तपन्न होने पर उन्हें अग्रिम पंक्तियों में दुश्मन का सामना करने को कहा जाएगा तो अनुशासन सम्बन्धी क्या क्या परिस्थितियां सामने आ सकती हैं, इस पर विचार किया गया?

75 प्रतिशत छंटनी किये गए अग्निवीरों में से कुछ को नोकरियाँ मिल जाएंगी, कुछ अपना व्यवसाय आदि भी कर लेंगे किन्तु जो भी इस प्रकार एडजस्ट नहीं जो पाएंगे, उन में से सब नहीं तो कुछ जरूर विभिन्न प्रकार के अवैध कार्यों में संलिप्त गैंग्स में शूटर के रूप में जगह पा लेंगे। इस से समाज में गम्भीर अपराधीकरण की स्थितियां उत्पन्न हो सकती है।

इसके अतिरिक्त 4 साल बाद 25 प्रतिशत कैसे रखे जाएंगे, 75 प्रतिशत की छंटनी कैसे होगी, इसमें कितनी पारदर्शिता, ईमानदारी होगी इसमें भी अस्पष्टता है। अब भी भर्तीयों में भ्रष्टाचार के आरोप आम चर्चा के विषय रहते हैं।

3. कुछ अभिभावकों के भी विचार सामने आए। उनका कहना था रोजगार है ही कहाँ? इस योजना में हजार कमजोरियां हैं किन्तु गरीबों के पास विकल्प क्या है? हमारी मजबूरी है कि हमे बच्चों को इसके लिए भी कोचिंग्स में खर्चा कर तैयार करवाना पडेगें, चाहे चार साल बाद वे पुन: बेरोजगार ही क्यों न हो जाएं?

ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारों की शादी नहीं हो पाती है। पेरेंट्स यह भी सोचते हैं कि 4 साल के लिए ही सही, एक बार इसके सहारे बच्चों की शादी तो हो।

4. गांव के किसानों, मजदूरों से भी चर्चा की और उनकी जो समझ-शंकाएं सामने आई, वे निम्नानुसार हैं::--

ग्रामीण क्षेत्रो में यह भी आम चर्चा का विषय है कि सरकार की यह नीति गरीब ग्रामीणों-किसानों के बच्चों के विरुद्ध है। सांसद, विधायक अपने पेंशन, भत्ते आदि का त्याग कर, सेना के व सिविल साइड के अफसर कुछ कुछ त्याग कर, उदाहरण प्रस्तुत करें और फिर जनता से उनकी बातों का अनुशरण करने को कहें। जिसके पैर फटे न बीवाई वह क्या जानें पीर पराई?? ज्यादा न सही, स्थाई अधिकारियों, कर्मचारियों की सेवा अवधि 5 साल ही घटाओ,फिर देखो कितनी स्वीकार्य बनती है।

कुछ सामान्य लोगों का तो यहां तक मानना है कि सेना के आधुनिकीकरण लिए धन की उपलब्धता का बहाना भी सही नही। सरकार अनावश्यक खर्चे कम करके, सरकारी खरीदों-प्रोजेक्ट्स के कार्यों में कमीशन खोरी रोक कर तथा कम वरीयता वाले प्रोजेक्ट्स पर व्यय रोक कर इस कार्य हेतु धन निकाल सकती है। देश की सुरक्षा पर व्ययय से बड़े अन्य प्रोजेक्ट्स पर व्यय या अनावश्यक व्यय नहीं हो सकते।

कुछ ग्रामीण,किसानों का कहना था कि किसानों, गांव वालों की सुनता कोन है? सरकारी फैसले लेने में उनकी परिस्थितियों से अनिभिज्ञ लोग बैठकर फैसले कर लेते हैं। उन्हें न फसल का सही मूल्य मिलता, न सही गणना से घोषित होती, न पर पूरी खरीदी होती, न उन्हें जो खाद-बीज-दवाइयां बाजार से लाने पड़ते है उसके मूल्यों पर कोई लगाम। ऊपर से आवारा पशुओं से फसल नष्ट हो रही हैं किन्तु आवारा पशुओं की पैरवी करने के लिए तो गली-गली में विभिन्न पट्टाधारी लोग घूमने लग गए -आवारा पशु का कुछ नही कर सकते। सरकार यदि मनरेगा मजदूरी के बराबर दिहाडी वाली कच्ची नोकरी भी देगी तो हम गरीबों को तो उस ओर भागना ही पड़ेगा--

(उपरोक्त सब, आम आदमी के विचार है जो उन्होंने चर्चाओं में बताया)

6. कुछ लोगों के सुझाव भी आए है जैसे कि--

शुरू में अग्निवीरों की छंटनी 4 के बजाय 5, 6, 7 साल में कई जानी चाहये

शुरू के 5-7 साल के लिए छंटनी 75 प्रतिशत के बजाए 40-50 प्रतिशत की जाए। इसके पश्चात, इसका प्रभाव, स्वीकार्यता, कमियों का अध्ययन कर योजना को ओर बेहतर बनाया जा सके।

5 साल बाद जब भी अग्निवीरों को रिटायर किया जाए, उन्हें वर्तमानं में प्रस्तावित पेकेज के अतिरिक्त सेवा के प्रति वर्ष के लिए एक माह की अतिरिक्त धनराशि दी जाए जो एक प्रकार से ग्रेच्युटी (जो अच्छी सेवा का प्रतीक होती है) कही जा सकती है।

उन्हें पूर्व सैनिक का सम्बोधन दिया जाए। पूर्व सैनिकों को मिलने वाली समस्त अन्य सुविधाएं दी जाएं।

एक निश्चित पूंजी आधार या अन्य मानदंडों के अनुसार चिन्हित 100-50 बड़ी सरकारी, प्राइवेट कम्पनियों में सुरक्षा विभाग में सुपरवाइजरी स्टाफ व प्रहरियों के समस्त पद अग्निवीरों के लिए आरक्षित किए जाएं जिस से यह पता चले कि इन कम्पनियों को इस योजना की स्वीकार्यता का स्तर वास्तविक है या मात्र दिखावटी।

केंद्र व राज्यों के अर्धसैनिक बलों में प्रतिवर्ष की भर्तियों में कम से कम आधे पद पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित किए जाएं। इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार अविलम्ब नियमों में आवश्यक संशोधन करें।

हर साल 50 लाख नए युवा रोजगार चाहते हैं--करोड़ों न करोड युवा रोजगार बाजार में घूम रहे हैं। घूम फिर कर सार यह निकलता है कि देश में रोजगार की भयंकर कमी और इसका समाधान हर क्षेत्र में तीव्र गति से रोजगरों के सृजन से ही होगा।

-अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

दो का पागलपन : एक खतरनाक मनोविकार

ब्रिटिश राज सेभारतीय उपमहाद्वीप की आजादी के समय एक प्रतिष्ठित व्यक्ति लखनऊ से बड़े सपनों, बड़ी उम्मीदों के साथ पाकिस्तान गया। उसे वहां जाते ही एक मामूली-सी नौकरी मिली जो बच्चों की प्लाटून का पेट नहीं भर सकती थी। आर्थिक दबाव से यह व्यक्ति जल्द ही मर गया तो उसकी दुखी पत्नी विलायत महल ने एक दिन मौका मिलने पर पाकिस्तान के प्रधान मंत्री को थप्पड़ मार दिया। उसे पागलखाने भेज बिजली के झटके लगाए गए।

वहां से छूटते ही वह किसी तरह भारत भाग आयी और दिल्ली रेलवे स्टेशन के विश्राम गृह पर यह कह कर कब्जा जमा लिया कि वह और उसके बच्चे अवध के राज परिवार के वारिस हैं और उन्हें उनकी संपति वापस की जाए। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दबाव में आकर भारत सरकार ने 1970 के दशक में दिल्ली के जंगल में एक टूटी-फूटी शिकारगाह, जिसका नाम मालचा महल था, उस परिवार को दे दिया। विलायत महल ने अपने बेटे और बेटी को इस भ्रम में डाल रखा था कि वे राज परिवार के सदस्य हैं जबकि असल में तो वे एक मध्यम परिवार के लोग थे। उनकी असलियत का खुलासा न्यू यॉर्क टाइम्स की महिला पत्रकार एलेन बेरी ने 2020 में किया। इस बीच विलायत महल, उसका बेटा और बेटी कंगाली की जिंदगी जीते हुए मर गए।

इस पूरे मामले में एक बात उभर कर सामने आती है कि विलायत महल ने अपने झूठे सपनों की कहानी में अपने पढ़े लिखे बच्चों को भी बांध लिया जिसके फलस्वरूप वे निहायत ही निक्कमे और घमंडी हो गए। एक मानसिक रूप से बीमार इंसान ने दो और लोगों को मानसिक रोगी बना दिया। आधुनिक चिकित्सा की मानसिक रोग शाखा में इस तरह की बीमारी को फोली अ ड्यू यानि दो लोगों की मानसिक विकृति कहा जाता है। इसको दोहरा पागलपन, सोहबत का मनोविकार, साझा मनोविकार या फिर प्रेरित मनोरोग भी कहा गया है।

डॉ रामावतार शर्मा

फोली अ ड्यू फ्रेंच शब्द है जिसका मतलब होता है दो लोगों की मूढ़ता। इसमें एक व्यक्ति प्राथमिक रोगी होता है जो कि अपने आप को किसी अति भ्रम की स्थिति में ले जाता है जैसे कि उपरोक्त उदाहरण में विलायत महल थी। यह व्यक्ति फिर दूसरे या अन्य कई लोगों को अपनी ही स्थिति में ले आता है जिससे सामूहिक मनोरोग फैल जाता है। इस से भी भयानक हादसा कई साल पहले दिल्ली में हुआ था जिसमें एक ही परिवार के दस सदस्यों ने आत्महत्या कर ली और अपनी बुजुर्ग दादी को गला घोट कर मार डाला था। पुलिस को इस घर से कई डायरियां मिली जिसमें विगत 11 वर्ष से ये लोग सामूहिक आत्महत्या द्वारा पूर्ण आनंद एवम् वापस जीवित हो जाने के सपने देखते थे। परिवार का एक युवा सदस्य प्रथम रोगी पाया गया जिसने अन्य सब को प्रभावित किया।

■ आज सामाजिक मीडिया द्वारा एक व्यक्ति दूसरे हजारों लोगों को प्रभावित कर रहा है

आज हम लोग इंटरनेट द्वारा एक मायावी दुनिया में जीने लगे हैं जहां सामाजिक मीडिया द्वारा एक व्यक्ति दूसरे हजारों लोगों को प्रभावित कर रहा है। हम लोग देश, धर्म, धर्म के स्थापकों, ऐतिहासिक पात्रों और राजनीति के नायकों, खलनायकों के बारे में अप्रमाणिक बातों को सत्य मान रहे हैं। पुस्तकों के स्थान पर फिल्मों, वीडियो तथा कॉपी पेस्ट आदि द्वारा प्रभावित हो कर उदयपुर हत्याकांड जैसे जघन्य अपराध करने लगे हैं। फोली अ ड्यू अब दो की बजाय हजारोंमें फैल सकता है, राष्ट्रीय उथल पुथल को जन्म दे सकता है। अभी कुछ समय पहले तमिलनाडु में एक माता-पिता ने नींद में सोई अपनी दो युवा पुत्रियों की खोपडियां भारी पत्थरों से इसलिए खोल दी कि उनमें छुपी प्रेतात्मा बाहर निकल जायेगी और सूर्योदय के साथ ही बेटियां फिर जीवित हो जाएंगी।

ये उदाहरण हमें सचेत करते है कि तेजी से परिवर्तित होते समय और जीवनशैली द्वारा यह एक वैश्विक महामारी का रूप ले सकता है जिसमें लोग बड़े स्तर पर हिंसा कर सकते हैं। मनोचिकित्सक अब फोली अ फैमिले (परिवार का पागलपन) की बातें करने लगे हैं तो फिर फोली अ नेशन (राष्ट्र का पागलपन) क्यों नहीं हो सकता?

डॉ रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

गहरे गड्ढों में तब्दील 50 गांवों को मुख्यालय से जोड़ने वाली सड़क

हिण्डौन सिटी,(का.सं.)। उपखंड मुख्यालय से खरेटा तक की सड़क में गहरे गड्ढे बन चुके हैं। ऐसे में 50 गांव के लोगों की उपखंड मुख्यालय तक पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। नगर परिषद के नेता प्रतिपक्ष दिनेश सैनी ने बताया कि इस सड़क का निर्माण पिछले लगभग दो दशक से नहीं हुआ है। वर्तमान

■ स्कूल पहुंचने में बच्चों व शिक्षको को हो रही परेशानी

में बाढ़ , करसौर्ली , आरेणी, बमनपुरा, खोहरा, घूसेटी, जगर, कोटवास, नथे का पूरा, अटक, पोछड़ी, मासलपुर ,मदनपुर, खेड़ा, सिलोती, काछीपुरा, पटपरीपुर, जेवर, नागरियां का पूरा, नृसिंहपुरा, खीप का पूरा, खाना कर पूरा सहि लगभग 50 गांवों के लोगों रोजाना स्कूल जाने में परेशानी हो रही है व छात्र-छात्राए एवं अध्यापक व ग्रामीण परेशान है।

गड्ढों मे तब्दील सड़क पर जान जोखिम में डाल सफर कर रहे हैं ग्रामीण

जीर्ण-क्षीर्ण अवस्था में गौरवशाली अतीत की कहानी बयां करता इंदौर का किला

इंदौर का किला अलवर से लगभग आठ कि.मी. दूर टपूकड़ा-नूंह मार्ग पर चारों ओर हरी भरी पहाड़ियों से घिरे इंदौर गांव में स्थित है। किले पर जाने वाले रास्ते उबड़-खाबड़, टेढ़े-मेढ़े और कंटीले हैं। सुरक्षा की दृष्टि से उपयुक्त स्थान होने के कारण तत्कालीन खानजादा शासकों ने चौदहवीं शताब्दी में इस किले का निर्माण करवाया था।

अरावली की पहाड़ियों की गोद में स्थित यह किला जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। किले के खण्डहरनुमा भवन अपने गौरवशाली अतीत की कहानी स्वयं बयां करते हैं। यह किला अपने सुनहरे दौर में दिल्ली के हुक्मरानों को अपनी ताकत का अहसास कराता था। किले तक पहुंचने के लिए लगभग एक कि.मी. संकरे कच्चे रास्ते से होकर जाना पड़ता है। किले पर स्थित मुख्य महल व मकबरे तक पहुंचने के लिए लगभग चार कि.मी. पैदल चलना पड़ता है। उबड़-खाबड़ कंटीला रास्ता होने के कारण किले के अंतिम छोर तक पहुंचने में कठिनाई आती है।

किले की सुदृढ़ दीवारें किले की भव्यता की गवाही देती हैं। किले में लोक देवता पाबूजी का मन्दिर है। यहां दशहरे पर मेला भरता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पाबूजी के दर्शन करने आते हैं। किले में एक तरफ शासकों

पन्नालाल मेघवाल

की दस मजारें बनी हुई हैं। किले के बाहर गांव के निकट अठारहवीं शताब्दी की एक मजार यहां की विशालता को दर्शाती है।

1398 ईस्वी में तैमूर के दिल्ली पर आक्रमण के समय इंदौर पर बहादुर नाहर खानज़ादा का शासन था। दिल्ली पर इब्राहिम लोदी के शासन के दौरान यहां पर ज़लाल खान खानज़ादा की हुकूमत थी। दिल्ली पर बाबर के शासन के दौरान इंदौर आगरा सूबे का परगना था। यहां के शासक बाबर के खिलाफ रहे और इंदौर किले का उल्लेख आईने अकबरी में किया गया है। दुर्गम रास्तों के बीच स्थित किले पर मुगल कभी आक्रमण नहीं कर सके। अठारहवीं शताब्दी में इस किले पर कई बार आक्रमण हुए। पहले भरतपुर

के जाट राजाओं ने इस किले पर आक्रमण किया। लेकिन किले को आर्थिक दृष्टि से उपयुक्त नहीं मानते हुए उन्होंने इस ओर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। इसके बाद में मराठों ने किले पर कब्जा किया। उनसे अंग्रेजी हुक्मरानों ने किले को अपने कब्जे में लिया लेकिन यहां की विषम भौगोलिक स्थिति के कारण

आक्रमणकारी किले को लूटने के बाद सूना छोड़कर चले गए। 1808 ईस्वी में अलवर के राजा बख्तावरसिंह ने किले को अपने अधीन कर लिया। भारत सरकार एवं राज्य सरकार ने अलवर, नीमराणा एवं तिजारा किलों को हेरिटेज होटलों में तब्दील करवाया जिससे ये स्थल पर्यटकों के आकर्षण के केंद्र बने हुए हैं।

1961 ईस्वी में पुरातत्व विभाग ने इस किले को संरक्षित घोषित किया लेकिन इसके जीर्णोद्धार संबंधित कोई कार्य नहीं किया। यदि इस किले को हेरिटेज होटल में तब्दील कर दिया जाता तो यह किला भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होता।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

राज्य सरकार ने चार हजार स्कूल क्रमोन्नत किये, एक में भी प्राचार्य नहीं

बीकानेर, (कासं)। सरकार की ओर से बजट में राज्य के चार हजार माध्यमिक स्कूलों को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत करने का तोहफा दिया गया जिससे बच्चे व अभिभावक खुश हुए, लेकिन अब इन स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था पर भारी पड़ रहा है, इन चार हजार स्कूलों में से अभी तक एक में भी प्राचार्य नहीं है। साथ ही इन स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था के लिए 20 हजार स्कूल व्याख्याताओं की जरूरत है।

■ इन स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था के लिए 20 हजार स्कूल व्याख्याताओं की जरूरत

■ अभी माध्यमिक कक्षाओं को पढ़ा रहे वरिष्ठ शिक्षकों से काम चलाया जा रहा है

जिनके बिना अभी माध्यमिक कक्षाओं को पढ़ा रहे वरिष्ठ शिक्षकों से काम चलाया जा रहा है जो नियम विरुद्ध है। क्योंकि उच्च माध्यमिक कक्षाओं को पढ़ाने की योग्यता एमए बीएड है ओर जो वरिष्ट अध्यापक वर्तमान में अध्यापन करवा रहे हैं, उनमें से अधिकांश बीए बीएड है। इन स्कूलों में अध्ययन करने वाले उच्च माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्कूल क्रमोन्नत होने के बाद माध्यमिक शिक्षा के पूर्व निदेशक कानाराम ने राज्य सरकार को इन स्कूलों में पद भरने के लिए पत्र भी भेजा था लेकिन अभी तक ना तो नई भर्ती हुई है ना ही पदोन्नति हुई है जिससे स्कूलों में पद रिक्त है।शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया कि उच्च माध्यमिक स्कूल में ऐच्छिक विषयों के तीन व्याख्याता तथा हिन्दी-अंग्रेजी अनिवार्य विषय के एक-एक व्याख्याता सहित प्रति स्कूल पांच पद की आवश्यकता है।

इस तरह चार हजार स्कूलों के लिए ऐच्छिक विषयों के लिए 12 हजार तथा हिन्दी-अंग्रेजी अनिवार्य के लिए चार-चार हजार व्याख्याताओं की आवश्यकता है। साथ ही एक-एक सहायक प्रशासनिक अधिकारी का पद भी खाली है।शिक्षा विभाग ने शिक्षण व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए विद्या संबल योजना के तहत गेस्ट फैकल्टी का सहारा लेने की घोषणा की परन्तु अभी तक गेस्ट फैकल्टी की योजना भी सिरे नहीं चढ़ पाई है। सरकार ने नया शिक्षा सेवा नियम लागू कर दिया फिर भी विभाग दो सत्रों की वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पदोन्नति सूची जारी होने के बाद भी पदोन्नति नहीं कर रहा है।

राशिफल गुरूवार 14 जुलाई, 2022

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 8:18 तक, वैधृति योग प्रात: 8:27 तक, बालव करण दिन 10:12 तक, चन्द्रमा मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मीन, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज वैधृति पूण्य और अशून्य शयन व्रत।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:28 तक, चर 10:50 से 12:33 तक, लाभ-अमृत 12:33 से 3:56 तक, शुभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:19

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

धनु
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। कार्य योजनानुसार सम्पन्न होंगे। व्यावसायिक कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होंगे।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

प्लास्टिक का उपयोग करने वालों से 38 किलो प्लास्टिक कैरीबैग जब्त की

प्रतापगढ़। केन्द्र/राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्लास्टिक कैरीबेग प्रतिबंध के बावजूद भी कुछ व्यक्तियों द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है इसको रोकने हेतु आज नगर परिषद टीम द्वारा प्रशासन के सहयोग से प्लास्टिक जप्तीकरण की कार्यवाही की गई।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए नगर परिषद आयुक्त जितेन्द्रकुमार मीणा ने बताया कि प्रतापगढ़ शहर के आमजन को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए देय निर्देशानुसार प्लास्टिक जप्तीकरण की कार्यवाही स्वास्थ्य निरीक्षक मनीष सिंगोलिया के सानिध्य में गठित टीम द्वारा जप्तीकरण की कार्यवाही गई है,जिसके तहत 07 व्यक्तियों से 1500 रू. के चालान काटे गये जिनसे करीबन 38 किलो प्लास्टिक जप्त की गई।

परिषद द्वारा प्लास्टिक जप्तीकरण की कार्यवाही मे प्रभारी मनीष सिंगोलिया जमादार हसमुख चनाल,महेश टोपिया, सीताराम सरसिया,पीतल सिंगोलिया, सफाई कर्मचारी विकास बाहेती, तरूण दावरे,पैलेन्द्र, देवनारायण, मोहन मीणा,सोनू, पुलिस कॉन्स्टेबल प्रभुलालजी की गठित टीम द्वारा कार्यवाही की गई, प्लास्टिक धरपकड की कार्यवाही निरन्तर प्रारम्भ रहेगी अतः समस्त व्यापारीगणो, दुकानदारो,आमजन से आग्रह है कि प्लास्टिक का उपयोग न करे व कपडे की थैलीयों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर पर्यावरण को प्रदुषित होने से बचाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

प्लास्टिक कैरीबेग प्रतिबंध के बाद भी उपयोग लेने पर नगर परिषद टीम ने कार्रवाई कर प्लास्टिक जब्त किया।

तेरापंथ धर्म संघ का स्थापना दिवस

राजसमंद। प्रज्ञा विहार तेरापंथ भवन में साध्वी मंजूयशा के सान्निध्य में तेरापंथ धर्म संघ का 263वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत साध्वी के नमस्कार महामंत्र एवं श्रीपार्श्वनाथ भगवान की मंगल प्रस्तुति से किया। तेयुप मंत्री दिव्यांश कच्छारा, दीपक चोरडिया ने मधुर स्वर लहरी में गीत प्रस्तुत किया। साध्वी मंजूयशा ने अपने आराध्य आचार्य भिक्षु के प्रति श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए कहा कि तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु इस धरा पर एक सूर्य बनकर आए। उन्होंने दीक्षित होने के बाद शास्त्रों का गहन अध्ययन किया। वे महान व्यक्ति थे। महान वह होता है जो नए दर्शन के साथ नये युग में प्रवेश करता है। धर्म के क्षेत्र में क्रान्ति की लहर ले आता है। आचार्य भिक्षु को आषाढ शुक्ल पूर्णिमा वि.स.1817 में अंधेरी ओरी केलवा में एक नया आलोक मिला।

इस अवसर पर साध्वी चिन्मय प्रभा, साध्वी चारूप्रभा, साध्वी इन्दुप्रभा ने गीत, भाषण, कविता के माध्यम से अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति दी। पुनिता सोनी, खुशी तलेसरा आदि उपस्थित थे।

गरीब बच्चों के लिए खाने की प्लेट बांटी

निम्बाहेड़ा। सब की सेवा सबको प्यार मिशन पर कार्यरत क्षेत्र की प्रमुख समाजसेवी संस्था महावीर इंटरनेशनल के वीरा केन्द्र पद्मिनी के तत्वावधान में नेहा फाउंडेशन ट्रस्ट, सूरत की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय पिपलिया कलां तहसील गंगरार में कंजर बस्ती के गरीब बच्चों को स्कूल में खाना खाने के लिए 80 प्लेट, 90 ग्लास, खाना बनाने के लिए चूल्हा-भट्टी, गैस का सिंगल चूल्हा, बिस्किट आदि वितरित किए गए।

इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ जोन चेयरपर्सन वीरा सरोज ढेलावत ने महावीर इंटरनेशनल की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर संस्था के माध्यम से फिर से मदद करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ढेलावत ने कंजर बस्ती की लड़कियों को संस्था द्वारा चलाई जा रही कन्यादान योजना के बारे में अवगत करा कर कन्यादान करवाने का भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम में वीरा संगीता जैन, अनिल सेठिया, रितु सेठीया, यशा सेठिया, भरत कुमार धाकड़, अरविंद कुमार, भगवती लाल सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

सार-समाचार

छात्रों का सम्मान किया

राजसमंद। जिला मुख्यालय पर संचालित विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय कांकरोली में गुरु पूर्णिमा पर संस्थान में छात्रों के बौद्धिक विकास एवं संस्कारों का बीजारोपण करने के भाव से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रारंभ में मुख्य यजमान राजेश खंडेलवाल तथा सुनीता खंडेलवाल के सानिध्य में मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर ग्रह शांति पूर्वक यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रमुख रतनीदेवी जाट, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी माधव चौधरी, पूर्व सभापति अशोक रांका, साहित्यकार डॉ आनंद श्रीवास्तव, राकेश पगारिया, नंदलाल बाफना, वरिष्ठ कमलेश हिगड थे। छात्रा माधवी मिश्रा, रीना खींची के मार्गदर्शन में पोथी पूजन करवा कर अक्षरारंभ, विद्यारंभ संस्कार करवाया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय का शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षकों को और 10उत्तीर्ण छात्रों का सम्मान किया गया। भारती संस्थान अध्यक्ष ललित साहू ने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर उन्नति करते रहने के लिए प्रेरित किया।

खेलकूद के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

उदयपुर। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा आयोजित किए जा रहे दिन राजीव गाधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए उदयपुर जिले के रजिस्ट्रेशन फिर शुरू हो चुके हैं। जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन ने बताया कि 29 अगस्त को खेल दिवस से आयोजित हो रही प्रतियोगिता के लिए पूर्व में जिले के कुल 197353 खिलाडियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हुए थे। अब जो खिलाडी पंजीयन करने से वंचित रह गये थे उन्हें राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा 31 जुलाई 2022 तक ऑनलाईन पंजीयन करने हेतु लिंक बनाया गया है जो वेबसाईट के लिंक 'डब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पंचायत डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन/खेल महोत्सव/व्यू/प्लेरजिस्ट्रेशनरिमोट' पर कबड्डी, टेनिस बाल क्रिकेट, वालीबॉल, हॉकी, शूटिंगबाल (बालक वर्ग), खो-खो(बालिका वर्ग) में अपना पंजीयन कर सकते है।

बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

राजसमंद। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही कस्बे में पिछले 1 सप्ताह से अघोषित अनियमित बिजली कटौती से ग्रामीणों में आक्रोश है। गौरतलब है कि क्षेत्र में उमस को लेकर तेज गर्मी के चलते बिजली विभाग की ओर से हर रोज अघोषित दिनभर में रुक-रुक कर करीब 1० बार बिजली काटी जा रही है। बिजली बंद होने के कारण मच्छरों का भी प्रकोप काफी बढ जाता है। ऐसी स्थिति में रात्रि के समय ग्रामीणों को सोने में काफी परेशानी का सामना करना पडता है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को शिकायत कर क्षेत्र में नियमित बिजली देने की मांग की है।

उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आज

बांसवाडा। आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए आज गुरुवार को जिले के समस्त उपखण्ड स्तर पर उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर प्रकाशचन्द्र शर्मा ने मुख्य सचिव के निर्देशों की अनुपालना में होने वाली उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों को अपने-अपने उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया

उदयपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर अनुष्का ग्रुप द्वारा बुधवार को गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया गया। संस्थान के छात्र खुशबू, दीपक, यश, लक्षित, चेष्ठा, गरिमा, सुमन, कोमल ने गुरु के चरण स्पर्श करके विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दुनियां में आने के बाद जो सही मार्ग पर चलना, जीवन को सही मायने में जीना सिखाता है।

विकास कार्यों में गुणवत्ता का रखें ख्याल : कलक्टर

उदयपुर। नगर विकास प्रन्यास के अध्यक्ष और जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने कहा है कि नगर विकास प्रन्यास के तहत होने वाले विकास कार्यों में गुणवत्ता का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाए ताकि राज्य सरकार के निर्देशानुसार विकास कार्यों का फायदा आमजनता को मिल सके।

कलक्टर मीणा बुधवार को नगर विकास प्रन्यास की सामान्य बैठक की अध्यक्षता करते हुए न्यास सदस्यों व अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने न्यास के माध्यम से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों के बारे में विभिन्न 52 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की और महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने एक-एक विकास कार्य पर तसल्ली से प्रन्यास व विभागीय अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी ली और इससे समग्र लोकहित की पुष्टि होने पर उनको स्वीकृति दी। बैठक में कलक्टर मीणा का पूरा फोकस विकास कार्यों की गुणवत्ता पर रहा वहीं उन्होंने कहा कि हमारी बनाई सड़क पर व्हाइट लाइन 15 दिनों से ज्यादा क्यों न दिखती ? उन्होंने नेशनल हाईवे की क्वालिटी की व्हाईट लाइन करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान खेल गाँव में एक और हॉकी एस्ट्रोटर्फ बनाने पर भी चर्चा हुई। कलक्टर ने खेलगांव की पहाडियों पर जल्द से जल्द पौधरोपण करवाने के निर्देश दिए और कहा कि मानसून के दौरान ही चंडीगढ की तरह स्थानीय प्रजातियों के फूलदार पौधे लगाए जावें। कलक्टर ने रानी रोड को हेवी ट्रैफिक से मुक्त कराने की योजना बनाने के लिए परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए। इसके साथ ही सूचना केन्द्र के ऑडिटोरियम और पुस्तकालय के जीर्णोद्धार तथा शहर में महान विभूतियों की प्रतिमाओं के क्षतिग्रस्त पेडस्टल में सुधार के लिए भी निर्देश दिए गए। न्यास सचिव बालमुकुन्द असावा ने बताया कि बैठक में विभिन्न विमर्श उपरांत प्रन्यास के विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण, न्यास रूपान्तरित आवासीय कॉलोनियों की सडकों व नालियों की सफाई एवं न्यास क्षेत्राधिकार के मुख्य मार्गो तथा बरसाती नालों की सफाई का कार्य नियमित रूप से नगर निगम, उदयपुर के माध्यम से करवाये जाने हेतु एम.ओ.यू. निष्पादित किया।

युवक से मारपीट के मामले में कांस्टेबल सस्पेंड

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने शहर के गारियावास निवासी युवक के साथ मारपीट करने के मामले में एक कांस्टेबल को सस्पेंड कर साथी तीन पुलिसकर्मियों को लाईन हाजिर किया है।

प्रकरण के अनुसार गत दिनों शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र गायरियावास निवासी पुष्कर बुनकर को शराब के नशे में देख पड़ोसी कांस्टेबल सूरजपोल थाने में तैनात ओमप्रकाश ने उसे चले जाने को कहा था। इस दौरान पीछा किया तो वह भाग गया। कुछ ही देर में हिरणमगरी पुलिस थाने से जाप्ता मंगवा कर घर में घुस कर मारपीट कर पुष्कर को थाने ले गए। जहां कांस्टेबल ओमप्रकाश व अन्य पुलिस कर्मियों ने मारपीट कर उसे शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस मामले में परिजनों ने जिला पुलिस अधीक्षक को परिवाद देकर कार्यवाही की मांग की थी। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने कांस्टेबल ओमप्रकाश को सस्पेंड कर साथी तीन पुलिसकर्मियों को लाईन हाजिर करने के आदेश जारी किए।

नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाए

उदयपुर में नगर निगम ने उदियापोल क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

उदयपुर। बुधवार को नगर निगम अतिक्रमण निरोधक शाखा द्वारा उदियापोल पर किए गए अतिक्रमण को हटवा कर वहां की व्यवस्था सुचारू की गई। नगर निगम उप महापौर एवं स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष पारस सिंघवी ने बताया कि बुधवार को उदियापोल स्थित केंद्रीय बस स्टैंड के समीप कुछ परिवारों द्वारा वहां पर अस्थाई टेंट व झोपडीया बनाकर अतिक्रमण किया गया था उसको निगम ने पहले हटवाया लेकिन कुछ समय पश्चात अतिक्रमियों द्वारा फिर से वहा टेंट लगाकर अतिक्रमण कर दिया गया। किए गए अतिक्रमण के कारण वहां की व्यवस्था प्रभावित हो रही थी, जिस पर संज्ञान लेते हुए अतिक्रमण निरोधक शाखा द्वारा किए गए जेसीबी आदि से कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाया गया।

> उदियापोल स्थित केंद्रीय बस स्टैंड पर कुछ परिवारों ने अतिक्रमण कर रखा था

ईच्छापूर्ण बालाजी की महाआरती की

निम्बाहेड़ा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नव नियुक्ति नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी ने मंगलवार को रेल्वे फाटक के समीप स्थित श्री ईच्छापूर्ण बालाजी मंदिर पर आयोजित महाआरती में भाग लिया। इस दौरान श्री बजरंग व्यामशाला विश्राम सेवा समिति द्वारा नवनियुक्त भाजयुमो नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर व्यायामशाला के शंभू सिंह पंवार, दिनेश माली, अशोक बाबेल, अभय कुमार सिसोदिया, पार्षद जगदीश माली, महिपाल सिंह, अभिषेक शर्मा, राकेश कुमावत, हितेश जोशी, पंकज पंडित, गोविंद सोनी, राहुल सोनी, प्रतिक जैन, मुकेश धोबी, लक्ष्मीनारायण माली एवं नरेंद्र लखारा आदि मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर अनुष्का ग्रुप द्वारा आज गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया, संस्थान के सभी सदस्यों एवं छात्रो ने इस पर्व को बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया साथ ही संस्थान के छात्र खुशबु, दीपक, यश, लक्षित, चेष्ठा, गरिमा, सुमन, कोमल ने गुरु के चरण स्पर्श करके उनके बारें में अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया की दुनियां में आने के बाद जो सही मार्ग पर चलना, जीवन को सही मायने में जीना सिखाता है, जीवन जीने का उद्देश्य, परमात्मा और इस दुनिया का ज्ञान बताता है वही गुरु होता है। अनुष्का ग्रुप के संस्थापक डॉ एस एस सुराणा ने सभी विद्यार्थियों को बताया की गुरु के बिना एक विद्यार्थी अपने जीवन के सही पथ पर नही चल सकता एवं सही राह दिखाने के लिए एक विद्यार्थी को गुरु की जरुरत रहती है। साथ ही आज संस्थान पर -2021 परीक्षा में -312 प्राप्त करने वाले उदयपुर के चिराग मेहता ने विद्यार्थीयों को सफलता प्राप्त करने के रोचक तथ्य बताए। इस कार्यक्रम में संस्थान के सचिव राजीव सुराणा ने सभी को गुरुपूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित किया।

प्रो.महिमा बिड़ला की दो पुस्तक प्रकाशित

उदयपुर। पेसिफिक विश्वविद्यालय के प्रबन्ध संकाय कि डीन, प्रो. महिमा बिड़ला के दो कॉपीराईट प्रकाशित हुए है। डा. बिड़ला ने कॉपीराईट प्रकाशन वर्ष 2022 में प्रकाशित किए गये, जो कि प्रबन्धन विषय में कैटरिंग एण्ड फुड मैनेजमेन्ट सोल्यूशन एवं ज्वैलरी प्रोडेक्शन प्रोसेस इंप्रूवमेंट टेक्निक्स पर प्रकाशित किए गए है। डॉ. बिड़ला ने प्रबन्धन विषयों में नवाचार प्रदर्शित करते हुए देश के अन्य सहभागी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से यह दो कॉपीराईट इस वर्ष प्रकाशित किए है। यह कॉपीराईट इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इंडिया, ऑफिस ऑफ द कंट्रोलर, ऑफिस ऑफ कॉपीराइट भारत सरकार द्वारा मान्य एवं प्रकाशित किए गए हैं। यहाँ माइक्रो कैसलटेंस मैनेजमेन्ट शिक्षा के क्षेत्र में अत्यन्त उपयोगी पेडागॉजिकल टूल है जो विद्यार्थियों को संबंधित उद्योगों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं।

प्रशासन शहरों के संग अभियान कल से

उदयपुर। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने कहा है कि हर पार्षद आम जनता से सीधा जुडा होता है और प्रशासन शहरों के संग अभियान आम जनता की समस्याओं के निस्तारण के लिए ही आयोजित हो रहा है, ऐसे में अभियान की सफलता पार्षदों के सहयोग से ही होगी।

कलक्टर मीणा राज्य सरकार के निर्देशानुसार शहरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए जिले में आगामी 15 जुलाई से आयोजित होने वाले प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत बुधवार को नगर निगम उदयपुर के पार्षदों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में आयोजित होने वाले शिविर में अधिकाधिक लोग अपनी समस्याओं को निस्तारित करावें और इसका लाभ लें। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में होने वाले कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचे ताकि वे इसका लाभ उठा सकें। कलक्टर ने कहा कि अभियान की सफल क्रियान्विति के लिए मंत्रालयिक कर्मचारियों का विशेष प्रशिक्षण गुरुवार को ही आयोजित किया जाएगा।

बैठक दौरान नगर निगम महापौर जीएस टांक ने समस्त पार्षदों को अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों का लाभ उठाने का आ ान किया। उप महापौर पारस सिंघवी ने राज्य सरकार की मंशा अनुरूप अभियान का लाभ दिलाने के लिए मंत्रालयिक वर्ग को विशेष प्रशिक्षण देने की बात कही और कहा कि अभियान में अधिकाधिक पट्टे वितरित किए जावें। बैठक में अभियान के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक आरपी शर्मा ने कहा कि सरकार की मंशाओं के अनुरूप अभियान की गतिविधियों से अधिकाधिक लोगों को लाभ दिया जाएगा। उन्होंने हर व्यक्ति को इसमें सकारात्मक सहयोग का आव्हान किया।

आवेदन की तिथि 15 अगस्त तक बढ़ाई

उदयपुर। अल्पसंख्यक मामलात विभाग द्वारा सत्र 2022-23 में अल्पसंख्यक समुदाय के व्यवसायिक एवं शैक्षणिक ऋण हेतु ऑफलाईन आवेदन आमंत्रण की तिथि 15 अगस्त तक बढ़ाई गई है।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी खुशबू शर्मा ने बताया कि व्यवसायिक ऋण के अन्तर्गत राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड, जयपुर के दिशा-निर्देश एवं नियमानुसार 18 से 54 वर्ष की आयु के अल्पसंख्यक समुदायजनों को ऋण वितरित किया जायेगें। इसमें निर्धारित कलस्टर से सम्बन्धित आवेदन जिसमें परम्परागत एवं वंशानुगत आर्टिजन बुनकर, राष्ट्रीय, राज्य, जिला पर पुरस्कृत हस्तशिल्पी समाज के सबसे वंचित तबके के उद्यमी एवं स्टार्टअप उद्यमी एवं महिलाओं को वरीयता दी जायेगी।

प्रारूप-10 (नियम-6(7)देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिका, नाथद्वारा

सं. /न.पा.नाथ/90क/22/13732 **लोक सूचना** दिनांक: 12.7.2022

श्री चाहत सामोता पिता श्री विकास सामोता, श्रीमति प्रज्ञा कोठारी, प्रियंका, रेखा पिता इश्वर सिंह सामोता निवासी नाथद्वारा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	नाथद्वारा	4220/1684	0.1620 हैक्टेयर अर्थात 1620 मीटर में से 1229.66 मीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त , नगरपालिका, नाथद्वारा

भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India हर भारतीय का बैंक THE BANKER TO EVERY INDIAN

भारतीय स्टेट बैंक
शाखा – सदर बाजार, जिला-राजसमंद, (राज.)

आधिपत्य नोटिस परिशिष्ट-IV नियम 8(I) देखें

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता, **भारतीय स्टेट बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(12) **और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 का सपठित नियम 3** के तहत् प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में (ऋणी/जमानती/बंधककर्ता) **श्रीमान रमेश चंद पालीवाल पुत्र श्रीमान पृथ्वीराज पालीवाल एवं श्रीमती दुर्गा पालीवाल पत्नी श्रीमान रमेश चंद पालीवाल एवं श्रीमान राम चंद पालीवाल पुत्र श्रीमान प्रभु लाल पालीवाल (जमानती)** को मांगनी करते हुए, मांग सूचना पत्र दिनांकित **03/02/2022 रूपयें 10,16,518/- (अक्षरे रुपयें दस लाख सोलह हजार पांच सौ अठारह मात्र) दिनांक 01/02/2022** तक व आगे का ब्याज एवं आकस्मिक खर्चे, लागत पूर्ण भुगतान तक लागू सूचना-पत्र में उल्लेखित राशि को 60 दिनों के भीतर उक्त सूचना-पत्र की दिनांक/प्राप्ति दिनांक से लौटाने के लिये निर्गमित किया। ऋणग्रहिता (ऋणी/जमानती/बंधककर्ता) के वह राशि लौटाने में विफल होने पर, ऋणग्रहिता को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के अन्तर्गत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में, एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का आधिपत्य **दिनांक 08 माह जुलाई वर्ष 2022** को ग्रहण कर लिया हैं।"प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के संदर्भ में ऋणी का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधो की ओर आकृष्ट किया जाता हैं।" ऋणग्रहिता (ऋणी/जमानती/बंधककर्ता) को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा संपति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपति के साथ कोई व्यवहार **रुपये 10,16,518/- दिनांक 01.02.2022** तक की राशि व उस पर ब्याज व खर्चो के पूर्ण भुगतान तक के लिये भारतीय स्टेट बैंक के प्रभार के अध्यधीन होगा।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

श्रीमान रमेश चंद पालीवाल पुत्र श्रीमान पृथ्वी राज पालीवाल की सम्पत्ति जिसमें भूमि, भवन ढांचा आदि जो सभी सम्पत्ति के अभिन्न अंग है। ओर जो कि **प्लॉट संख्या 2, गणेश नगर, जावद, तहसील-राजसमंद, जिला-राजसमंद, राजस्थान** पर स्थित है। **जिसकी माप लगभग 1382.25 वर्ग फीट है।**

चतुः सीमाऐं:	पूर्व में : पब्लिक वे उत्तर में : प्लाट संख्या 01	पश्चिम में : खुली भूमि दक्षिण में : प्लाट संख्या 03

दिनांक : 08/07/2022
स्थान : जावद राजसमंद (राज.)

प्राधिकृत अधिकारी
भारतीय स्टेट बैंक

जनसुनवाई शिविर आज

उदयपुर। राज्य सरकार की ओर से जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं व समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान कर उन्हें राहत प्रदान करने के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था की अनुपालना में प्रत्येक माह के दूसरे गुरुवार को आयोजित होने वाले जन सुनवाई शिविरों के लिए जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने निर्देश जारी किए हैं।

कलक्टर मीणा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार उदयपुर जिले में 14 जुलाई को सभी उपखंड मुख्यालय के पंचायत समिति कार्यालय परिसर में सुबह 11 बजे से उपखंड स्तरीय जनसुनवाई शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इन शिविरों में उपखंड व ब्लॉक स्तरीय विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में आम जनता की व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं को सुना जाएगा और उनके निवारण किया जाएगा। कलक्टर ताराचंद मीणा ने सभी उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों को जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित करते हुए अधिक से अधिक लोगों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि इस जनसुनवाई के बारे में आमजन को जागरूक किया जायेगा।

राजस्थान विद्यापीठ में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया

उदयपुर में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर लोकमान्य तिलक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से गुरू सम्मान समारोह को प्रो एस.एस. सारंगदेवोत ने सम्बोधित किया।

उदयपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के संघटक लोकमान्य तिलक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से आयोजित गुरु सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरु पुर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढकर और कोई तिथि नहीं हो सकती। समारोह में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भवर लाल गुर्जर, कामाडिंग आफिसर इन्द्र कुमार घोशाल, प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. पारस जैन, डॉ. रचना राठोड, डॉ. भवानी पाल सिंह राठौड, डॉ. अमी राठौड सहित सभी गुरुओं का उपरणा, माला, पगडी पहना कर सम्मान किया गया। कुलपति सचिवालय में देर शाम तक विद्यापीठ के सभी संघटक विभागों के कार्यकर्ता, शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत का उपरणा, माला , श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच, प्रो. मंजू मांडोत आदि मौजूद थे।

उदयपुर में बोट टीम की चयन प्रक्रिया शुरू

उदयपुर, (निस)। फतहसागर झील पर होने वाली ड्रैगन बोट भारतीय टीम चयन की प्रक्रिया बुधवार को शुरू हुआ। यह चयन प्रक्रिया दो सत्रों में आयोजित होगा। इसके तहत गुरुवार को भी चयन प्रक्रिया के लिए प्रतिभागियों के बीच स्पर्धाएं होगी। खिलाड़ियों को पानी में ड्रेगन बोट चयन प्रक्रिया एवं शारीरिक सक्षमता के विविध परीक्षणों से गुजरना होगा। सभी परीक्षण फतहसागर झील एवं लवकुश स्टेडियम में होंगे।

बुधवार को उद्घाटन समारोह में उपस्थित संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने झील संरक्षण एवं झील स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि एक माह का जिला स्तरीय मेवाड़ बोट फेस्टीवल पर्यटन को बढ़ाने में सहयोग करेगा।

मुख्या अतिथि विधायक प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत ने बाहर से आए खिलाड़ियों से चर्चा की व उदयपुर में कयाकिंग खेल के विकास की संभावनाओं के बारे जाना। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि उदयपुर को इतनी खूबसूरत झील प्रकृति से ही उपहार स्वरूप मिली है जहाँ अंतराष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाएं भी आयोजित की जा सकती है।

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बडीसादडी, जिला चितौड़गढ़

क्रमांक:-मुब्लाशिअ/बसा/लेखा/निविदा/2022-23/232 दिनांक: 12.07.2022

निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा वर्ष 2022-23 हेतु निम्नलिखित कार्य के लिए मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाऐ नीचे अंकित दिनांक एवं समय तक प्राप्त की जाकर नियत तिथि को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि जो उपस्थित रहेंगे के समक्ष खोली जावेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्यकी अनुमानित लागत(राशि लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क	निविदा प्राप्त होने का दिनांक व समय	निविदा खोलने का दिनांक व समय
1.	कार्यालय के राजकीय कार्यो हेतु कार (बन्द बॉडी टेक्सी परमिट) किराये पर लेने हेतु। मॉडल 2018 से पुराना नहीं होगा।	रू. 2.51	रू. 5000	रू. 200	20.07.2022/ 1.00 पी.एम.	20.07.2022 /2.00 पी.एम.

निविदा से संबंधित शर्तें स्थानीय कार्यालय में कार्यालय समय में देखी जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य अनिवार्य शर्तें लागू होगी। निविदा आवेदन पत्र स्थानीय कार्यालय से निविदा शुल्क जमा करा कर प्राप्त कर सकते है। निविदाsppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

Rse-2223 A0729

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
बड़ीसादड़ी, जिला चित्तौड़गढ़

नेटबंदी के चलते 17000 किसान जमा नहीं करा पाये फसली ऋण

सरकार ने बढ़ाई फसली ऋण जमा कराने की अंतिम तिथि, बैंकों को नहीं मिले आदेश

झुंझुनूं, 13 जुलाई। नेट बंदी ने झुंझुनूं जिले के करीब 17 हजार किसानों को परेशानी में डाल दिया हैं। नेट बंदी की वजह से किसान तय तिथि को अल्पकालीन फसली ऋण जमा नहीं करवा पाए। हालांकि सरकार ने किसानों को राहत देते हुए ऋण जमा करवाने की अंतिम तिथि बढाई हैं। मगर आदेश नहीं आने के कारण अब किसानों को फसली ऋण के साथ ब्याज और पेनल्टी जमा करवानी पड रही है। अल्पकालीन फसली ऋण चुकाने वाले किसानों की परेशानी अभी कम नहीं हुई है। राज्य सरकार ने फसली ऋण जमा कराने की अंतिम तिथि तो बढा दी। लेकिन सहकारी बैंकों को आदेश जारी नहीं किए गए हैं। झुंझुनूं जिले के 84023 किसानों को अल्पकालीन फसली ऋण जारी किया था। इस लोन को 30 जून तक जमा कराना था। लेकिन नेट बंदी के कारण से 17087 किसान लोन जमा नहीं करा पाए। जिसके कारण 58 करोड 23 लाख 77 हजार एक सौ उनचालीस रुपए अल्पकालीन ऋण जमा नहीं हो पाया। जिस पर दो करोड दस लाख पिचेत्तर हजार आठ सौ चार रुपए ब्याज और पेनल्टी लग गई है। बैंकों के ऑनलाइन सिस्टम में 30 जून की आखिरी तिथि को लोन जमा नहीं होने पर किसानों के खातों में 7 फ़ीसदी ब्याज के साथ 2 प्रतिशत पेनल्टी भी जोड दी गई है। ऐसे में अभी किसान बकाया जमा कराने वाले किसानों को

- **नेटबंदी से लगभग 58 करोड़ 23 लाख 77 हजार एक सौ उनचालीस रुपए अल्पकालीन ऋण जमा नहीं हो पाया**

9 फ़ीसदी ब्याज के साथ लोन की रकम जमा करानी पड रही है। दूसरी ओर बैंकों का तर्क है कि सरकार के आदेश को अपैक्स बैंक सिस्टम में लाएगा उसके बाद स्वत ही ब्याज व पेनल्टी कम हो जाएगी। नेटबंदी की वजह से किसान अल्पकालीन फसली ऋण जमा नहीं करवा पाए। ऐसे में अब बैंकों को आदेश मिलने में देरी की वजह से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा हैं। साथ ही खरीफ की फसल के लिए भी परेशानी सामना करना पड रहा हैं।

अभी तक नहीं आए लिखित आदेश : एमडी

जिले के करीब 17000 किसान लोन जमा नहीं करा पा रहे हैं। सहकारी बैंक अब भी किसानों से लोन जमा करते समय सात प्रतिशत ब्याज ले रहे हैं। जबकि सरकार के निर्णय के अनुसार किसान को ब्याज और पेनल्टी नहीं देनी है। सहकारी बैंक की एमडी सुमन कुमारी का कहना है कि उनके पास अभी सरकार का आदेश नहीं आया है। झुंझुनूं जिले के सहकारी बैंकों व समितियों ने 84023 किसानों को ब्याज मुक्त फसली लोन दिया था। जिसे जमा करवाने की अंतिम तिथि 30 जून थी। लेकिन 29 जून को राज्य में नेट बंदी लागू होने से किसान समय पर ऋण जमा नहीं करा पाए। इसमें जिले के 17087 किसान हैं। सरकार ने ऋण जमा कराने की अंतिम तिथि 30 जून से बढ़ाकर 31 अगस्त तक कर दी है। लेकिन सहकारी बैंकों को अभी तक आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

स्कूलों को क्रमोन्नत किया, लेकिन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नहीं लगाये

कार्मिकों की भर्ती करवाने की मांग, राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने सीएम को पत्र भेजा

बीकानेर, (कासं)। राज्य के सरकारी प्रावि., उप्रावि तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के नवीन पद स्वीकृत करने तथा पूर्व से स्वीकृत रिक्त पदों पर कार्मिकों की भर्ती करवाने की मांग को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा।

संगठन के प्रदेश महामंत्री महेन्द्र कुमार लखारा व प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री रवि आचार्य ने बताया कि वर्तमान में प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद स्वीकृत नहीं है। वहीं अधिकांश उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद स्वीकृत नहीं है। ऐसे में विद्यालय में सहायक कर्मी से जुड़े काम किससे करवाये जाएं बड़ी दुविधा बनी हुई है।

संगठन के प्रदेशाध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि वर्तमान में 1200 रूपये प्रतिमाह पर विद्यालय

- **प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद स्वीकृत ही नहीं है**

कोष से सफाईकर्मी रखा जा सकता है किन्तु प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विकास कोष ही नहीं होता है। यदि छात्र कोष में बजट उपलब्ध भी हो तब भी मात्र 1200 रुपये में कोई भी काम करने को तैयार नहीं होता ।

संगठन के प्रदेश सभाध्यक्ष अरविन्द व्यास एवं प्रदेश संगठन मंत्री प्रहलाद शर्मा ने कहा कि राज्य में प्रावि, उप्रावि तथा उमावि की कुल संख्या तकरीबन 64553 है। तथा इन विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 25348 पद स्वीकृत है। जिनमें से करीब 6649 पदों पर ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत है जो कुल स्वीकृत पदों के केवल 26 प्रतिशत है।

प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि यदि प्रत्येक विद्यालय में एक ही चतुर्थ श्रेणी कार्मिक की नियुक्ति की जाये तो कुल-64553 कार्मिकों की आवश्यकता होगी। संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सम्पतसिंह एवं प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री रवि आचार्य ने बताया कि विद्यालयों में जमादार के करीब 456 स्वीकृत पदों पर तकरीबन 113 जमादार कार्यरत है। ऐसे में स्पष्ट है कि भारी मात्रा में पद रिक्त हैं व काम शिक्षकों अथवा बालकों की सहायता से पूरे किए जा रहे हैं।

संगठन की प्रदेश महिला मंत्री जयमाला पानेरी एवं प्रदेश मंत्री अरूण कुमार व्यास के अनुसार पूर्व से स्वीकृत पदों में भी तकरीबन 75 प्रतिशत पद रिक्त है।

'अनाज मंडी में किसानों की सुविधाओं पर फड़ अधिकारी के चेहते व्यापारियों का कब्जा'

किशनगढ़ बास, (निसं)। किशनगढ़ बास में अधिकारियों की आंखों के सामने व्यापारी अनाज मंडी में बने किसानों के कॉमन फड पर अपना अधिकार जमाए

- **कैमरे सालों से खराब, मुख्य गेट के सामने भरा रहता है पानी**
- **अधिकारियों की अनदेखी व्यापारियों और किसानों के लिए बनी सिर दर्द**

किशनगढ़ बास अनाज मंडी के मुख्य गेट पर भरा पानी।

हुए हैं। लाखों की लागत से लगी मास्ट लाइट व कैमरे सालों से खराब पडे है, गेट पर पानी भरा रहता है।

अनाज मंडी में किसानों की फसल को बारिश धूप से बचाकर रखने के लिए सरकार ने अलग से फड़ की व्यवस्था की है, आराम करने के लिए एयर कंडीशन भवन का निर्माण किया है। लाखों की मास्ट लाइट कैमरे लगाए गए हैं लेकिन मंडी में उल्टा ही हो रहा है यहां मंडी सचिव की शह पर किसानों के लिए बने कॉमन फड पर कुछ चेहते व्यापारी गोदाम के रूप में अपना डेरा जमाएं हैं।

कॉमन फड पर अधिकारी के चेहते व्यापारियों का इतना अधिक माल होता है की किसानों को बारिश में भी कॉमन फड पर फसल रखने के लिए जगह नहीं मिल पाती है। जिसके कारण खुले आसमान के नीचे बारिश में किसानों की फसल खराब हो जाती है और औने पौने दामों में किसानों को बेचकर जाना पडता है।

सरकार ने अनाज मंडी में एक एयर कंडीशनर हॉल का निर्माण किया हुआ है। उसका हॉल का फायदा भी किसानों नहीं मिल रहा है। इन दिनों अनाज मंडी में किसान सरसों की फसल लेकर पहुंच रहा हैं। मंडी टैक्स से सरकार को लाखों का राजस्व मिलने वाला है। मंडी सचिव की अनदेखी के कारण अनाज मंडी प्रांगण में लंबे समय से स्ट्रीट लाइट कैमरे खराब पडे है।

अमरनाथ यात्रा त्रासदी के प्रत्यक्षदर्शी पहुंचे जोधपुर

जोधपुर, (कासं) । अमरनाथ यात्रा त्रासदी के प्रत्यक्षदर्शी चांदपोल निवासी गोपाल देवड़ा और उनके साथ गए हुए यात्री आज वापस दो बसों में जोधपुर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शी गोपाल देवड़ा ने बताया कि 08 जुलाई शुक्रवार के दिन जोधपुर के यात्रियों को यात्रा की अनुमति मिली , सुबह 4 बजे सभी यात्री बालताल से अमरनाथ पवित्र गुफा कि तरफ़ बड़े और शाम को 5 बजे अमरनाथ महादेव के दर्शन कर लिए । वहां उस समय आरती की तैयारी चल रही थी। जोधपुर के तमाम यात्रियों ने वापस बालताल चलने का निर्णय लिया। ठीक उसी वक्त पवित्र गुफा के पास पहाड़ी के ऊपर से बादल फटने की वजह से जल का बड़ा सैलाब आया । इसमें बहुत बड़े- बड़े पत्थर तिनके की तरह बहते हुए नजऱ आए। हम लोगों ने गुफा की सीढ़ियों से देखा कि जिस रास्ते से हम सभी यात्री आए थे वह पुरी तरह से विलुप्त हो चुका था। और जिन टेन्टों में लोग ठहरे हुए थे। वो भी पानी में बह रहे थे। कई यात्री बह गए थे। कई घायल हो गए तो कई यात्री तो सैलाब में दब गए ।

मैडिकल स्टाफ के एप्रेन से लेकर बेडशीट तक खादी के होंगे

- **खादी को सरकारी अस्पतालों का सहारा**

बीकानेर, (कासं) देश के मेडिकल कॉलेज, सरकारी हॉस्पिटल और नर्सिंग होम में खादी के वस्त्रों की खरीद होगी। नेशनल मेडिकल कमीशन (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग) ने एक आदेश जारी कर चिकित्सकीय पेशे से जुड़े डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ सहित मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में खादी के वस्त्रों का उपयोग करने की सलाह दी है। मेडिकल एजुकेशन बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अरुणा वी. वनिकर ने कहा कि यह वैज्ञानिक तौर से प्रमाणित हो चुका है कि खादी के वस्त्र और अन्य उत्पाद स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि पर्यावरण के लिए भी अनुकूल होते हैं।

ऐसे में खादी द्वारा उत्पादित वस्त्र जो विशेष रूप से चिकित्सा पेशेवरों के लिए डिजाइन और निर्मित किए जाते हैं, जैसे बेड-शीट, पिलो कवर, एप्रन, पर्दे, रोगी का गाउन, साबुन, हैंड-वॉश, फेनिल आदि की खरीद कर उनका उपयोग किया जाए। इससे खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत तैयार करवाए जा रहे हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री और विपणन को बढ़ावा मिलेगा।

देश के विभिन्न कर्मचारी बीमा निगम (ईएसआई) हॉस्पिटल में फिलहाल खादी के वस्त्रों की खरीद की जाती है। मेडिकल कॉलेज बीकानेर और इससे संबद्ध हॉस्पिटल में अगर खादी के वस्त्रों की खरीद की जाती है तो इसका सीधा लाभ बीकानेर के करीब 12 हजार कतिन और 300-400 बुनकरों को होगा। -शिशुपाल, संभाग अधिकारी राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड बीकानेर का कहना है कि नेताओं की पहुंच तक सीमित रही खादी पिछले कुछ सालों में लोकल से ग्लोबल हो चुकी है। इसका सालाना टर्नओवर पूरे देश में एक लाख करोड़ के ऊपर पहुंच चुका है।

5 बाल अपचारी छत के गेट को तोड़ फरार

टोंक, (निसं)। टोंक के राजकीय सम्प्रेषण गृह में उस समय हड़कंप मच गया जब सम्प्रेषण गृह से बुधवार को दोपहर में 5 बाल अपचारी छत के गेट को तोड़ फरार हो गए।

घटना की सूचना सम्प्रेषण गृह अधीक्षक ने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का मौका मुआयना कर सीसीटीवी फुटेज देखे। दरअसल बाल सम्प्रेषण गृह के रामप्रसाद ने बताया कि हत्या जैसे जघन्य मामलों में विधि से संघर्षरत एक बाल अपचारी सहित 5 बाल अपचारी छत के गेट को तोड़ कर बाल सम्प्रेषण गृह की दीवार को फांद कर जंगलों के रास्तों से फरार गए। वहीं इस दौरान कुछ बाल अपचारियों के कपड़े और चप्पल भी भागते हुए मौके पर ही छूट गए हैं। पुलिस पांचों बाल अपचारियों की सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखकर तलाश में जुटी हुई है।

अस्पताल की मोर्चरी में फिर बदले शव

जोधपुर, (कासं) । एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में पुलिस और अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के चलते आज एक पखवाड़ा बाद ही शव बदलने की दूसरी घटना हो गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार रोहित निवासी रामेश्वर नाबरिया (52) पुत्र नारायण नाबारिया की एमडीएम अस्पताल में कल शाम को मौत हो गई थी । परिजनों ने पोस्टमार्टम और अग्रिम कार्यवाही के लिये शव एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जबकि राईकाबाग बच्चन निवास होटल के पास रहने वाले मानसिंह (32) पुत्र भंवरसिंह राजपूत ने आज सुबह दम तोड़ा जिसका शव भी पोस्टमार्टम के लिये मोर्चरी में रखवाया गया। इसी दौरान जल्दबाजी में रामेश्वर नाबरिया का पोस्टमार्टम कर दिया और उनको मानसिंह बताते हुए शव पैक करके परिजनों को सुपुर्द करने पर परिजन एम्बूलेंस में डालकर घर ले गये। इसी दौरान रामेश्वर नाबरिया के परिजनों ने शव देने को कहा तो पता लगा कि मानसिंह की जगह रामेश्वर नाबरिया का शव लेकर चले गये है और मानसिंह का शव फ्रिज में ही पड़ा है। बाद में मानसिंह की जगह रामेश्वर नाबरिया का शव राईकाबाग छोडक़र एम्बूलेंस चालक वापस आया।

नीमराणा में नवीन कॉलेज खोलने की घोषणा के बाद भी नहीं मिल रहा अस्थाई भवन

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। औद्योगिक क्षेत्र नीमराणा में नवीन राजकीय महाविद्यालय खोलने की राज्य सरकार की बजट सत्र 2022- 23 में घोषणा के बाद नीमराणा महाविद्यालय के नाम से प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया आरंभ की गई। जिसकी ऑनलाइन प्रवेश की अंतिम तिथि को बढ़ाते हुए 16 जुलाई 2022 कर दिया गया परंतु अजीबोगरीब स्थिति देखने को यह मिली कि आज तक अस्थाई भवन उपलब्ध नहीं हो पाया है।

- **कॉलेज में ऑनलाइन प्रवेश की अंतिम तिथि को बढ़ाते हुए 16 जुलाई 2022 कर दिया गया है**

आयुक्तालय के द्वारा स्थानीय प्रशासन जिसमें सीबीईओ सरिता , उपखंड अधिकारी मुकुट सिंह नीमराणा तथा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हुए राजकीय उच्च स्तर तक के विद्यालय होने के बावजूद नीमराणा में महाविद्यालय के छात्रों के लिए अस्थाई भवन की व्यवस्था नहीं होने के कारण कागजों में ही राजकीय महाविद्यालय नीमराना के चलने की स्थिति सामने आई है।

नीमराणा उपखंड अधिकारी मुकुट सिंह से जानकारी लेने ने पर उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के लिए अस्थाई भवन की व्यवस्था करने का प्रयास किया जा रहा है । जल्द ही किसी आईटीआई भवन के मामले में बात चल रही है । वहीं नीमराणा सरपंच माया के प्रतिनिधि शिवचरण गुप्ता ने बताया कि उनसे राजकीय महाविद्यालय की अस्थाई भवन उपलब्धि के मामले में कोई मांग या सहयोग करने की बात नहीं आई है तथा बहरोड़ महाविद्यालय जिस प्रकार हायर सेकेंडरी विद्यालय भवन से क्रियाशीलता में आया था उसी प्रकार नीमराणा में भी चलाया जा सकता है । उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के लिए 25 बीघा जमीन के अलॉटमेंट की एनओसी जारी कर भरपाई हेतु अन्यत्र जमीन की व्यवस्था कर दी गई है। जिसका निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग के तहत किया जाएगा।

करंट लगने से खलासी की मौत

सादुलपुर, (निसं)। एन.एच. 52 चूरू सादुलपुर सडक मार्ग पर होटल पर खडे ट्रक का रस्सा टाईट करते समय चालक द्वारा अचानक ट्रक को चलाने से खलासी की करंट लगने से मौत हो गई।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलोदा नें बताया कि शिशपाल सिंह राजपूत निवासी गाँव सेऊवा तहसील राजगढ जिला चूरू नें इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि 24 जून को उसका भाई विजेन्द्र सिंह ट्रक बतौर खलासी के रूप में ट्रक में सामान भरकर गुजरात से हरियाणा जा रहे थे।

राजगढ एनएच 52 पर बने शहीद भगतसिंह होटल के पास पहुंचे तो टायरों के रस्से ढिले हो रहे थे। जिस कारण उसका भाई समय करीबन 2 बजे ट्रक के ऊपर चढकर टायरों के रस्सों को टाईट कर रहा था। जैसे ही वह ट्रक पर चढकर रस्से को खींचने लगा तो इतने में ही ट्रक चालक रणवीर सिंह ने अपने ट्रक को अचानक लापरवाही पूर्वक चला दिया। जिससे उसके भाई का शरीर अनियंत्रित हो गया और ऊपर से गुजर रही लाईन के विद्युत तारों से टकरा गया एवं करंट लगने से उसके भाई की ट्रक के ऊपर ही मृत्यू हो गई। परिवाादी ने बताया कि घटना के समय उसने पुलिस को रिपोर्ट दी थी।

400 बच्चों में से इंग्लिश मीडियम में पढ़ेंगे 255, बाकी को नहीं मिला एडमिशन

ग्रामीणों का कहना है कि दो पारियों में चलाया जाए स्कूल

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के गांव दुल्लापुर केरी में पिछले दिनों राज्य सरकार ने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरू करने की घोषणा की थी। इससे ग्रामीणों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्हें लगा था कि अब उनके बच्चे अंग्रेजी मीडियम सरकारी स्कूल में पढ़ सकेंगे। उनकी यह खुशी तब गायब हो गई जब अंग्रेजी मीडियम होने के बाद स्कूल में निर्धारित संख्या में ही छात्रों को प्रवेश दिया गया।

स्कूल में करीब चार सौ स्टूडेंट्स पिछले सेशन में पढ़ रहे थे। अब महात्मा गांधी स्कूल बनने पर इनमें केवल 255 को ही प्रवेश दिया गया है। बाकी बचे डेढ़ सौ स्टूडेंट्स के पेरेंट्स आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। गांव के सरकारी स्कूल को महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम में कन्वर्ट करने और अब इसमें सभी स्टूडेंट्स को प्रवेश नहीं मिलने से एडमिशन से वंचित रहे स्टूडेंट्स के पेरेंट्स ने रोष जताया। उन्होंने स्कूल का घेराव कर लिया। इनका कहना था कि राज्य सरकार ने स्कूल को इंग्लिश मीडियम घोषित किया है। इसमें कक्षा 1 से 8 तक के 400 बच्चे पढ़ रहे थे। इनमें 255 बच्चों को इंग्लिश मीडियम में एडमिशन दिया गया है। बाकी बचे स्टूडेंट्स को पढ़ाई के लिए गांव के बाहर अन्य स्कूलों में जाना होगा।

ग्रामीणों ने डीईओ के नाम ज्ञापन भी प्रिंसिपल मुकंदसिंह को सौंपा। दुल्लापुर केरी के ग्रामीणों का कहना था कि या तो सभी बच्चों को इंग्लिश मीडियम में दाखिला दिया जाए या इसी स्कूल को दो पारियों में चलाया जाए। ग्रामीणों का कहना था कि अगर उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया तो तालाबंदी की जाएगी।

विद्यालय को अंग्रेजी माध्यम में संचालित करने का विरोध

बीदासर, (निसं)। राजकीय बांठिया सीनियर विद्यालय बीदासर को राज्य सरकार द्वारा नये सत्र से कक्षा 1 से 8 तक अंग्रेजी माध्यम मे संचालन करने के विरोध में अभिभावकों व विद्यार्थियों ने जमकर आक्रोश व्यक्त किया।

अभिभावकों ने बताया कि अधिकतर विद्यार्थी हिन्दी माध्यम से ही अध्ययन करना चाहते है। जो बच्चे शुरू से ही हिन्दी माध्यम से पढ रहे हैं उनको ऐसे बीच मे अंग्रेजी माध्यम में करना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। अभिभावकों का कहना है कि अब किसी राजकीय विद्यालय में हिन्दी माध्यम में प्रवेश भी दिलायें तो सभी राजकीय विद्यालयों में नामांकन अधिक है तथा पास में कोई सरकारी विद्यालय नहीं है। इस मौके पर दर्जनो लोगों ने विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम के होने का विरोध किया।

मामले को लेकर अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुखदेवाराम प्रजापत ने कहा कि अभिभावकों का विरोध करना गलत है उन्हें कुछ लोगों द्वारा भ्रमित किया जा रहा है ऐसी कोई बात नहीं है राजकीय बांठिया विद्यालय में अंग्रेजी मीडियम और हिंदी मिडियम दोनों विद्यार्थियों को प्रवेश दिए जाऐंगे तथा हिंदी और अंग्रेजी मीडियम दोनों श्रेणी के विद्यार्थियों को दो पारियों में अध्ययन करवाया जाएगा।

प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश शर्मा का कहना है कि विद्यालय को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ ने वाला एक भी अध्यापक नहीं है। विद्यालय में हिन्दी माध्यम से पढ़ ने वाले अध्यापकों द्वारा ही अंग्रेजी माध्यम से संचालन किया जा रहा है।

10 हजार रुपए की नौकरी के लिए भर गया रोजगार कार्यालय

अलवर, (निसं)। बेरोजगारी की तस्वीर विकट हो चुकी है। 10 हजार रुपए के वेतन वाले 9 पद के लिए सैकडों युवक-युवती बुधवार को अलवर के जिला रोजगार कार्यालय पहुंच गए। जहां 9 पदों के लिए इंटरव्यू लिए गए। सूचना केवल राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एवं अत्याचार विरोधी

- **बुलानी पड़ी दो और कंपनियां, ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर के इंटरव्यू**

अलवर के रोजगार कार्यालय में बेरोजगारों को भीड़ उमड़ी।

मानवाधिकार नेशनल टाइगर फोर्स ट्रस्ट नई दिल्ली की ओर से जारी की गई थी कि इनके जरिए ब्लॉकवार को-ऑर्डिनेटर लगाए जाएंगे। जिले में 9 ही पद हैं।

कॉर्डिनेटर पद के लिए योग्यता भी स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण तथा आरएससीआरटी रखी है। इसके बावजूद एक-एक ब्लॉक से 50 से अधिक बेरोजगार आ गए। जिनमें कई एमए, इंजीनियरिंग व अन्य डिग्री धारी भी शामिल थे। जिला रोजगार अधिकारी को एक दिन पहले ही अंदेशा हो गया था कि भ्रष्टाचार निरोधक एवं अत्याचार विरोधी मानवाधिकार नेशनल टाइगर फोर्स ट्रस्ट नई दिल्ली की ओर से केवल एक ब्लॉक में एक ही कॉर्डिनेटर लगाया जाएगा। बेरोजगार ज्यादा आ सकते हैं। इस कारण दो-तीन और कंपनियों को बुला लिया ताकि उनमें चयन हो सके। यहां सिक्योरिटी सर्विसेज की ओर से भी युवाओं का चयन किया गया है। वहीं एलआईसी के एजेंट बनने के लिए भी आवेदन लिए गए हैं। 10 हजार रुपए की नौकरी पाने की इस दौड में एक-दो गर्भवती महिलाएं भी मौजूद थी । ज्यादातर को-ऑर्डिनेटर बनने के लिए इंटरव्यू देन आए थे। ब्लॉक वार इंटरव्यू लिए गए हैं। जिला रोजगार अधिकारी श्यामलाल साटोलिया ने कहा कि को-ऑर्डिनेटर के पद केवल 9 हैं। बेरोजगार अधिक आए, इस कारण दो-तीन दूसरी कंपनी बुलाई गई।

रास्ता खुलवाने एवं सुरक्षा की मांग को लेकर कलेक्टर से फिर मिला दलित परिवार

मुंडावर तहसील के गांव सुखमनहेड़ी में जाति विशेष के दबंगों द्वारा प्रताड़ित करने का मामला

अलवर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच के प्रदेश सहसंयोजक डॉ. रमेश बैरवा एवं जिला संयोजक एडवोकेट बी एल वर्मा के नेतृत्व में मुंडावर तहसील के गांव सुखमनहेड़ी के पीड़ित दलित परिवाजन और मंच कार्यकर्ताओं ने आज जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मुंडावर तहसील के गांव सुखमनहेड़ी में जाति विशेष के दबंगों द्वारा अवरुद्ध किए दलित परिवार के घर और खेतों के रास्ते को अविलंब खुलवाने और मारपीट की धमकी देने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में लिखा है कि 4 जुलाई को भी पीड़ितों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने तत्कालीन जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया था आश्वासन के बाद दिया आज तक भी उचित कार्यवाही नहीं की गई ।

घर से निकलने का रास्ता बंद हो जाने से पीड़ित परिवार के बच्चे स्कूल और कॉलेज नहीं जा पा रहे हैं। पीड़ितों ने कलेक्टर को वीडियो क्लीपिंग दिखाकर अपने बुरे हालातों के बारे में बताया। जिला कलेक्टर ने जल्द उचित कार्यवाही आश्वासन दिया है।

पीड़ित परिवार व दलित शोषण मुक्ति मंच के पदाधिकारियों ने कलेक्टर से मिल सुरक्षा की गुहार लगाई।

- **जाति विशेष के दबंगों द्वारा अवरुद्ध किए दलित परिवार के घर और खेतों के रास्ते को खुलवाने और धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग**

इस अवसर पर पीडित दलित परिवार के श्रीचंद, हरचंद एवं फूलचंद एवं इनके परिवारजन, ग्रामीण सहित डीएसएमएम से जुड़े कार्यकर्ता सहित महिलाएं भी शामिल रहीं।

यह लोकतांत्रिक स्वप्न है, यह गाँव, गरीब और जंगल की बेटी पर विश्वास जताना है : द्रोपदी मुर्मू

द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना समस्त जनजाति, गाँव के अंतिम व्यक्ति और महिला शक्ति के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का आराध्य भगवान गोविन्ददेवजी की नगरी जयपुर पधारने पर जयपुर एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक कई किलोमीटर मानव श्रृंखला के रूप में जनजाति समाज से लेकर राजस्थान की सभी 36 कौमों ने पलक पांवडे बिछाकर भव्य स्वागत अभिनन्दन किया। जयपुर एयरपोर्ट एवं कार्यक्रम स्थल पर द्रौपदी मुर्मू का भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, सांसद कनकमल कटारा, डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, जसकौर मीणा, रामचरण बोहरा, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र मीणा इत्यादि वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत एवं अभिवादन किया। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सीटी रवि उपस्थित रहे।

द्रौपदी मुर्मू ने विधायकों और सांसदों से संवाद के दौरान सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की वीर प्रसूता भूमि की वंदना एवं नमन करते हुए सभी प्रदेशवासियों को हृदयतल से नमस्कार करती हूँ। गुलाबी नगरी आना उतना ही सुखद है जितना अपनों के बीच अपने मन और दिल की बात कहना। ओडिशा में छोटे-छोटे सपनों के साथ पली-बढ़ी जनजाति समाज की एक बेटी को राष्ट्रपति भवन तक जाने का रास्ता दिया गया, यह लोकतांत्रिक स्वप्न है, यही अन्त्योदय है, यह गाँव, गरीब और जंगल की बेटी पर विश्वास जताना है। मुर्मू ने कहा कि राजस्थान और ओडिशा में भौगोलिक परिस्थितियों में भिन्नता होने के बावजूद दोनों राज्यों में काफी समानताएं हैं, जिनमें प्रकृति के साथ जीना, राजस्थान के लोगों द्वारा जल को जीवन की भाँति संवारकर रखना, इसी प्रकार ओडिशा के लोगों को चक्रवाती तूफानों के बावजूद जिंदगी का पहिया नई उम्मीदों के साथ घुमाते रहना आता है।

द्रौपदी मुर्मू के विधायकों और सांसदों से संवाद कार्यक्रम के दौरान डॉ. सतीश पूनियां ने स्वागत सम्बोधन में कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 2014 से बुनियादी बदलाव व वैचारिक मुद्दों के समाधान की दिशा में तेजी से काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में चयन होना देश और राजस्थान के आदिवासी समाज का सम्मान तो है ही, साथ ही महिला उत्थान के लिए भी पूरी दुनिया को बड़ा संदेश है। द्रौपदी मुर्मू का देश के इस सर्वोच्च पद पर आसीन होने से समस्त जनजाति, गाँव के अंतिम व्यक्ति और महिला शक्ति के उत्थान मे मील का पत्थर साबित होगा। गुलाबचन्द कटारिया ने कहा कि देश का सौभाग्य है कि भारत के सबसे बड़े पद पर द्रौपदी मुर्मू के पहुँचने से पूरी दुनिया में सकारात्मक संदेश जायेगा और देश की प्रथम आदिवासी महिला का राष्ट्रपति बनना ऐसे है जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई हीरा खोजकर लाये हैं। क्योंकि मुर्मू जमीन से जुड़ी हुई, गरीब के दु:ख-दर्द को समझने वाली, अंतिम व्यक्ति के घर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने के लिए संकल्पित महिला शक्ति हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद को सुशोभित करेंगी, राष्ट्रपति पद का सम्मान बढ़ेगा। इन्होंने एक श्रेष्ठ शिक्षक बनकर बच्चों को शिक्षा दी, गरीबों के विकास के लिए कार्य किये, यह आदिवासी समाज की संस्कारवान महिला हैं। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की विधायकों एवं सांसदों से संवाद की यह 25वीं श्रृंखला है। इनके राष्ट्रपति बनने से भारत की शक्ति पूरी दुनिया में और बढ़ेगी। द्रौपदी मुर्मू के विधायकों और सांसदों से संवाद कार्यक्रम के दौरान इनका परिचय सांसद भारती पंवार ने अपने संबोधन में दिया, कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र राठौड़ ने किया और धन्यवाद सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने किया।

एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित अन्य नेताओं ने स्वागत किया।

- **देश का सौभाग्य है कि भारत के सबसे बड़े पद पर द्रौपदी मुर्मू के पहुँचने से पूरी दुनिया में सकारात्मक संदेश जायेगा : कटारिया**
- **द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समाज की संस्कारवान महिला हैं : राजे**
- **द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से भारत की शक्ति पूरी दुनिया में और बढ़ेगी : शेखावत**

द्रौपदी मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम में राठौड़ पर भड़के किरोड़ी मीणा

- **राष्ट्रपति प्रत्याशी से अपने समर्थकों को मिलवाना चाहते थे सांसद डॉ.मीणा**

जयपुर। राष्ट्रपति पद की एनडीए उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू के कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर भाजपा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सोमवार को भड़क गए। आलम यह रहा कि मुर्मू के होटल क्लार्क आमेर पहुंचने से पहले ही आदिवासी समाज से आने वाले डॉ.किरोड़ी लाल मीणा अपने समर्थकों के साथ यहां से रवाना हो गए। नाराज किरोड़ी लाल मीणा की राजेंद्र राठौड़ के साथ भी तीखी नोकझोंक हुई तो वहीं भाजपा विधायक और सांसदों के साथ हुई मुर्मू की बैठक में भी वे शामिल नहीं हुए।

दरअसल किरोड़ी लाल मीणा आदिवासी समाज से जुड़े कई लोगों को मुर्मू से मिलवाना चाहते थे। वे इन लोगों को अपने साथ लेकर होटल क्लार्क आमेर भी पहुंचे जहां एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू का आदिवासी समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ संवाद का कार्यक्रम था। हालांकि समाज से जुड़े प्रबुद्धजनों से संवाद और मुलाकात कार्यक्रम के लिए पार्टी ने पहले ही कई लोगों के नाम तय कर लिए थे जिन्हें पास भी दे दिए गए थे, लेकिन जब किरोड़ी लाल मीणा बड़ी संख्या में समाज के अन्य लोगों को लेकर यहां पहुंचे तो पास से जुड़ी व्यवस्था में लगे भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ उनकी नोकझोंक हो गई। नाराज किरोड़ी लाल मीणा ने इस मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राजेंद्र राठौड़ के समक्ष भी नाराजगी जताई। बाद में नाराज होकर किरोड़ी होटल से चले गए।

राठौड़ से हुई झड़प में शेखावत ने बीच-बचाव किया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा अपने कुछ समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल होटल क्लार्क आमेर के अंदर भी पहुंचे जहां मौजूद प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीणा संग आए समर्थकों की ओर से भाजपा का झंडा लाने पर आपत्ति जताई। मंत्री शेखावत ने यह तक कहा कि यहां पर भाजपा के झंडे और नारे नहीं लगाए जाएंगे। भारत माता की जय बोलिए, वहीं राजेंद्र राठौड़ ने किरोड़ी लाल मीणा से यह भी कहा कि आपसे जब मैंने सूची मांगी थी कि किन के पास बनाने हैं तो आपने क्यों नहीं दी। ऐसे में मीणा भड़क गए और कहा मुझसे किसी ने सूची नहीं मांगी, न मेरे पास कोई आया था। नाराजगी का आलम यह था किरोड़ी लाल मीणा जोर-जोर से गुस्से में चिल्लाने लगे और यह तक कह डाला कि क्या दीवारों से पास मांगूं।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए उनके साथ उदयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर के कुछ आदिवासी नेता भी आए थे। इनमें बांसवाड़ा, डूंगरपुर के मोर्चा जिला अध्यक्ष भी थे लेकिन पार्टी ने उनका पास नहीं बनाया था। मीणा ने कहा कि उन्होंने राजेंद्र राठौड़ को इसकी जानकारी भी दी थी। जब कार्यक्रम में पहुंचा तो वहां सवाई माधोपुर के कई लोग मौजूद थे जबकि आदिवासी क्षेत्रों से आने वाले इन लोगों के पास को लेकर रोड़े अटकाए गए। मीणा ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ को बोलकर ही वह अपने गुरुजी से मिलने वृंदावन रवाना हो गए। होटल क्लार्क आमेर में भाजपा विधायक और सांसदों से द्रौपदी मुर्मू की मुलाकात और संवाद का कार्यक्रम था। उसमें भी डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा नहीं दिखे। ऐसे में यहां मौजूद भाजपा विधायक और सांसदों में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अनुपस्थिति को लेकर चर्चा बनी रही।

आस्तीन के सांप से दूर रहें तो ही अच्छा है

सचिन पायलट से बाबूलाल नागर की मुलाकात पसंद नहीं आई दूदू के कांग्रेसजनों को

जयपुर, (का.प्र.)। दूदू से निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर ने मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट से उनके निवास पर जाकर मुलाकात दूदू में पायलट समर्थक नेताओं को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई है। उन्होंने बाबूलाल नागर को "आस्तीन का सांप" बताते हुए सचिन पायलट से आग्रह किया है कि वे इससे बचके रहें अन्यथा आपके कार्यकर्ता आपसे दूर हो जाएंगे। पायलट के समर्थक और दूदू विधानसभा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके रितेश बैरवा इस मुलाकात से सबसे ज्यादा नाराज नजर आ रहे हैं। बाबूलाल नागर की सचिन पायलट के बंगले पर आने की सूचना के बाद रितेश बैरवा ने एक अपील सोशल मीडिया के जरिए सचिन पायलट तक पहुंचाई है।

बैरवा ने सचिन पायलट को याद दिलाया है कि किस तरह से ना करें उनके लिए अपशब्दों का प्रयोग किया था। साथ ही यह गुजारिश की गई है कि उनसे दूर रहें नहीं तो उनके समर्थकों का मनोबल टूट जाएगा। दूदू से कांग्रेस के उम्मीदवार रहे रितेश बैरवा ने लिखा है कि आप नागर को गले लगाकर उन हजारों कार्यर्ताओं का मनोबल तोड़ रहे हो, जिन्होंने हर जगह आपके स्वागत, सम्मान व जयकारों में कभी कमी नहीं होने दी। बाबूलाल नागर इन हजारों का हमेशा से ही शोषण करते आए हैं। इन्होंने आपके जयकारे लगाने पर कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवा दिया था। सचिन पायलट दूदू विधानसभा क्षेत्र का हर एक कार्यकर्ता व आपका समर्थक ये चाहता है, कि आप इस आस्तीन के सांप से दूर रहें तो ही अच्छा हैं, वरना ये कार्यकर्ता आपको छोड़ कर चला जाएगा।

व्हिप उल्लंघन के मामले में बीटीपी विधायकों को पार्टी ने नोटिस दिया

- **प्रदेशाध्यक्ष वेलाराम ने दोनों विधायकों पर सरकार से आर्थिक लाभ लेकर समर्थन देने का आरोप भी लगाया**

जयपुर, (का.प्र.)। बीटीपी प्रदेशाध्यक्ष डॉ वेलाराम घोघरा ने बीटीपी के दोनों विधायकों को राज्यसभा चुनावों में व्हिप का उल्लंघन करने के कारण नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है।

बीटीपी के प्रदेशाध्यक्ष वेलाराम घोगरा ने राज्यसभा चुनावों में व्हिप जारी करने की बात करते कहा कि राज्यसभा चुनावों में पार्टी की ओर से व्हिप जारी किया गया था, जिसमें दोनों ही विधायक सागवाड़ा से रामप्रसाद डिंडोर और चौरासी से विधायक राजकुमार रोत को किसी भी पार्टी के उम्मीदवार को समर्थन नहीं करने के लिए कहा गया था। इसके साथ ही सरकार के सामने कांकरी डूंगरी केस वापस लेने का प्रस्ताव रखा था। सरकार ने केस तो वापस नही लिए लेकिन दोनों ही विधायक बिना किसी सूचना के कांग्रेस की बाड़ेबंदी में जाकर बैठ गए।

घोघरा ने उनकी वोटिंग को धोखा करार देते हुए कहा कि ये दोनों विधायक सरकार से कांकरी डूंगरी केस भी वापस नही करवा सके और यहां के आदिवासी युवाओं के साथ धोखा किया। डॉ वेलाराम घोघरा ने दोनों ही विधायकों पर सरकार से आर्थिक लाभ लेकर समर्थन करने के भी आरोप लगाए और कहा की इसी वजह से दोनों ही विधायक कांकरी डूंगरी और यहां की मांगों को लेकर चुप हैं। प्रदेशाध्यक्ष घोगरा ने कहा कि विधायकों की ओर से बिना सूचना के बाड़ेबंदी में जाने ओर कांग्रेस को समर्थन करने को गलत मानते हुए नोटिस जारी किए हैं। दोनों विधायकों को 15 दिन का वक्त दिया गया है। इस दौरान दोनों को अपना जवाब पेश करना होगा। इसके बाद दोनों विधायकों के खिलाफ पार्टी कमेटी की मीटिंग में निर्णय लेकर कार्रवाई की जाएगी।

गैंग रेप मामले में विधायक पुत्र को राहत नहीं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में अलवर के राजगढ़ विधायक के पुत्र को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की ओर से निचली अदालत के प्रसंज्ञान आदेश के खिलाफ दायर आपराधिक याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश आरोपी दीपक मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि पुलिस की ओर से पेश किए गए आरोप पत्र में उसका नाम नहीं है। इसके अलावा अभियोजन पक्ष के पास उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। ऐसे में निचली अदालत ने उसके खिलाफ गलत तरीके से प्रसंज्ञान लेकर गिरफ्तारी वारंट से तलब किया है। जिसका विरोध करते हुए पीडिता के अधिवक्ता रजनीश गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के विधायक पुत्र होने के कारण क्लीन चिट दी है। एफआईआर के साथ ही पीड़िता के बयानों में आरोपी का नाम है। इसलिए निचली अदालत का प्रसंज्ञान आदेश सही है। गौरतलब है कि पीड़िता के पिता ने गत 25 मार्च को मंडावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें विधायक जौहरीलाल मीणा के बेटे दीपक मीणा सहित अन्य पर गैंग रेप का आरोप था।

तो क्या राजस्थान के लिए राहुल गांधी कोई साझा फार्मूला तय कर रहे हैं?

राहुल गांधी पहले दिल्ली में सचिन पायलट के धैर्य की प्रशंसा करते हैं, फिर एक पोस्ट के जरिए राजस्थान सरकार के कामकाज को सराहा जाता है

जयपुर, (का.प्र.)। राहुल गांधी सच में राजस्थान कांग्रेस के दो प्रमुख स्तंभ अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंदिता समाप्त करना चाहते हैं, या फिर वह दोनों नेताओं के बीच चल रही बयानबाजी को देखते हुए, एक बार जहां सचिन पायलट की तारीफ कर रहे हैं, तो दूसरी बार में वे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सरकार की तारीफ में पोस्ट डाल रहे हैं, ताकि संतुलन दिखाया जा सके। ऐसे में राजस्थान का कांग्रेसजन यह नहीं समझ पा रहा है कि आखिरकार कांग्रेस आलाकमान, जिसमें कि सभी महत्वपूर्ण फैसले सिर्फ राहुल गांधी लेते हैं, आखिरकार राजस्थान को लेकर क्या निर्णय करने वाले हैं या फिर असमंजस को बरकरार रखना चाहते हैं।

यह चर्चा किस लिए हो रही है कि हाल ही में एआईसीसी में जब राहुल गांधी सभा को संबोधित कर रहे थे, तब उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनुपस्थिति में सचिन पायलट के धैर्य की प्रशंसा की थी। तब यह माना जा रहा था कि बहुत जल्द राजस्थान में राजनीतिक बदलाव हो सकता है, लेकिन यह बदलाव नहीं हो पाया। अब राहुल गांधी ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट डाली है, जिसमें उन्होंने राजस्थान सरकार की जमकर बढ़ाई की है और लिखा है कि राजस्थान सरकार ने जो कहा वह सब किया है। हालांकि राजस्थान सरकार की इस तारीफ के साथ में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की फोटो भी पोस्ट की है।

दरअसल राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट लिखकर मेडिकल के क्षेत्र में गहलोत सरकार के कामकाज को सराहा है। सरकार की तारीफ वाली पोस्ट में अशोक गहलोत के साथ सचिन पायलट का भी फोटो लगाया है। गहलोत सरकार की तारीफ में की गई पोस्ट के फोटो में पायलट को शामिल किए जाने पर लोग इसे को बदलते सियासी समीकरणों से जोड़कर देख रहे हैं।

वही एक मायना यह भी निकाला जा रहा है कि जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार किसी ना किसी बहाने से राजस्थान में हुई सियासी बगावत को याद दिलाते रहते हैं, वही मौका मिलने पर सचिन पायलट भी अपने तरीके से जवाब देते हैं। ऐसे में जब राहुल गांधी ने दोनों नेताओं की फोटो एक साथ पोस्ट की है, तो इसका मतलब वह चाहते हैं कि लोगों में इसका असर यह जाए कि कांग्रेस आलाकमान दोनों नेताओं को बराबर तवज्जो देता है। मजेदार बात यह है कि राहुल गांधी की इस पोस्ट जिसमें कि दोनों नेताओं को साझा तवज्जो दी गई है, के बाद में अशोक गहलोत को जहां गुजरात में वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया गया, वहीं सचिन पायलट को भी हिमाचल प्रदेश में पर्यवेक्षक बनाने के आदेश आ गए।

राहुल ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट की है उसमें लिखा कि राजस्थान से जो वादा किया, वह निभाया। राहुल गांधी ने लिखा है "राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने जनता से किया अपना एक और वादा निभाया है। प्रदेश में चल रही नि:शुल्क दवा योजना में 824 और दवाइयों को शामिल किया गया है। राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य बना जहां लगभग 1795 दवाइयां बिल्कुल मुफ्त मिल रही है। इनमें से कई महंगी जीवनरक्षक दवाइयां भी मुफ्त मिलेगी, जिससे लाखों लोगों की जिंदगी बनेगी। कांग्रेस सरकार, राजस्थान की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य जनता के जीवन को बेहतर बनाना है। सभी हॉस्पिटल में मुफ्त में अच्छा इलाज, जांच, दवाइयां उपलब्ध कराकर अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को कम करना हमारी प्राथमिकता है। कांग्रेस पार्टी ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां सब बराबर हो, सबको सामान अधिकार, अच्छा जीवन, अच्छी सुविधाएं मिलें, ताकि हमारा देश तरक्की कर सके।"

राजस्थान में 2018 में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी उस दौरान शपथ ग्रहण के बाद राहुल गांधी ने अशोक गहलोत और सचिन पायलट को साझा फार्मूले से काम करने को कहा था।

राहुल गांधी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकांउट पर एक पोस्ट डाली, जिसमें राजस्थान सरकार की जमकर बढ़ाई की है।

- **सचिन पायलट की प्रशंसा के समय अशोक गहलोत का नाम नहीं लेते, लेकिन राजस्थान सरकार की प्रशंसा करते हैं, तो सचिन पायलट की फोटो भी साथ में पोस्ट की जाती है**
- **हालांकि लोग अभी यह समझने में असमर्थ है कि आखिरकार राजस्थान में दोनों नेताओं की प्रतिद्वंदिता का अंत कहां जाकर होगा?**

आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 साल करने के आदेश

जयपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि चिकित्सा पद्धति के आधार पर चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की आयु तय करने में भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु को एलोपैथी डॉक्टर के समान 62 साल करने को कहा है। अदालत ने कहा कि सेवानिवृत्त किए गए आयुर्वेद चिकित्सकों की उम्र यदि 62 साल से कम है तो उन्हें वापस सेवा में लिया जाए और जिनकी उम्र 62 साल को पार कई गई है, उन्हें परिलाभ अदा किए जाए। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. महेश शर्मा व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

याचिकाओं में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा, तनवीर अहमद व अन्य ने बताया कि पूर्व में एलोपैथी डॉक्टर्स की सेवानिवृत्त होने की आयु 60 साल थी। राज्य सरकार ने 31 मार्च 2016 को एक अधिसूचना जारी कर इनकी सेवानिवृत्ति की आयु बढाकर 62 साल ही रखी गई, लेकिन आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 साल ही रखी गई। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने एनडीएमसी बनाम डॉ. रामनरेश मामले में आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु भी 62 साल करने की मंजूरी दी है। इसके अलावा सिर्फ चिकित्सा पद्धति के आधार पर सेवानिवृत्ति आयु में अंतर नहीं रखा जाना चाहिए।

प्रिकॉशन डोज का फायदा 5 करोड़ लोगों को

जयपुर। केंद्र सरकार की ओर 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को कोविड वैक्सीन की नि:शुल्क प्रिकॉशन डोज लगवाने की घोषणा से राजस्थान के 5 करोड़ से ज्यादा लोगों को फायदा पहुंचेगा। इनमें से 89.80 फीसदी का वैक्सीनेशन पूरा हो चुका है। ये बूस्टर डोज 15 जुलाई से अगले 75 दिन तक मुफ्त लगाई जाएगी। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रिकॉशन डोज के लिए 18 साल से 59 साल तक के लोगों को पैसे देने पड़ रहे थे। सरकार ने केवल फ्रंट लाइन वर्कर्स, हेल्थ केयर वर्कर और 60 साल या उससे ज्यादा एजग्रुप के लोगों को ही बूस्टर डोज नि:शुल्क कर रखी थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्तमान में ज्यादातर फ्रंट लाइन वर्कर्स, हेल्थ केयर वर्कर्स और 60 साल से ज्यादा एजग्रुप के लोग ही प्रिकॉशन डोज लगवा रहे हैं। सरकार के इस निर्णय के बाद अब 18 से 59 साल के लोगों को भी फायदा मिलेगा।

पांच खूंखार डॉग्स ने 10 साल के बच्चे को नोंचा

जयपुर (कासं)। मालवीय नगर इलाके में बिजनेसमैन के 10 साल के बेटे पर 5 खूंखार पालतू कुत्तों ने अटैक कर दिया। रोड पर गिराकर बच्चे को कुत्तों ने जगह-जगह काट लिया। बच्चे के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर कॉलोनी के लोग दौड़े। जैसे-तैसे डॉग्स को भगाकर बच्चे को छुड़ाया। परिजनों ने बच्चे को लेकर इलाज के लिए हॉस्पिटल भिजवाया। परिजनों और कॉलोनी के लोगों ने वहां बैठकर देख रहे कुत्तों के मालिक से शिकायत की तो वह धमकियां देने लगा। रास्ता बदलने की नसीयत देते हुए बोला- पिटबुल छोड़ दूंगा। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन बिना कार्रवाई के लौट गई। बच्चे के पिता ने जवाहर सर्किल थाने में दर्ज करवाई है।

मालवीय नगर के सेक्टर-13 निवासी विकास सिंघल (30) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। विकास का प्लास्टिक पाइप का बिजनेस है। वह परिवार के साथ यहां रहता है। उसका 10 साल का बेटा वेदांत चौथी क्लास में स्टडी करता है। बेटे की स्टडी के लिए विकास ने कॉलोनी में ही ट्यूशन लगा रखा है। रोज की तरह 7 जुलाई की दोपहर करीब 4:30 बजे बेटा वेदांत घर से ट्यूशन जाने के लिए निकला। कॉलोनी में रहने वाले भरत लाल मीणा (55) के घर के पास से बेटा जा रहा था। आरोप है कि भरत लाल मीणा ने पाल रखे 5 से अधिक कुत्तों को खुला छोड़ रखा था। बच्चे के निकलते ही कुत्तों ने अटैक कर दिया। बच्चे को बचाने के बजाय वह बैठकर कुत्तों का मालिक देखता रहा। पीड़ित विकास सिंघल का कहना है कि भरत लाल मीणा को बच्चे को बचाने की जगह खड़े होकर देखने के बारे में कहा गया तो उल्टा उसे और कॉलोनी के लोगों को धमकाने लगा। बोला- रास्ता बदल लें, मैं तो ऐसे ही रखूंगा अपने कुत्तों को। इस बार आए तो पिटबुल डॉग पीछे छोड़ दूंगा।

राज्य में 187 नए करोना संक्रमित मिले बुधवार को

इससे पहले प्रदेश में पिछले कई दिनों से औसत 150 मरीज सामने आ रहे थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को 16 जिलों में 187 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं 134 मरीज ठीक हुए हैं। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 1265 हो गए हैं। हालाकि इस बीच किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 187 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 134 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 44 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर में 38, जोधपुर में 36, अजमेर में 15, सिरोही में 12, उदयपुर में 11, अलवर में 8, भीलवाड़ा में 6, राजसमंद में 5, दौसा में 3, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़ व झालावाड़ में 2-2 तथा भरतपुर, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है। वहीं 17 जिलों बारां बाड़मेर, बूंदी, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, नागौर, पाली, सवाई माधोपुर, सीकर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में बुधवार को 134 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 1265 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 530 मामले जयपुर में है, जबकि जोधपुर में 170 और बीकानेर में 136 केस है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9572 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

- **राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 44 जबकि बीकानेर में 38 और जोधपुर में 36 नए संक्रमित मिले**
- **राज्य में एक्टिव केस बढ़कर साढ़े बारह सौ से अधिक हो गए हैं।**

मानसरोवर में 8 नए संक्रमित मिले

राजधानी जयपुर में बुधवार को 21 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। सबसे ज्यादा 8 नए संक्रमित मानसरोवर में पाए गए हैं। इसके अलावा मालवीय नगर और वैशाली नगर में 5-5, जगतपुरा में 4, जवाहर नगर में 3, सिविल लाइन्स, सांगानेर और त्रिपोलिया बाजार में 2-2 तथा अजमेर रोड, आमेर, बजाज नगर, चांदपोल, दुर्गापुरा, गोपालपुरा, झालाना डूंगरी, महेश नगर, मुरलीपुरा, रामचंद्रपुरा, आरपीए और सोडाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

किसानों ने मांगों को लेकर एसडीएम कार्यालय को तीसरे दिन भी ठप रखा

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा एवं भारत की जनवादी नौजवान सभा द्वारा 18 सूत्री मांगों सहित नहर व फसल बीमा क्लेम की माँगों को लेकर तीसरे दिन भी आक्रोशित किसानों नें एसडीएम कार्यालय को ठप रखा तथा तीन रोज से मिनीसचिवालय के दोनों द्वारों पर तालाबन्दी जारी रही।

कॉमरेड सुनिल पूनियां ने बताया कि जब तक क्रॉप कटिंग रिपोर्ट नहीं दी जायेगी, तब तक एसडीएम कार्यालय राजगढ को ठप रखा जाएगा, क्योंकि प्रशासन द्वारा क्रॉप कटिंग रिपोर्ट 11 जुलाई को देने की बात कही थी, जबकि हर बार कलेक्टर और एसडीएम ने केवल और केवल आश्वासन ही दिया है, जिसके विरोध में अब 15 जुलाई को मोदी और गहलोत का धरना स्थल पर पुतला दहन किया जायेगा। पूनियां ने बताया कि महापडाव शांतिपूर्वक रहा तथ 11 जुलाई 2022 की वार्ता विफल रहने के बाद कोई वार्ता नहीं हुई और प्रशासन ने कोई जिम्मेदारी भी नहीं ली। साथ ही बताया कि पूर्व की वार्ता विफल रही, जिसके विरोध में किसानों ने फिर एसडीएम कार्यालय के दोनों गेट बंद किए थे और आज तीसरे दिन भी बंद रखे गये। साथ ही चेतावनी दी कि हमारी माँग मानने पर ही गेट खोले जायेंगे। महापडाव के तीसरे दिन जयप्रकाश ढाका, कॉमरेड निर्मल प्रजापत, कॉमरेड उमराव सिंह, माईचन्द बागोरिया, प्रभुराम गोयल, सुनील पूनिया, कॉमरेड रणसिंह गागडवास, राजकुमार भोजाण, ओमप्रकाश हांसियाबास, मनीराम ढाका, औंकार सिंह महलाना, जयसिंह, दलीप मानपुरा, रामनिवास सूरतपुरा, रतन सिंह, गुडाण, महेंद्र मास्टर बींजावास, मनीराम ढाका, गौरीशंकर, मोहनलाल सिद्धमुख, राजेंद्र खुड्डी, इंद्राज चूरू, राजेंद्र कालरी, श्योलल महलाना, इंद्राज राजपुरिया, चिमनाराम पांडेर, सुशील हरियाणा, भले राम पूनिया, राकेश थालोर, विक्रम सोनी, कृष्ण शर्मा व अशोक शर्मा आदि ने संबोधित किया।

- तीन दिन से मिनी सचिवालय के दोनों द्वारों पर तालाबन्दी जारी रही

नहर व बीमा क्लेम सहित 18 सूत्री मांगों को लेकर मिनी सचिवालय के समक्ष चल रहे धरने पर किसानों को कॉमरेड सुनिल पूनियां ने सम्बोधित किया।

दहेज प्रताड़ना एवं यौन शोषण के आरोप में ससुर गिरफ्तार

सुजानगढ़ पुलिस की गिरफ्त में दहेज व यौन शोषण का आरोपी ससुर।

सुजानगढ़, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने दहेज प्रताडना एवं यौन शोषण के आरोप में आरोपी ससुर को गिरफ्तार किया है।

जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर इन्द्रलाल ने बताया कि पीडिता द्वारा 10 नवम्बर 20 21 को कोतवाली थाने में अपने पति आदित्य शर्मा, ससुर बजरंगलाल शर्मा, सास पदमादेवी व ननद मिनाक्षी शर्मा के खिलाफ दहेज प्रताड़ना व यौन शोषण के आरोप का मामला दर्ज करवाया था। प्रकरण में आरोपी ससुर बजरंगलाल शर्मा निवासी को एसीजेएम नवनीत अग्रवाल के समक्ष पेश किया गया। एसीजेएम अग्रवाल ने आरोपी बजरंगलाल को पांच दिन के पुलिस रिमाण्ड पर सौंपे जाने के आदेश दिए। ज्ञात रहे कि पीडिता ने रिपोर्ट में बताया कि पति आदित्य शर्मा, ससुर बजरंगलाल शर्मा, सास पदमादेवी व ननद मिनाक्षी शर्मा पर कम दहेज लाने का ताना मारते तथा कहते कि हमें सोने के गिफ्ट, पांच लाख नगद व एक कार मिलने की उम्मीद थी। रिपोर्ट में पति पर लडाई झगडा करने, मारपीट करने के आरोप लगाया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि पथरी दर्द होने पर सास पदमादेवी ने दर्द की दवा के रूप में नशीली दवा दी, जिससे चक्कर आने पर मैं कमरे में सो गई और ससुर ने आकर मेरे साथ खोटा काम किया तथा सास ने विडियो व फोटो ले लिए। अगले दिन ससुर ने मुझे वे विडियो व फोटो दिखाते हुए रिश्तेदारों व लोगों को दिखाने का भय दिखा कर लगातार खोटा काम किया। पति को बताने पर उसने बदनाम करने एवं छोडने की धमकी दी।

रिपोर्ट में पीडिता ने बताया कि 12 सितम्बर 2021 को पति एवं ससुराल वालों द्वारा मारपीट करने पर पिता को फोन करने पर पिता, माता, दादा जी ससुराल आये तो उनके सामने भी मारपीट की तथा दहेज की मांग की। नहीं देने पर नहीं रखने की धमकी दी। जिस पर स्त्रीधन मांगने पर लौटाने से इंकार कर दिया तथा मुझे व मेरे परिवार वालों को घर से बाहर निकाल दिया।

किराना व्यापारी की गला रेतकर हत्या, आरोपी को इंदौर से पकड़ा

भीलवाडा, (निसं)। जिले के मंगरोप थाना क्षेत्र में मंगलवार रात को किराना के एक होलसेल व्यापारी संजय सोमानी की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। व्यापारी रात को मंगरोप से अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहा था। संजय का शव बगलेश्वर महादेव रोड पर उसकी कार के अंदर ही मिला है। राहगीरों ने कार में खून से सना शव देख पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल हो गया।

- पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ कर हत्या के कारणों का खुलासा करेगी

पुलिस ने व्यापारी के शव का पोस्टमार्टम करवाया और जांच की।

मौके पर पहुंची पुलिस ने कार के अंदर से सब्जी काटने वाले दो चाकू बरामद किए हैं। वहीं इस घटना की सूचना के बाद एसपी आदर्श सिद्धू और ग्रामीण सीओ रामचंद्र चौधरी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। जहां बुधवार को उसका पोस्टमार्टम करवाया गया। इसी बीच मंगरोप के ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्र के बाजार बंद रख विरोध दर्ज करवाया है। वहीं पुलिस ने इस मामले में इंदौर से आरोपी को डिटेन किया है, जिसे भीलवाडा लाने के बाद पूछताछ में ही हत्या के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

एसपी आदर्श सिद्धू ने बताया कि मंगरोप हाल भीलवाड़ा निवासी संजय पुत्र भैरूलाल सोमानी की मंगलवार शाम को चाकू से उनकी कार में ही निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक की कार बगलेश्वर महादेव मंदिर के पास मिली है। उसी के अंदर ही उसका शव था। संजय मंगरोप में किराणे की होलसेल दुकान चलाता है। मंगलवार को जब वह दुकान बंद कर घर के लिए रवाना हुआ था तो उसकी दुकान पर कार्य करने वाला पूर्व कर्मचारी राहुल रैगर भी उसके साथ था। जिसे कई लोगों ने कार में देखा था और घटना के बाद से वह गायब है। वहीं मृतक दुकान से जो पैसे लेकर निकला था। वह कार में सुरक्षित मिले है। जिसके चलते इस हत्या के पीछे रंजिश का कारण सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि संजय के पिता भैरूलाल कांग्रेस के नेता है और उनकी मां चंद्रकला सोमानी मंगरोप की सरपंच रह चुकी है। मृतक का पैतृक गांव मंगरोप ही है। चार साल पहले तक पूरा परिवार मंगरोप ही रहता था। उसके बाद भीलवाडा रहने लग गए। संजय दुकान पर भी हमेशा भीलवाडा से आता था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दुकान से रवाना होते समय संजय के साथ राहुल रैगर ही था। राहुल पहले संजय की दुकान पर ही काम करता था। लोगों ने राहुल को संजय की कार के पीछे की सीट पर बैठा देखा था। पुलिस टीम ने राहुल को इंदौर से डिटेन किया है। पुलिस अब राहुल को भीलवाडा लाने के बाद गहनता से पूछताछ कर हत्या के कारणों का खुलासा करेगी। वही इस हत्याकांड के विरोध में बुधवार आक्रोशित ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रख विरोध दर्ज करवाया है।

बाल संप्रेषण गृह से चार बाल अपचारी फरार

धौलपुर, (निसं)। बाल संप्रेषण गृह धौलपुर से बीती रात करीब 3 बजे एक बार फिर 4 बाल अपचारियों के भागने का मामला सामने आया है। जिससे सम्प्रेषण गृह की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। साथ ही यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर अब तरह तरह के संदेह भी होने लगे हैं, क्योंकि एक के बाद एक बाल अपचारी भागने की घटनाएं जिस तरह से हो रही हैं, वे संदेह पैदा कर रही हैं। इन घटनाओं को लेकर किसी भी जिम्मेदार के खिलाफ बड़े अफसरों ने भी अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की है, जिससे ये लापरवाही बार बार हो रही है। बताया जा रहा है कि मंगलवार-बुधवार की रात करीब 3 बजे बाल संप्रेषण गृह धौलपुर से 4 बाल अपचारी संप्रेषण गृह की खिड़की काटकर फरार हुए हैं। बताया जा रहा है कि फरार हुए ये चारों बाल अपचारी पॉस्को एक्ट व आर्म्स एक्ट के आरोप में बंद थे। घटना की पता चलने पर सदर थाना पुलिस धौलपुर को सूचना दी गई। जिस पर पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। इस पूरे मामले की भनक लगने पर मीडिया जब बाल संप्रेषण गृह पहुंची तो बाल संप्रेषण गृह के चैनल गेट का ताला लगा हुआ मिला। बाल संप्रेषण गृह के अधीक्षक दीपेंद्र सिंह शेखावत से सीसीटीवी फुटेज व बाइट देने की कहा गया तो अधीक्षक ने कहा कि हमें ऊपर से मना किया गया है कि मीडिया को ना ही तो बाइट देनी है और ना ही सीसीटीवी फुटेज देने हैं।

चैक अनादरण मामले में डेढ़ वर्ष की सजा सुनाई

ब्यावर, (निसं)। अतिरिक्त सिविल न्यायालय एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सं. 1 की पीठासीन अधिकारी नीतू ने रामखेडा धन्नार के पूरणसिंह को चैक अनादरण का दोषी पाते हुए डेढ साल का कारावास व साढे तीन लाख रूपये के जुर्माने से दंडित किया है।

मामले के अनुसार परिवादी लोकेश बुरड द्वारा पंचायत समिति जवाजा में स्थित गांव रामखेडा धन्नार के पूरण सिंह को वर्ष 2017 में निजी आवश्यकता व घरेलू खर्च बाबत तीन लाख रूपये नकद उधार दिये थे। उसके पेटे अभियुक्त ने उक्त राशि का चैंक अपने हस्ताक्षर कर परिवादी को सौंपा था व यह विश्वास दिलाया था कि चैक को बैंक में प्रस्तुत किये जाने पर चैक में वर्णित राशि का भुगतान परिवादी को प्राप्त हो जायेगा। अभियुक्त के विश्वास दिलाने पर ही परिवादी ने उक्त चैक लेना स्वीकार किया।

इसके बाद परिवादी के द्वारा चैक को अपनी बैंक में भुगतान हेतु प्रस्तुत किया गया तो उक्त चैक "ओपनिंग बैलेन्स इनसफिशियेन्ट" होने के कारण अनादरित होकर बिना भुगतान के लौट आया। अभियुक्त ने यह जानते बूझते हुए कि उसके बैंक खाते में पर्याप्त राशि मौजूद नहीं है, फिर भी परिवादी को साथ छल व धोखा देने के उद्देश्य से उक्त चैक जारी कर दिया। इसके बाद परिवादी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से अभियुक्त को नोटिस देने के बावजूद उक्त राशि का भुगतान नहीं किया तब परिवादी ने वर्ष 2018 में उक्त परिवाद विशिष्ट न्यायिक मजि. एन.आई.कोर्ट में पेश किया। जिसमें दोनों पक्षों को सुनने के बाद पूरणसिंह को एनआई एक्ट की धारा 138 में दोषी करार देते हुए डेढ वर्ष का कारावास तथा 3.5 लाख रूपये के जुर्माने से दण्डित करने के आदेश किये। साथ ही सख्त टिप्पणी भी करी कि "हस्तगत प्रकरण में अभियुक्त को परिवीक्षा का लाभ दिया जाता है तो इस प्रकार के अपराधों को संश्रय मिलेगा अत: अभियुक्त को परिवीक्षा का लाभ दिया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है व अभियुक्त प्रतिकर अदा करने में व्यतिक्रम रहता है तो अभियुक्त को तीन महिने का कारावास पृथक से भुगताया जावे"। परिवादी की ओर से एडवोकेट नीलेश बुरड ने अपनी तर्कपूर्ण दलीले एवं पक्ष रखा।

भीलवाड़ा में छह पॉजीटिव मिले

भीलवाडा, (निसं)। औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा में कोरोना संक्रमण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को आई आरटीपीसीआर रिपोर्ट में 6 नए संक्रमित सामने आए हैं। इनमें 3 गुलाबपुरा, एक गंगापुर व दो शहर के हैं। आरआरटी टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि इन रोगियों में गुलाबपुरा की 40 साल की महिला, 48 साल का पुरुष व 29 साल का युवक और गंगापुर निवासी 66 वर्षीय वृद्ध, सांगानेरी गेट निवासी 25 वर्षीय युवक, शास्त्रीनगर निवासी 53 वर्षीय प्रौढ़ शामिल हैं।

मंदिर और घर में चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बनेडा थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने भगवान के दो घरों से गहने, जबकि एक मकान के बाहर से बाइक चुरा वारदात को अंजाम दिया। वहीं चोरों ने सब्जी विक्रेताओं की दो केबीनों को भी निशाना बनाया। वहीं भागते समय पंक्चर हुई चोरी की बाइक को चोर लावारिस हालत में छोड़ गये।

तीन मिलावटखोरों को छह-छह महीने की जेल

जोधपुर, (कासं)। मिलावटखोरों के खिलाफ कोर्ट में दर्ज मामले की सुनवाई करते हुए तीन आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जोधपुर उक्त मिलावटखोरी में लिप्त विक्रेताओं को आरोपी मानते हुए सजा सुनाई है। न्यायालय ने उक्त तीनों अभियुक्तों को धारा खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत दोषी मानते हुए छह-छह महीने का साधारण कारावास की सजा व एक-एक लाख का अर्थदंड देने का फैसला सुनाया।

- कोर्ट ने एक लाख अर्थ दंड की सजा भी सुनाई

खाद्य सुरक्षा अधिकारी रजनीश शर्मा ने बताया कि खाद सुरक्षा दल द्वारा मिलावट के संदेह में खाद्य पदार्थो के नमूने लिए गए थे। मैसर्स पार्श्वनाथ ट्रेडिंग कंपनी न्यू बस स्टेंड,पीपाड़ से घी गुंजन रामजी डेयरी ब्रांड के नमूने लिए जा कर कुल घी 1910लीटर जप्त किया गया था जो बाद जांच असुरक्षित पाए गए थे। उक्त फर्म के मालिक संपतराज कांकरिया, इसी फर्म के संतोष जैन तथा मिलावटी घी निर्माता मैसर्स राम जी डेयरी मिल्क फूड प्रोडक्ट इंडिया एच-124 रीको करणी इंडस्ट्रियल एरिया, बीकानेर राजस्थान के निर्माता/मालिक राहुल पारीक व एक अन्य प्रकरण में में पटेल मुकनाराम टी सेंटर, बिलाड़ा के मुकनाराम पटेल को मिलावटी लाल मिर्च पाउडर मामले में दोषी मानते हुए छ माह की जेल मय अर्थदंड की सजा सजा व एक-एक लाख का अर्थदंड देने का फैसला सुनाया।

भीलवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल में मरीज की मौत पर हंगामा

भीलवाडा, (निसं)। जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती एक बीमार युवक की उपचार के दौरान मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा खडा कर दिया, जिन्हें पुलिस ने समझाइश कर शांत करवा दिया।

जानकारी के अनुसार कोटडी निवासी नारायण खटीक (25) बीमार चल रहा था। 10 जुलाई को उसे परिजन जिला अस्पताल ले आये, जहां उसे भर्ती कर उपचार किया जा रहा था। बुधवार को नारायण की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस पर परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश की। इस दौरान मृतक के पिता गोपाल खटीक ने आरोप लगाया कि बेटे को भर्ती करवाये तीन दिन हो गये। उसे होश नहीं आ रहा था। डॉक्टर्स के कहने पर एमआरआई करवा रिपोर्ट उन्हें दे दी लेकिन उन्होंने देखा नहीं। शाम को वे राउंड पर आये तो मृतक के पिता ने बोला, बुखार तेज है। इस पर उनका कहना था कि बुखार तो आयेगी। उन्होने कहा कि उसे आईसीयू में शिफ्ट कर दो या रैफर कर दो। ताकि मैं, उसे जयपुर या अहमदाबाद लेकर जा सकूं लेकिन उन्होंने सुनवाई नहीं की।

भारतीय सेना के जवान सुरेंद्र कुमार का ड्यूटी के दौरान हुआ निधन

चिड़ावा। क्षेत्र के एक जवान की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार अजीतपुरा गांव निवासी श्रीचंद नूनियां के पुत्र सेना के जवान 32 वर्षीय सुरेंद्र कुमार का ड्यूटी के दौरान निधन हो गया।

जवान सुरेंद्र कुमार

सुरेंद्र के चाचा रामसिंह नूनियां ने बताया कि सुरेंद्र 2008 में सेना में भर्ती हुआ था। जो कि फिलहाल बरेली में सिपाही के पद पर तैनात था। यहां 11 जुलाई को ड्यूटी के दौरान अचानक सुरेंद्र की तबीयत खराब हो गई। उसे तुरंत ही यूनिट एमआई रूम में भर्ती किया गया। तबीयत अधिक बिगड़ने पर सुरेंद्र को एमएच बरेली के आईसीयू में शिफ्ट किया गया। जहां सुरेंद्र ने 12 जुलाई को दम तोड़ दिया। सुरेन्द्र की गुरुवार सुबह दस बजे अजीतपुरा के मुक्तिधाम में राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टी की जाएगी। सुरेंद्र की पत्नी राजकीय बीडीके अस्पताल, झुंझुनूं में जीएनएम के पद पर कार्यरत है। उनके छह वर्षीय एक बेटा भी है।

मिली जानकारी के अनुसार जवान की पार्थिव देह सेना के विशेष विमान से देर रात बरेली से जयपुर पहुंचेगी। वहां से पार्थिव देह सेना के वाहन से सड़क मार्ग से गांव के लिए रवाना किया जाएगा। सुबह छह बजे पार्थिव देह गांव पहुंचने की सूचना है।

भड़काऊ नारेबाजी के मामले में हिस्ट्रीशीटर सहित दो गिरफ्तार

उदयपुर, (निस) । जिला कलेक्ट्री परिसर के बाहर मौन प्रदर्शन के दौरान के लोगों द्वारा भड़काऊ नारेबाजी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 20 जून को मुस्लिम समुदाय के मौन जुलूस में कलेक्ट्रेट के सामने धार्मिक वैमनस्यता फैलाकर नारे लगाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मामले में जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा द्वारा साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने वालों के

- एक के खिलाफ 10 मामले दर्ज

खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में भुपालपुरा थानाधिकारी हनवंतसिंह सौढ़ा के नेतृत्व में हेड कांस्टैबल किशनसिंह, कांस्टेबल राजेन्द्र प्रसाद, विजयसिंह, दलपतसिंह, सुरेन्द्रसिंह मय टीम ने इस मामले में गठित टीम ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर कुछ आरोपियों को नामजद किया था। जिनमें सिलावटवाड़ी घंटाघर हॉल लालमगरी मस्ताना बाबा के पीछे अम्बामाता निवासी गुलाम दस्तगीर पुत्र मोईनुद्दीन रिजवी, दीवान शाह कॉलोनी पटेल सर्कल सूरजपोल निवासी हाफिज कादरी पुत्र हबीब खान को गिरफ्तार किया। आरोपी गुलाम दस्तगीर के खिलाफ पूर्व में 10 अपराधिक मामले दर्ज है व हाफिज के खिलाफ एक प्रकरण धार्मिक वैमनस्यता फैलाने का प्रकरण दर्ज है।

दो तहसीलदारों को थमाई चार्जशीट

करौली (निसं.)। जिला कलेक्टर ने बैठक में फ्लैगशिप योजना के लाभार्थी के बारे में दो बार पत्र भेजकर तहसीलदार करौली से सत्यापन रिपोर्ट अभी तक नहीं भिजवाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार करौली को चार्जशीट दिये जाने के निर्देश बैठक में दिये।

उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों से लाभार्थियों का सत्यापन कर एक सप्ताह में रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिये। तहसीलदार मंडरायल को बैठक में उपस्थित नहीं होने पर भी चार्जशीट दिये जाने के निर्देश भी दिये।

जिला कलेक्टर ने बैठक में जनसुनवाई, जिला सतर्कता समिति, लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग, मुख्यमंत्री कार्यालय तथा संभागीय आयुक्त कार्यालय के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा करते हुए प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिये। साथ ही जिला सतर्कता समिति के प्रकरणों की पालना रिपोर्ट 21 जुलाई से पूर्व भिजवाने के भी निर्देश दिये। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसराम मीना, उपखंड अधिकारी हिण्डौन अनूप सिंह, करौली अमित वर्मा, सपोटरा अनुज भारद्वाज, मंडरायल प्रदीप कुमार चौमाल, उपंखड अधिकारी टोडाभीम दुर्गाप्रसाद मीना सहित समस्त तहसीलदार एवं राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ परीक्षाओं में गड़बड़ी व चहेतों को नकल कराने का आरोप

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में शहर के विभिन्न कॉलेजों के छात्रनेताओं ने कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला से मुलाकात कर डीएवी कॉलेज अजमेर के प्रिंसिपल लक्ष्मीकांत शर्मा के खिलाफ यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं में गड़बड़ी करने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा।

यूनिवर्सिटी पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष लोकेश गोदारा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मोहित जैन, डीएवी कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष सीताराम चौधरी, पूर्व अध्यक्ष महिपाल कस्वा, छात्रनेता रोशन गुर्जर, डीएवी कॉलेज एबीवीपी इकाई अध्यक्ष अस्तिव तिवाड़ी, अभिषेक गेना, रवि सिंह रावत, राकेश चौधरी इत्यादि छात्र नेताओं के शिष्टमंडल ने ज्ञापन सौंपा।

छात्र नेताओं ने कुलपति को ज्ञापन देते हुए बताया कि डीएवी कॉलेज अजमेर के प्रिंसिपल लक्ष्मीकांत शर्मा ने कॉलेज के कर्मचारी की पत्नी को यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित परीक्षा के पेपर में 14 अक्टूबर 2020 को नकल करवाने का प्रयास किया लेकिन स्टाफ की सजगता से प्राचार्य नकल नहीं करवा पाया। इस प्रकरण के लिए कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल ने पुलिस थाने में एफआइआर भी दर्ज करवाई जिसके फलस्वरूप प्रिंसिपल की शह पर स्ट्रांग रूम से कॉपियां निकाल उस कर्मचारी के घर ले जाकर नकल कर कॉपी बदल दी। प्रिंसिपल ने अपने पुत्र जो बीकॉम का विद्यार्थी रहा जिसने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा डीएवी कॉलेज में दी उसी समय प्रिंसिपल ने अपने चहेते लोगों की ड्यूटी अपने पुत्र के परीक्षा कक्ष में लगा दी।

छात्रनेताओं ने कुलपति का शॉल ओढ़ाकर व माला पहनाकर कर अभिनन्दन किया।

- छात्रनेताओं ने सबूत व अन्य दस्तावेज कुलपति को सौंप पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग
- जल्द कार्रवाई नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी
- गीतांजली बीएड कॉलेज का एग्जाम सेंटर निरस्त करने पर कुलपति का आभार जताया

छात्र नेताओं ने बताया कि शारीरिक शिक्षा संकाय की परीक्षा में एक छात्र हरियाणा पुलिस की परीक्षा देने गया जिस दिन वह पुलिस की परीक्षा देने गया था उसी दिन उसका यूनिवर्सिटी का एग्जाम भी था। प्राचार्य ने वहां के टीचरों से मिलीभगत कर किसी अन्य व्यक्ति को यूनिवर्सिटी की परीक्षा में बिठाया। एक समय एक दिन अलग-अलग राज्यों में एक ही विद्यार्थी कैसे परीक्षा दे सकता है। इस प्रकरण की गंभीरता से जांच करने की छात्र नेताओं ने मांग की है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रैक्टिकल परीक्षाओं में बाहरी व्यक्तियों द्वारा एग्जाम का नोटिस निकाल परीक्षा आयोजित करवा दी गई जिस व्यक्ति ने नोटिस निकाला उस दौरान उसका कॉलेज से कोई संबंध नहीं था। छात्र नेताओं ने कुलपति से मांग की है कि इन सभी प्रकरणों की गहनता से जांच कर कमेटी बनाई जाए और डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल को परीक्षा संबंधित कार्यों से आजीवन डिबार किया जाए।

गीतांजली बीएड कॉलेज, बोरावड़ को यूनिवर्सिटी ने परीक्षा सेंटर से हटा दिया है। इसके लिए कुछ दिन पूर्व यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मोहित जैन व पूर्व अध्यक्ष लोकेश गोदारा ने कड़ी आपत्ति जताई थी जिसके चलते कुलपति ने इस कॉलेज से एग्जाम सेंटर हटा लिया जिसके लिए छात्रनेताओं ने कुलपति का शॉल ओढ़ाकर व माला पहनाकर कर अभिनन्दन किया। छात्र नेताओं ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि इस प्रकरण में जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

हमारे राजनेताओं ने जिस तरह देश का बेड़ा गर्क किया है, उसे बयां करने के लिये शब्द नहीं है।''
-सनत जयसूर्या

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेट कप्तान, श्रीकंला की वर्तमान स्थिति पर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▸ **नीरज चोपड़ा**

ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाडी नीरज चोपडा अमेरिका के युगेन में शुक्रवार से शुरू हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एतिहासिक पदक जीतने के लिए बेहतरीन फॉर्म और मौजूदा सत्र में प्रदर्शन में निरंतरता पर निर्भर करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में पदक के साथ चोपडा एक और इतिहास रचेंगे क्योंकि अगर वह पदक जीतते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय ट्रैक एवं फील्ड खिलाडी और देश के पहले पुरुष खिलाडी बनेंगे। लंबी कूद की खिलाडी अंजू बॉबी जॉर्ज 2003 में पेरिस में कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं थी।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो-डी-जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

न्यूजीलैंड ने आयरलैंड से जीती वनडे सीरीज

डबलिन, 13 जुलाई। प्लेयर ऑफ द मैच माइकल ब्रेसवेल (नाबाद 42 और 26 रन पर दो विकेट) के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने आयरसलैंड को दूसरे वनडे में मंगलवार को 71 गेंद शेष रहते तीन विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली।

आयरलैंड की टीम 48 ओवर में 216 रन पर सिमट गयी जबकि न्यूजीलैंड ने 38.1 ओवर में सात विकेट पर 219 रन बनाकर सीरीज को क्लीन स्वीप करने की तरफ कदम बढ़ा दिया। ब्रेसवेल ने 40 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाए। सलामी बल्लेबाज फिन एलेन ने 60 और कप्तान टॉम लाथम ने 55 रनों का योगदान दिया।

इससे पहले आयरलैंड की पारी में जॉर्ज डॉकरेल ने 61 गेंदों पर 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 74 रन बनाये। न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हेनरी, ब्रेसवेल और मिशेल सेंटनर ने दो-दो विकेट लिए।

कोहली के दूसरे वनडे में भी खेलने पर संदेह, भारत की नजरें एक और श्रृंखला जीतने पर

भारत इंग्लैंड में दूसरी एक दिवसीय मैच आज

लंदन, 13 जुलाई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम गुरुवार को यहां लाड्र्स में दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में एक बार फिर इंग्लैंड पर दबादबा बनाते हुए तीन मैचों की श्रृंखला में विजयी बढत बनाने के इरादे से उतरेगी जबकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का ग्रोइन की चोट के कारण इस मैच में भी खेलना संदिग्ध है।

लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ग्रो इन की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले वनडे में नहीं खेल पाए थे और अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह दूसरे मैच के लिए फिट हैं या नहीं।

कोहली के खराब प्रदर्शन का हालांकि सीमित ओवरों के मुकाबले में भारत पर अधिक असर नहीं पडा है क्योंकि टीम वनडे और टी20 दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर ही है। इंग्लैंडके खिलाफ टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारत ने मंगलवार को पहले वनडे में 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की। कोहली की गैरमौजूदगी का नकारात्मक पक्ष यह है कि देश के शीर्ष बल्लेबाज को दबाव भरे मुकाबलों में ठोस प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिल रहा जबकि इसका दूसरा पहलू यह है कि अन्य बल्लेबाजों को खुद को साबित करने का मौका मिल रहा है जैसा सूर्यकुमार यादव ने नॉटिंघम में अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक जड़कर किया। दूसरे मैच में कोहली की उपलब्धता के बारे में पूछे जाने पर पहले मैच में भारत की जीत के हीरो रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा, ''मैं अंतिम टी20 मैच में नहीं खेला और वह (कोहली) आज (मंगलवार) नहीं खेला। मेरे पास उसकी चोट के बारे में अपडेट नहीं है।'' कोहली अगर शत प्रतिशत फिट हुए बिना वापसी के लिए जल्दबाजी करते हैं तो ग्रोइन की मांसपेशियों में खिंचाव बडी चोट में बदल सकता है। रोहित शर्मा और उनकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके गेंदबाजों को लाड्र्स की पिच से भी ओवल जैसी मदद मिलेगी।

बुमराह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं जबकि मोहम्मद शमी किसी भी विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं। कप्तान रोहित ऐसे में श्रेयस अय्यर पर अधिक ध्यान लगाएंगे जिनकी शॉर्ट गेंद के खिलाफ समस्या बढती जा रही है। दुनिया भर के गेंदबाज शॉर्ट पिच गेंदों पर अय्यर को आउट कर रहे हैं और उनकी लेग साइड की ओर मूव करके शॉट खेलने के लिए जगह बनाने की रणनीति भी विफल हो रही है। दीपक हुड्डा जैसी क्षमता वाला खिलाडी टीम में जगह पाने का इंतजार कर रहा है और ऐसे में अय्यर पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव होगा। ओवल में रोहित ने 58 गेंद में नाबाद 76 रन की पारी खेली और साथी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के साथ मिलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचा दिया जिससे अन्य बल्लेबाजों को ओवल की पिच पर खुद को परखने का मौका नहीं मिला। आत्मविश्वास से भरा कप्तान साहसिक फैसले ले सकता है और ओवल में रन बनाने के बाद रोहित लाड्र्स पर आत्मविश्वास से भरे होंगे। जोस बटलर, जो रूट, बेन स्टोक्स, जॉनी बेयरस्टो, जेसन रॉय और लियाम लिविंगस्टोन की मौजूदगी वाला बल्लेबाजी क्रम किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को रौंद सकता है लेकिन ओवल में तेज गेंदबाजी के अनुकूल हालात में ये सभी बल्लेबाज विफल रहे। लाड्र्स की पिच आमतौर पर बल्लेबाजी की अनुकूल होती है लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा जैसे नवोदित गेंदबाजों को इस मैदान की ढलान से भी सामंजस्य बैठाना होगा।

भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में पहुंचने के लिए क्या करना होगा

दुबई, 13 जुलाई। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे और आख़िरी टेस्ट में हरा दिया। इसके बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा दूसरे टेस्ट को हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम अंक तालिका में पहले स्थान से खिसक गई है।

श्रीलंका के पास अंक तालिका में फिलहाल 54.17 फ़ीसदी अंक है। अगर वह फाइनल में पहुंचना चाहते हैं तो उन्हें और अंक बटोरने पडेंगे। उनकी टीम को इस डब्ल्यूटीसी साइकिल में चार और टेस्ट मैच खेलने हैं। घरेलू धरती पर ही वह पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे जो 16 जुलाई से शुरू हो रही है। अगर वह फ़ाइनल में पहुंचने के प्रबल दावेदार बनना चाहते हैं तो उन्हें पाकिस्तान को 2-0 से हराना होगा। इसके अलावा उन्हें दो मैच न्यूजीलैंड के साथ भी खेलना है। उन्हें वहां कम से कम एक टेस्ट जीतना होगा। इसके बाद उनके पास 61.11 फ़ीसदी अंक होंगे।

भारत पिछले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता था। हालांकि अभी वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उन्हें आगे दो टेस्ट बांग्लादेश के साथ खेलना है और चार टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के साथ खेलना है। अगर वह सभी टेस्ट जीतते हैं तो उनका अंक 68.05 फ़ीसदी हो जाएगा। ऐसा होने से वह फ़ाइनल तक पहुंच सकते हैं। अगर इन यह छह टेस्ट में से एक भी हारते हैं तो उनका अंक 62.05 फ़ीसदी हो जाएगा। इसके बाद उन्हें दूसरे टीमें को परिणाम पर निर्भर होना पडेगा।

अंक तालिका में 71.43 फ़ीसदी अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीका टॉप पर है और 70 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। दूसरा टेस्ट हारने के बाद भले ही ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन अंक तालिका में वह अभी भी मजबूत स्थिति में है। अगर घरेलू धरती पर होने वाले बाकी के पांच टेस्ट मैच वह जीत जाते हैं तो वह 65 फीसदी अंकों के साथ इस डब्ल्यूटीसी साइकल को समाप्त करेंगे। वह भारत में होने वाले चार टेस्ट मैच जीते या हारें, उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनके पास 65 फीसदी अंक ही रहेंगे। अगर वह घरेलू धरती पर एक भी मैच हार जाते हैं तो उन्हें भारत में कम से कम एक टेस्ट जीतना होगा। तभी वह 65 फ़ीसदी अंक को बरक़रार रख पाएंगे।

जैसा कि उल्लेख किया गया है श्रीलंका को फाइनल की रेस में बने रहने के लिए 2-0 से जीत की आवश्यकता है। पाकिस्तान वर्तमान में अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। अगर वह उस सीरीज़ को 2-0 से जीत जाता है तो उनका अंक प्रतिशत बढ़कर 62.96 हो जाएगा। फिर उन्हें तीन में जीत हासिल करनी होगी।

पाक को पछाड़कर भारत वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा

दुबई, 13 जुलाई। इंग्लैंड पर 10 विकेट की बड़ी जीत के बाद भारत, पाकिस्तान से आगे निकलकर वनडे रैंकिंगमें तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत के पास अब पाकिस्तान (106 अंक) से दो अंक अधिक 108 रैंकिंग अंक हैं। हालांकि भारत को यह बढ़त बरकरार रखने के लिए सीरीज़ के दो में से कम से कम एक मैच जीतने होंगे। न्यूजीलैंड 126 अंकों के साथ पहले और इंग्लैंड 122 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ़ घरेलू ज़मीन पर 3-0 से सीरीज़ जीतने के बाद पाकिस्तान, भारत को पछाडकर तीसरे स्थान पर आ गया था। भारत को अगले 15 दिनों में इंग्लैंड के खिलाफ दो और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ तीन वनडे मैच खेलने हैं। ऐसे में वह अपनी बढत को और बढ़ा सकता है। हालांकि इस बीच विराट कोहली की फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं और पहले मैच में अनुपस्थित रहने के बाद उनके लॉर्ड्स वनडे में भी खेलने पर संदेह है। जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह ओवल वनडे नहीं खेल पाए थे।

अश्विन चाहते हैं बल्लेबाजों के स्विच हिट लगाने से चूकने पर पगबाधा पर गौर किया जाए

मुंबई, 13 जुलाई। भारत के स्टार आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर बल्लेबाज स्विच हिट लगाने के प्रयास में चूक जाता है तो गेंद के लेग साइड के बाहर टप्पा खाने के बावजूद उसे पगबाधा आउट दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए।

स्विच हिट में दाएं हाथ का बल्लेबाज अचानक बाएं और बाएं हाथ का बल्लेबाज का अचानक दाएं हाथ का बल्लेबाज बनकर शॉट खेलता है।

मौजूदा नियमों के अनुसार अगर गेंद लेग स्टंप के बाहर टप्पा खाई है तो इसके विकेटों पर लगने की पूरी संभावना होने के बावजूद बल्लेबाज को पगबाधा आउट नहीं दिया जा सकता। यह बल्लेबाजों के लिए 'ब्लाइंड स्पॉट' माना जाता है जहां गेंद को देखने में दिक्कत होती है।

अश्विन ने अपने यूट्ययूब चैनल पर कहा, ''मेरा सवाल यह नहीं है कि वह रिवर्स स्वीप खेल सकता है या नहीं, यह नकारत्मक गेंदबाजी (लेग स्टंप के बाहर गेंद को टप्पा खिलाना) लाइन है या नहीं, मेरा नजरिया पगबाधा को लेकर है। यह अनुचित है कि इसे पगबाधा नहीं दिया जाता।''

टेस्ट क्रिकेट में 442 विकेट चटकाने वाले अश्विन ने कहा, ''बल्लेबाजों को स्विच हिट लगाने दीजिए लेकिन उनके चूकने पर हमें पगबाधा का मौका दीजिए। अगर बल्लेबाज पलट गया है तो आप कैसे कह सकते हैं कि वह पगबाधा नहीं है। अगर उन्होंने खेल के सभी प्रारूपों में आउट देना शुरू कर दिया तो गेंदबाजी और बल्लेबाजी के बीच कुछ बराबरी स्थापित की जा सकेगी।''

अश्विन भारत और इंग्लैंड के बीच हाल में संपन्न पांचवें टेस्ट के संदर्भ में कह रहे थे जहां मेजबान टीम ने जो रूट और जॉनी बेयरस्टो के नाबाद शतक से 378 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया और पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी।

उन्होंने कहा, ''उस मैच में यह जो रूट और जॉनी बेयरस्टो का रुख था। रूट ने लगभग 10 शॉट खेले जहां वह पूरी तरह से पलट गया और रिवर्स स्वीप खेलने का प्रयास किया।'' अश्विन ने कहा, ''उसने 10 बार शॉट खेला लेकिन नौ बार चूक गया। 10वें मौके पर बल्ले का निचला किनारा लगा। इस बीच बेयरस्टो लगातार गेंदों पर पैड मारते रहे।'' अश्विन ने कहा कि जब रूट ने 'स्विच' किया तो यह उनके लिए 'ब्लाइंड स्पॉट' नहीं रह गया और उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज की तरह खड़े होते हुए रिवर्स स्वीप खेला।

उन्होंने कहा, ''यहां मेरा नजरिया अलग है। एक गेंदबाज के रूप में मैं आपको सूचित कर रहा हूं कि मैं ओवर द स्टंप बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी कर रहा हूं और मैंने लेग साइड पर अधिक क्षेत्ररक्षक लगाए हैं। आप दाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में खड़े हैं लेकिन आप रिवर्स स्वीप खेलते हैं और बाएं हाथ के बल्लेबाज की तरह हिट करते हैं।''

अश्विन ने कहा, ''लेकिन जब रूट ने ऐसा किया तो वह ब्लाइंड स्पॉट के कारण पगबाधा नहीं हुआ। यह ब्लाइंट स्पॉट तब है जब आप अपने सामान्य तरीके से बल्लेबाजी कर रहे हों।

सिंगापुर ओपन : सिंधु, प्रणय दूसरे दौर में, श्रीकांत बाहर

कलांग, 13 जुलाई। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु और एचएस प्रणय ने बुधवार को यहां पहले राउंड में जीत हासिल कर सिंगापुर ओपन के दूसरे राउंड में जगह बनायी। सिंधु ने बेल्जियम की लियान टैन को 29 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया जबकि प्रणय ने थाईलैंड के सिथिकोम थम्मासिन को 21-13, 21-16 से सीधे गेमों में मात दी।

विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत को हालांकि शुरुआती दौर में हमवतन मिथुन मंजुनाथ से 17-21, 21-15, 18-21 से करारी हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, विश्व में 66वें स्थान की खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने 12वें नंबर की शटलर बुसानन ओंगबामरुंगफान पर 21-16, 21-11 से दमदार जीत दर्ज की। यह मिथुन और चालिहा के करियर की पहली टॉप-15 जीत थी।

लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल ने भी हमवतन मालविका बंसोड के खिलाफ 21-18, 21-14 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि 20 वर्षीय बंसोड़ ने इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दूसरे दौर में अपनी आदर्श नेहवाल को हराया था।

इसी बीच, परुपल्ली कश्यप इंडोनेशिया के पांचवी सीड जोनाथन क्रिस्टी से 14-21, 15-21 से हारने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गये।

ऑस्ट्रेलिया एकदिवसीय श्रंखला से दक्षिण अफ्रीका ने नाम वापस लिया

मेलबर्न, 13 जुलाई। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की एकदिवसीय श्रंखला से नाम वापस ले लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाली तीन मैचों की सीरीज 12 जनवरी 2023 से 17 जनवरी 2023 के बीच खेली जानी थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने इन मैचों को स्थगित करने का अनुरोध किया ताकि वे प्रोटियाज़ की नयी घरेलू टी20 लीग से न टकराएं।

इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को जारी बयान में कहा, महामारी के कारण पहले से ही कई आयोजन स्थगित हो चुके हैं, जिसमें अक्टूबर-नवंबर में होने वाला टी20 विश्व कप भी शामिल है। पहले से ही संकलित समय सारणी के कारण (एकदिवसीय) श्रंखला खेलने के लिये कोई अन्य तारीखें नहीं हैं। प्रोटियाज ने प्रभावी रूप से श्रृंखला से नाम वापस ले लिया है। मैच मई की क्वालीफिकेशन कट-ऑफ तिथि से पहले नहीं खेले जाएंगे इसलिये श्रंखला के 30 प्रतियोगिता अंक ऑस्ट्रेलिया को प्रदान किए जाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब बस आईसीसी की हामी का इंतजार है। एकदिवसीय श्रंखला से नाम वापस लेने के बाद 2023 क्रिकेट विश्व कप के लिये दक्षिण अफ्रीका के प्रत्यक्ष क्वालीफिकेशन की संभावना कम हो गयी है।

वनडे रैंकिंग में बुमराह बने विश्व के नंबर एक गेंदबाज़

दुबई, 13 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में छह विकेट चटकाने वाले भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह वनडे रैंकिंगमें नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन के बाद बुमराह ने पांच स्थान की चढ़ाई की है और छठे से शीर्ष स्थान पर आ गए हैं।

उन्होंने ट्रेंट बोल्ट और शाहीन शाह अफ़रीदी को पछाडा जो अब क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

बुमराह ने नई गेंद के साथ जॉस बटलर, जो रूट, जेसन रॉय और लियम लिविंगस्टन जैसे बल्लेबाज़ों के विकेट लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इसके बाद सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया था कि वह वर्तमान समय में सभी फ़ॉर्मेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।

रोहित शर्मा ने पहले वनडे में नाबाद 76 रन बनाए और वह चौथे स्थान पर हैं। विराट कोहली उनसे एक रेटिंग अंक अधिक तीसरे स्थान पर हैं। बाबर आज़म और इमाम उल हक़ की पाकिस्तानी जोडी क्रमशः नंबर एक और नंबर दो पर है। पहले वनडे में नाबाद 31 रन बनाने वाले शिखर धवन अब 12वें स्थान पर हैं।

तीसरे टी20 में शतक लगाने वाले सूर्यकुमार यादव टी20 रैंकिंगमें 44 स्थान चढ़कर नंबर 5 पर आ गए हैं और वह टी20 में भारत के शीर्ष बल्लेबाज़ हैं। वहीं टी20 सीरीज़ में सिर्फ़ दो मैच खेलकर प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ बने भुवनेश्वर कुमार टी20 के गेंदबाज़ी रैंकिंगमें शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं और वह 8वें स्थान पर हैं। वह टॉप 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।

जॉश हेज़लवुड टी20 में शीर्ष गेंदबाज बने हुए हैं। वनडे की तरह टी20 में भी बाबर शीर्ष बल्लेबाज हैं।

निशानेबाजी विश्व कप में ट्रैप टीम ने जीता रजत

चांगवोन (दक्षिण कोरिया), 13 जुलाई। पृथ्वीराज तोंडईमन, विवान कपूर और भौनीश मेंदीरत्ता की भारतीय पुरुष ट्रैप टीम ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में रजत पदक जीता। भारतीय टीम को स्लोवाकिया से स्वर्ण पदक मैच में 2-6 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय तिकडी ने 72-शॉट क्वालिफिकेशन राउंड में 213 अंकों के साथ शीर्ष स्कोर किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद स्लोवाकिया से सिर्फ एक आगे था। दूसरी ओर, भारतीय पुरुष और महिला राइफल टीम ने मेजबान कोरिया के साथ स्वर्ण पदक की भिड़ंत में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने क्रमशः 629.7 और 631.5 के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। ट्रैप पुरुष टीम के रजत जीतने के बाद,भारत चार पदक (2 स्वर्ण, एक रजत और कांस्य) के साथ पदक तालिका में चीन के साथ बराबरी पर है। सर्बिया वर्तमान में 3 स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर है।

मैं आलोचनाओं से निराश नहीं होता और ना ही तारीफ करने से बहुत खुश:बुमराह

लंदन, 13 जुलाई। अगर जसप्रीत बुमराह रेसलर होते तो वह रिऐलिटी युग के सुपरस्टार होते। जब वह अच्छा करते या उनका दिन अच्छा होता तो लोग बुमराह की तारीफ़ें करते लेकिन बुमराह को इससे बहुत अधिक फ़र्क नहीं पड़ता। वह अपने आप में स्थिर रहते और सवालों का जवाब देते वक़्त उनके शब्दों का चयन वास्तविकता के बहुत क़रीब होता। और जब उनका दिन अच्छा नहीं होता या जिस दिन वह अच्छा नहीं करते तो वह अपने आप से बहुत अधिक निराश भी नहीं होते।

पिछले सोमवार और मंगलवार को ही बुमराह की अगुआई वाली तेज़ गेंदबाज़ी

आक्रमण की इंग्लैंडके बल्लेबाज़ों ने ख़ूब धुलाई की थी और वे 377 रन के लक्ष्य को बचाने के कहीं से भी क़रीब नहीं थे। बुमराह ने इस पारी में 4.35 की रन रेट से रन दिए थे। एक हफ़्ते के बाद लगभग उन्हीं बल्लेबाज़ों के सामने बुमराह ने सात ओवर में छह विकेट ले डाले। इस मैच के दौरान उनकी स्विंग हतप्रभ कर देने वाली थी, इसके अलावा उन्हें पिच से भी सीम मूवमेंट मिल रहा था। लेकिन उन्होंने कुछ ज़्यादा अलग नहीं किया था।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बुमराह ने कहा, यही तो क्रिकेट की सुंदरता है। एक दिन सभी चीज़ें आपके पक्ष में जाती हैं, दूसरे दिन बहुत अधिक प्रयास करने के बाद भी आपको कुछ नहीं मिलता है। लेकिन तभी आपको स्थिर होने की ज़रूरत होती है। हर दिन एक नया दिन होता है। कई दिनों में आपको पहली ही गेंद पर बाहरी किनारा मिल जाता है तो कई दिन आप अच्छी गेंदबाज़ी करने के बाद भी किनारा ढूंढते रह जाते हैं। लेकिन इन सबसे आपको प्रभावित होने की ज़रूरत नहीं होती है। मैं हमेशा एक जैसी तैयारी करता हूं और जो मेरे नियंत्रण में नहीं है उसके बारे में अधिक नहीं सोचता हूं। इसके बाद जो भी परिणाम आता है, मैं उसे स्वीकार करता हूं और आगे बढ़ जाता हूं।

क्या यह आपकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी थी? इस सवाल के जवाब में बुमराह ने कहा, मैं अपनी गेंदबाज़ी को जज नहीं करता हूं और ना ही परिणाम की उतनी चिंता करता हूं। कई बार ऐसा हुआ होगा जब मैंने आज से अच्छी गेंदबाज़ी की हो लेकिन विकेट नहीं मिला हो, लेकिन मैं एक ही रूटीन और प्रोसेस फ़ॉलो करता हूं। हां, आज मुझे सफ़ेद गेंद से स्विंग और सीम दोनों मिल रही थी और मैं उसका फायदा उठाना चाहता था। इस बारे में मैंने शमी भाई से भी बात की और यह निर्णय लिया कि हम गेंद को थोडा आगे डालेंगे ताकि स्विंग का लाभ उठाया जा सके। यह अच्छा दिन था कि हमें विकेट मिला। क्रिकेट कॉमेंटेटर नासिर हुसैन ने बुमराह को हालिया समय में तीनों फ़ॉर्मेट का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ बताया है। लेकिन बुमराह इससे भी अधिक प्रभावित नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं इन सब चीज़ों पर ध्यान नहीं देता। आज अच्छा दिन था तो लोग तारीफ़ कर रहे हैं। ना मैं इससे बहुत अधिक ख़ुश होता हूं और ना ही आलोचना होने पर निराश हो जाता हूं। मैं सभी फ़ॉर्मेट में खेलने का मज़ा लेता हूं और वह करने की कोशिश करता हूं जो मैं कर सकता हूं। जो लोग मेरे बारे में कुछ कहते हैं, उसका मैं सम्मान करता हूं लेकिन उसे अधिक गंभीरता से नहीं लेता हूं।

हम पिच को पहले दो ओवर में ही समझ गए थे : मोहम्मद शमी

लंदन, 13 जुलाइ। नवंबर 2020 के बाद मंगलवार को मोहम्मद शमी पहली बार वनडे खेलने लिए मैदान पर उतरे थे। हालांकि सिडनी में खेले गए उस वनडे मैच को शमी कभी भी याद नहीं रखना चाहेंगे। उस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने 389 रन बनाते हुए भारत को 51 रनों से हराया था। जसप्रीत बुमराह और शमी ने उस मैच में 19 ओवरों में 152 रन दिए थे और सिर्फ़ दो विकेट निकाले थे।

हालांकि मंगलवार को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ खेला गया मैच कई मायनों में भारतीय गेंदबाजों के लिए शानदार रहा। मोहम्मद शमी इस मैच (अपने 80वें मैच) में 150 विकेट लेने वाले सबसे तेज़ भारतीय गेंदबाज बन गए। इसके अलावा पहले गेंदबाजी करते हुए भारतीय तेज़ गेंदबाजों ने सभी 10 विकेट झटके। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था।

बुमराह ने इस वनडे मैच में अपने करियर का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर 6 विकेट लिए। अपने इस गेंदबाजी प्रदर्शन के आधार पर बुमराह वनडे क्रिकेट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। इस मैच में शमी ने भी बुमराह का जम कर साथ दिया। उन्होंने 31 रन ख़र्च करते हुए तीन विकेट झटके। इसमें जॉस बटलर और बेन स्टोक्स जैसे बल्लेबाजों का विकेट भी शामिल

था। बीसीसीआई टीवी पर गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे से बात करते हुए शमी ने कहा, पिच पर गेंद रूक कर आ रही थी और कांटा भी बदल रही थी। इसी कारण से यह महत्वपूर्ण था कि सही एरिया में गेंदबाज़ी की जाए। हमारे सभी गेंदबाजों ने बढ़िया गेंदबाजी की। जिस पिच पर गेंद ज्यादा स्विंग करती है वहां आपको सब कुछ साधारण ही रखना होता है, आपको ज्यादा कुछ करने की ज़रूरत नहीं होती है। हमने वही किया और परिणामस्वरूप हमें विकेट मिला। पहले ओवर में ही शमी बेयरस्टो को जिस तरीके से बीट कर रहे थे, उससे यह साफ पता चल गया था कि पिच गेंदबाजों के लिए मददगार है। पहले ओवर के बाद बुमराह और शमी ने बातचीत करते हुए अपना प्लान तय किया और उस पर अमल करते हुए बुमराह ने अपने पहली ही ओवर में जेसन रॉय का विकेट निकाल लिया। रॉय ऑफ़ स्टंप के बाहर की फुलर लेंथ की गेंद को ड्राइव करना चाहते थे लेकिन गेंद बल्ले पर लग कर विकेट पर चली गई। उसके ठीक दो गेंदों के बाद बुमराह को जो रूट का भी विकेट मिल गया। बैक ऑफ लेंथ गेंद पर रूट ने कीपर को कैच थमा दिया। उस गेंद पर मिली अतिरिक्त उछाल ने रूट को चौंका दिया था। शमी ने बुमराह के साथ अपनी गेंदबाजी के साझेदारी के बारे में बताया, हम इतने लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं कि दो ओवर में समझ जाते हैं कि पिच पर क्या हो रहा है और आपको क्या करना है। जब मैंने पहला ओवर फेंका, तो आप देख सकते थे कि गेंद स्विंग कर रही थी। बुमराह ने भी उसी लेंथ और लाइन पर गेंदबाज़ी करते हुए विकेट हासिल किए। शमी ने टी20 विश्व कप के बाद कोई टी20 मैच नहीं खेला था। आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस के साथ खेलते हुए उन्होंने 20 विकेट झटके थे। इसमें से 11 विकेट उन्होंने पावरप्ले के दौरान लिए थे।क्या सफेद गेंद की क्रिकेट में भारत किसी और प्लान के साथ आगे बढ़ रहा है? इस पर शमी ने कहा, मैं काफी समय से सफेद गेंद की क्रिकेट से दूर था। यह एक लंबा ब्रेक था। हालांकि आप एक बार जब इस तरीक़े के वातावरण में अनुकुलित हो जाते हैं तो अपने जिम्मेदारियों को समझने लगते हैं। सबसे ज़्यादा ज़रूरी यह है कि आपकी सोच एकदम साफ़ हो। आपको कब कैसी लेंथ पर गेंदबाज़ी करनी है, यह आपको पता होना चाहिए। श्रृंखला के बाक़ी बचे मैच के लिए योजनाओं के बारे में पूछने पर शमी ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मेरी योजना यह है कि सब कुछ सरल रखा जाए।

उमेश ने काउंटी क्रिकेट में पहला विकेट चटकाया

लंदन, 13 जुलाई। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव ने वोरसेस्टरशर के खिलाफ मिडिलसेक्स का प्रतिनिधित्व करते हुए काउंटी चैंपियनशिप में अपना पहला विकेट हासिल किया।

उमेश ने मुकाबले के दूसरे दिन अपना पहला काउंटी चैंपियनशिप विकेट चटकाया।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जगह मिडिलसेक्स ने बाकी बचे सत्र के लिए 34 साल के तेज गेंदबाज उमेश को अनुबंधित किया है। उमेश ने टेलर कोर्नाल को आउट किया।

उमेश ने कोर्नाल को बोल्ड किया जिन्होंने 11 रन बनाए। भारत के इस तेज गेंदबाज ने 14 ओवर में 45 रन देकर एक विकेट चटकाया।

दूसरे दिन मिडिलसेक्स ने वोरसेस्टरशर को 191 रन पर समेटा और दूसरी पारी में छह विकेट पर 180 रन बनाकर 177 रन की बढत बनाई। मिडिलसेक्स ने पहली पारी में 188 रन बनाए थे।

उमेश से पहले मौजूदा सत्र में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा, आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और कृणाल पंड्या काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं।

पुजारा ससेक्स के लिए खेलते हैं जबकि सुंदर और कृणाल ने क्रमशः लंकाशर और वारविकशर के साथ अनुबंध किया है।

बड़ौदा की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे रायडू

वडोदरा, 13 जुलाई। आगामी घरेलू सीज़न में अंबाती रायडू बड़ौदा की तरफ़ से खेलते हुए नज़र आएंगे। रायडू एक प्रोफ़ेशनल क्रिकेटर के तौर पर बड़ौदा की टीम से जुडे हैं। आंध्र प्रदेश की टीम ने भी रायडू को नो ऑबजेक्शन सर्टिफ़िकेट दे दिया है। भले ही रायडू ने पिछले कुछ सालों में सिर्फ सफेद गेंद से क्रिकेट खेला है लेकिन बड़ौदा की टीम के लिए वह सभी फॉर्मेट में खेलने के लिए उपलब्ध हैं।

इससे पहले भी साल 2012 से 2014 तक रायडू बड़ौदा की टीम के लिए खेल चुके हैं। हाल के वर्षों में रायडू ने हैदराबाद, आंध्र और विदर्भ की टीम के लिए खेल चुके हैं। रायडू के आने से बड़ौदा के बल्लेबाज़ी क्रम को काफ़ी मज़बूती मिलेगी। दीपक हुड्डा को भी बड़ौदा टीम प्रबंधन वापस लाने का प्रयास कर रहा है। दीपक साल 2020 में बड़ौदा की टीम को छोड़ कर चले गए थे। माना जाता है कि तब के कप्तान क्रुणाल पंड्या और दीपक के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। इसके बाद दीपक ने राजस्थान की टीम की तरफ़ से खेलते हुए बढ़िया प्रदर्शन भी किया। हालांकि इस साल के फ़रवरी माह से दीपक भारतीय टीम के सदस्य हैं और विभिन्न सीरीज में उनका चयन लगातार हो रहा है। इसके अलावा दीपक का लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में भी चयन हुआ था, जहां वह क्रुणाल के साथ खेल रहे थे। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के मुख्य कार्यकारी शिशिर हट्टंगडी ने कहा, जहां तक मुझे पता है, उन्होंने अपने मतभेदों को दूर कर लिया है। उन्होंने एक ही आईपीएल टीम के लिए एक साथ खेला और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके बीच जो भी समस्या थी उन्होंने उसे सुलझा लिया है।

हालांकि हम हुड्डा की वापसी के प्रति आशान्वित हैं। हम निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि वह टीम में आएंगे या नहीं क्योंकि जब दीपक को एक टीम की ज़रूरत थी।राजस्थान ने उन्हें अपनी टीम में जगह दी थी। हमारी तरफ से हम एक प्रयास कर रहे हैं कि वह वापस टीम मे आ जाएं।

बीसीए ने यूसुफ पठान को एक साल के कार्यकाल के लिए मेंटॉर के रूप में भी शामिल किया है। पठान ने इस पद को कुछ नियमों और शर्तों के साथ स्वीकार लिया है। यूसुफ आयु वर्ग, सीनियर टीम और महिला टीम के साथ सक्रिय रूप से शामिल होंगे। अरुण लाल ने बंगाल के मुख्य कोच के पद से इस्तीफ़ा दिया। अरुण लाल ने तीन सीज़न का प्रभार संभालने के बाद बंगाल सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। उन्होंने नौकरी से छोड़ने प्राथमिक कारण के रूप में काम की मुश्किल प्रकृति को बताया था। 66 वर्षीय लाल ने हंसते हुए कहा, यह बहुत कठिन काम है। नौ महीने, 24 घंटे का, और लगभग सात महीने बाहर यात्रा करना। इसलिए मैंने सोचा कि यह रुकने का समय है।

किसी मनमौजी की कल्पना जैसा, चित्र में नज़र आ रहा यह पैलेस एक फ्रैंच पोस्टमैन के उत्साह व जुनून का परिणाम है। दूर से देखने पर यह अंगकोर वाट मंदिर तथा बार्सिलोना के विख्यात ला सगरादा फमिलिया का मिश्रण लगता है। करीब से देखने पर विख्यात फ्रैंच पेंटर ऑस्कर क्लॉड मॉने की पेंटिंग जैसा नज़र आता है, जिसमें, जटिल ब्रश स्ट्रोक्स की जगह ली है, पैलेस की दीवारों पर जड़े छोटे कंकड़ और पत्थरों ने। छब्बीस मीटर लंबे और 10 मीटर ऊँचे इस पैलेस के निर्माण की एक रोचक कहानी है। कहा जाता है कि, सन् 1879 में पोस्टमैन फर्डिनंड शेवाल डाक बांटते समय एक पत्थर से टकरा गया, उठाकर देखने पर उसके विचित्र आकार से इतना मोहित हुआ कि, यह पत्थर ही महल बनाने की प्रेरणा बन गया। अथक परिश्रम व लगन के बाद लगभग 33 वर्ष में, ''पाले इडिआल'' नाम का यह पैलेस बन कर तैयार हुआ। पैलेस में गॉथिक शैली के बुर्ज, ऊँचे मेहराब व खूबसूरत मूर्तियां हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि जब कल्पना के घोड़े बेलगाम दौड़ते हों तो क्या नहीं हो सकता। शेवाल ने इसके निर्माण में हर उस चीज का इस्तेमाल किया जो उसे अच्छी लगी या कहीं पड़ी मिल गई, रंग-बिरंगे पत्थरों से लेकर सी शैल, सब कुछ।

सभी वयस्कों को करोना की बूस्टर डोज़ भी नि:शुल्क लगेगी

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई

- **15 जुलाई से देश में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को कोविड वैक्सीन की बूस्टर डोज़ निशुल्क दी जाएगी। यह अभियान 15 जुलाई से अगले 75 दिनों तक चलेगा।**
- **केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि, इससे देश में 18 वर्ष से 60 वर्ष के आयु वर्ग की 80 करोड़ से अधिक आबादी को लाभ होगा।**

नई दिल्ली 13 जुलाई (वार्ता)। केन्द्र सरकार ने करोना महामारी से निपटने के प्रयास तेज करते हुए देश में सभी वयस्क नागरिकों को कोविड टीके की 'बूस्टर डोज' नि:शुल्क देने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि देश में आजादी के 75 वें वर्ष का महोत्सव चल रहा है। इस अवसर पर यह फैसला किया गया है कि 15 जुलाई से देश में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को कोविड टीके की बूस्टर डोज निशुल्क दी जाएगी। यह अभियान 15 जुलाई से अगले 75 दिनों तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि, इससे देश में 18 वर्ष से 60 वर्ष के आयु वर्ग की 80 करोड़ से अधिक आबादी को लाभ होगा। गौरतलब है कि, करोना योद्धाओं और वरिष्ठ नागरिकों को पहले से कोविड का बूस्टर वैक्सीन निशुल्क दिया जा रहा है। पात्र लाभार्थियों को कोविड का बूस्टर वैक्सीन पिछले टीके के छह माह के अंतराल पर दिया जा सकता है। बूस्टर डोज सभी सरकारी कोविड वैक्सीन केंद्रों पर निशुल्क उपलब्ध होगी।

इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि, आज सुबह सात बजे तक 199 करोड़ 12 लाख 79 हजार 10 टीके दिये जा चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे कोविड महामारी के विरुद्ध चल रहे संघर्ष को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, मैं सभी पात्र लोगों से जल्दी से जल्दी बूस्टर डोज लेने का अनुरोध करता हूं।

गौरतलब है कि, वर्तमान में देश में करोना के पिछले पांच-छ: दिनों से रोजाना 17 से 18 हजार नये मामले आ रहे हैं तथा फिलहाल स्थिति काफी हद तक कंट्रोल में दिखाई दे रही है। लेकिन आशंका है कि, आगामी सर्दियों में देश में करोना की चौथी लहर आ सकती है। इससे बचाव के तौर पर केन्द्र सरकार ने करोना वैक्सीन की बूस्टर डोज़ निशुल्क देने का फैसला किया है।

हिजाब मामले की सुनवाई अगले सप्ताह

नई दिल्ली, 13 जुलाई (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि, हिजाब विवाद को लेकर कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर वह अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हम इस मामले को अगले सप्ताह की सुनवाई की सूची में डालते हैं। इससे पहले अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने शीर्ष न्यायालय की इस पीठ से कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर की गयीं याचिकाओं पर जल्द सुनवाई का आग्रह किया। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम इसे अगले सप्ताह की सूची में डाल रहे हैं, यह मामला सुनवाई के लिए प्रस्तुत किया जायेगा।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि, कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर अगले सप्ताह कोर्ट सुनवाई करेगा।**

भूषण ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगी रोक हटाने से इन्कार करने के खिलाफ दाखिल अपीलों का इस मौके पर उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, यह मामला काफी पहले दायर किया गया था। छात्राओं की पढ़ाई का हर्ज हो रहा है। भूषण ने इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय से इस मामले को लेकर दाखिल याचिकाओं पर जल्द से जल्द सुनवाई करने का आग्रह किया है।

'मेरे खिलाफ न्यूज़ चैनल व भाजपा झूठ फैला रहे हैं'

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने सफाई दी कि, वे न तो कभी पाकिस्तानी पत्रकार से मिले हैं और ना ही भारत बुलाया

नई दिल्ली, 13 जुलाई। पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्जा से मिलने के दावे पर पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी पत्रकार को न तो उन्होंने बुलाया और न ही कभी मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया के एक धड़े में झूठ फैलाया जा रहा है और इसमें भाजपा के प्रवक्ता भी शामिल हैं। अंसारी ने जारी बयान में कहा है कि बतौर भारत के उपराष्ट्रपति विदेशी मेहमानों को बुलाने का फैसला उस समय की सरकार का था। उन्होंने लिखा है कि सरकार की सलाह पर विदेश मंत्रालय के जरिए मेहमानों को बुलाया जाता है।

गौरतलब है कि भाजपा ने आरोप लगाया था कि अंसारी ने पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्जा को अपने कार्यकाल में 5 बार न्योता देकर भारत बुलाया था और उनके साथ खुफिया जानकारी साझा की थी। अंसारी ने बयान जारी कर कहा कि मेरे ऊपर आरोप लगाए जा रहे हैं कि मैंने बतौर उपराष्ट्रपति रहते हुए पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्जा को बुलाया। मेरे ऊपर आरोप लगाए जा रहे हैं कि आतंकवाद पर एक कॉन्फ्रेंस में और ईरान में भारत का राजूदत रहने के दौरान मिला था।

उन्होंने कहा कि ये भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ विश्वासघात किया। लेकिन यहां मैं ये साफ करना चाहता हूं कि न तो मैं मिर्जा से मिला हूं न ही बुलाया हूं। अब अंसारी ने भाजपा के आरोप का जवाब देते हुए कहा कि विदेशी मेहमानों को उपराष्ट्रपति के किसी कार्यक्रम में आमंत्रण सरकार की सलाह के बाद दिया जाता है। विदेशी मेहमानों को विदेश मंत्रालय के जरिए बुलाया जाता है। अंसारी ने अपने बयान में कहा है कि मैंने 11 दिसंबर 2010 को इंटरनेशनल कॉन्फ्रैंस ऑफ जूरिस्ट ऑन इंटरनेशनल टेरेरिज्म एंड ह्यमून राइट्स का उद्घाटन किया था। आम तौर पर ऐसे कॉन्फ्रेंस में मेहमानों की लिस्ट आयोजक तैयार करते हैं। मैंने कभी मिर्जा को हैं बुलाया और न ही उससे मिला।

अंसारी ने कहा कि ईरान में बतौर भारत के राजदूत का कामकाज सरकार की जानकारी में रहा है। देश की सुरक्षा के लेकर में प्रतिबद्ध हूं और इसपर बयान देने से हमेशा खुद को दूर रखता हूं। भारत सरकार के पास सारी जानकारियां है और वही केवल सच बता सकती है। ईरान में मेरा कार्यकाल रेकॉर्ड में दर्ज है। इसके बाद मुझे न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी सदस्य बनाया गया था। मेरे काम को देश और दुनिया में सराहा गया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आज के प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा, नुसरत मिर्जा पाकिस्तानी पत्रकार हैं और उन्होंने ये खुलासा किया है कि भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी उन्हें 2005-2011 के बीच में पांच बार न्योता देकर भारत बुलाते हैं।

- **हामिद अंसारी ने जारी बयान में कहा है कि, बतौर भारत के उपराष्ट्रपति विदेशी मेहमानों को बुलाने का फैसला उस समय की सरकार का था। उन्होंने लिखा है कि, सरकार की सलाह पर विदेश मंत्रालय के जरिए मेहमानों को बुलाया जाता है।**
- **ईरान में भारत का राजदूत रहने के दौरान पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्ज़ा से मुलाकात करने के आरोपों को भी हामिद अंसारी ने साफ तौर पर नकार दिया है।**

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती

मुबंई 13 जुलाई (वार्ता)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के आरोप पत्र में बुधवार को यहां कहा गया है कि अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को ड्रग्स की आपूर्ति करती थी।

एनसीबी ने ड्रग मामले में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत को लेकर विशेष अदालत को बताया कि रिया को अपने भाई शोविक सहित सह-आरोपियों से गांजे की कई डिलीवरी मिल रही थी जो उन्होंने राजपूत को सौंप दी थी। केंद्रीय ड्रग रोधी एजेंसी ने पिछले महीने आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर अदालत को यह जानकारी दी।

- **नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अपनी चार्जशीट में यह आरोप लगाया कि 'सुशांत सिंह राजपूत को ड्रग्स सप्लाई करती थीं अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती'।**

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी को आरोपों से घेरा भाजपा ने

भाजपा ने कहा कि, हामिद अंसारी ने आई.एस.आई के लिए काम किया था तथा पाकिस्तानी पत्रकार को 5 बार भारत बुलाकर खुफिया जानकारियां लीक करवाई थीं

नई दिल्ली, 13 जुलाई। यूनाइटेड प्रोग्रैसिव अलायंस (यू.पी.ए.) के शासनकाल में तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के निमंत्रण पर भारत आए पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्जा के सनसनीखेज दावे के बाद भारत में इस पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। इसी कड़ी में भाजपा ने कांग्रेस पर कड़ा हमला बोलते हुए कई सवाल पूछे हैं। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा ना सिर्फ कांग्रेस यह स्पष्ट करे कि आतंकवाद पर उसकी क्या नीति थी बल्कि यह भी बताए कि क्यों पूर्व उप राष्ट्रपति ने पाकिस्तानी पत्रकार को पांच बार आमंत्रित किया था।

दरअसल, पाकिस्तान के सीनियर पत्रकार नुसरत मिर्जा ने अपने एक यूट्यूब इंटरव्यू में हाल ही में दावा किया है कि वह 2005 से 2011 के बीच कई बार भारत आए और सूचनाएं इकट्ठी कर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई तक पहुंचाई हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी द्वारा उन्हें करीब पांच बार भारत आमंत्रित किया गया था। उन्हें आमतौर पर अनुमति से अधिक शहरों की यात्रा करने की अनुमति दी गई थी।

इस बयान के बाद अब भाजपा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि आतंकवाद का मुकाबला करने की उसकी नीति क्या थी। क्यों पाकिस्तानी पत्रकार को पांच बार आमंत्रित किया गया था।

मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि हमें यह हैं भूलना चाहिए कि उपराष्ट्रपति का पद संवैधानिक है और ऐसे कई मुद्दे हैं जिन्हें वह साझा हैं कर सकते क्योंकि वे देश की सुरक्षा से जुड़े हैं। भाटिया ने कहा कि ऐसा एक बार हैं, बल्कि पांच बार हुआ है। इस जानकारी का इस्तेमाल आईएसआई ने भारत को कमजोर करने के लिए भारत के खिलाफ किया गया। भारत आतंकवाद के खिलाफ अभियान का नेतृत्व कर रहा है और कांग्रेस सरकार ने एक ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित किया जिसे हमारे देश और उसके लोगों के खिलाफ इस्तेमाल की गई जानकारी दी गई थी।

- **दरअसल, पाकिस्तान के सीनियर पत्रकार नुसरत मिर्जा ने अपने एक यूट्यूब इंटरव्यू में हाल ही में दावा किया है कि, वह 2005 से 2011 के बीच कई बार भारत आए और सूचनाएं इकट्ठी कर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई तक पहुंचाई हैं।**

'शरद पवार ने दो बार शिवसेना को तोड़ने की गहरी साजिश रची थी'

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट कहा, आज से पहले जब कभी भी शिवसेना का बंटवारा हुआ उसमें शरद पवार का ही हाथ था

मुंबई, 13 जुलाई। महाराष्ट्र की सियासी लड़ाई में अब एकनाथ शिंदे गुट ने नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के चीफ शरद पवार पर सीधा हमला बोला है। एकनाथ शिंदे गुट के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने कहा कि आज से पहले जब भी शिवसेना क बंटवारा हुआ था, उसमें शरद पवार का ही हाथ था। उन्होंने नारायण राणे और राज ठाकरे की बगावत का जिक्र करते हुए कहा कि इन दोनों ही नेताओं के पीछे शरद पवार का हाथ था। उन्होंने कहा कि आज शरद पवार की ओर से बालासाहेब ठाकरे के सम्मान की बात की जा रही है। उन्हें महाराष्ट्र की जनता को जवाब देना चाहिए कि बालासाहेब ठाकरे को जिंदा रहते हुए क्यों प्रताड़ित किया गया। उन्होंने एक मराठी चैनल से बातचीत में शरद पवार की ओर से शिवसेना और एनसीपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कहने पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि शरद पवार ने अकसर शिवसेना के विभाजन के बारे में निजी तौर पर बात की थी। पवार ने नारायण राणे को शिवसेना से बाहर निकालने में मदद की थी। छगन भुजबल को खुद शरद पवार ने शिवसेना से बाहर किया था। इसके अलावा राज ठाकरे को भी उनका समर्थन हासिल था।

- **एकनाथ शिंदे गुट के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने शिवसेना में नारायण राणे और राज ठाकरे की बगावत का जिक्र करते हुए कहा कि,इन दोनों ही नेताओं के पीछे शरद पवार का हाथ था।**

ई.डी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आर्ट.) एन.वी.रमना., जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस हिमा कोहली की एक बैंच ने एक वकील के इस निवेदन पर गौर किया कि उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा एक अध्यादेश के जरिए ई.डी. के निदेशक के सेवाकाल में किए गए एक्सटैंशन के खिलाफ याचिका दायर की थी। ये अध्यादेश ई.डी. और सी.बी.आई. प्रमुखों को पांच वर्ष तक पद पर बने रहने देने के लिए जारी किए गए थे।

गत वर्ष 8 सितम्बर को कोर्ट ने मिश्रा को पूर्व में दिए गए एक्सटैंशन में केन्द्र की पावर को बनाए रखा था। मिश्रा वर्ष 1984 बैंच के इनकम टैक्स कॉडर के भारतीय राजस्व अधिकारी हैं।

'जो दिखता है...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सवाल खड़े किये थे। कांग्रेस ने कहा कि ऐसी किसी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं थी। उनकी यह यात्रा भी राजनैतिक रूप से एक महत्वपूर्ण अवधि में हुई थी, क्योंकि उस समय राज्य सभा चुनाव होने थे और इन चुनावों में पार्टी अपने विधायकों की क्रॉस वोटिंग को रोकने के लिये संघर्ष कर रही थी। राहुल गांधी के बारे में चुनौतियों को स्वीकार न करने से संबंधित और भी संकेत मिलते रहे हैं। अगर किसी विगत अनुभव को संकेत के रूप में लिया जा सकता है, तो जब भी कोई मुद्दा होता है, राहुल भाजपा के खिलाफ सिर्फ ट्वीट करते दिखाई देते हैं। वे विरोध-प्रदर्शन करने वाली सार्वजनिक रैलियों में या धरनों में दिखाई नहीं देते। उन्हे कांग्रेस का ''इलुसिव फेस'' अर्थात मोर्चे पर आने से बचने वाला चेहरा बने रहना पसंद है।

जैसी कहावत है- ''जो दिखता है, वो बिकता है।'' अगर राहुल गांधी पार्टी के एक आश्वस्तिपूर्ण चेहरे के रूप में दिखाई नहीं देते, एक ऐसे नेता के रूप में दिखाई नहीं देते, जो उस जनता के नजदीक हो, जिसका समर्थन पार्टी को चाहिये, तो ऐसी स्थिति कोई भी व्यक्ति अनुमान लगा सकता है कि ऐसी पार्टी कहाँ जायेगी। राहुल तथा कांग्रेस के बचे-खुचे नेताओं के पास 2024 का एक और अवसर है। अगर वे अपनी पार्टी की नैया को संतुलित एवं निरन्तर गतिमान नहीं रखते, तो नतीजा सुस्पष्ट एवं सर्वविदित है।

नीतीश कुमार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करेंगे। बिहार पिछले दशकों से भाजपा की पकड़ से पूर्णतया दूर रहा हैं। विधानसभा में अपने सदस्यों की बड़ी संख्या और क्षेत्रीय नेताओं नीतीश कुमार तथा लालू यादव के अपने-अपने राजनीतिक करियर को पूरा कर लेने के साथ ही भाजपा ने अब अपनी संभावनाओं की परिकल्पना करना शुरू कर दिया हैं। भाजपा की राय में आर.जे.डी. एक उत्तराधिकार संघर्ष के कारण टूटने की कगार पर हैं और लालू प्रसाद अपने खराब स्वास्थ्य के कारण असमक्ष हो चुके हैं। इसलिए भाजपा ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न जातियों के नेताओं को चिन्हित कर और उन्हें जिम्मेदारियां को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

''रिन्युएबल एनर्जी'' कंपनियों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले 3 साल के बिजली उत्पादन के लिए भुगतान देने को तैयार है वहीं विंड मिल फार्म से बिजली उत्पादन कर रही कंपनियों को 2.44 रुपये प्रति यूनिट की दर से भुगतान करने को तैया है।

गौरफरमाने योग्य है कि 2019 में राज्य के विद्युत नियामक आयोग ने इन सभी कंपनियों को 3.14 रुपये प्रति यूनिट की दर प्रस्तावित करी थी, जिसे इन सभी कंपनियों ने ठुकरा दिया था। परंतु तीन साल से बिजली उत्पादन के लिए इन कंपनियों को एक रुपये का भी भुगतान नहीं हुआ है इससे कई कंपनियों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की तरफ से महाअधिवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार 2.24 रुपये और 2.44 रुपये की दर पर भुगतान करेगी परंतु शर्त यह है कि इन सभी कंपनियों को ''रिन्यूएबल एनर्जी सर्टिफिकेट'' नहीं दिया जाएगा। महाधिवक्ता ने अदालत को आगे बताया कि हर वर्ष राज्य सरकार को केन्द्र सरकार की नीति अनुसार ''रिन्यूएबल एनर्जी परचेज़ ऑब्लीगेशन'' (आर.पी.ओ.), यानि प्रदेश में निर्मित ऊर्जा का तय हिस्सा अक्षय उर्जा से पूरा करना होता है, वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार को प्रदेश में निर्मित उर्जा का 21.66 प्रतिशत अक्षय उर्जा पर खर्च करना है।

महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि अगर राज्य सरकार आर.ई.सी. स्कीम के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को बिजली उत्पादन के लिए भुगतान करती है तो वह राज्य सरकार के भुगतान ''रिन्युएबल एनर्जी परचेज़ ऑब्लीगेशन'' में शामिल नहीं किया जाएगा। इसलिए राज्य सरकार इन कंपनियों को ''रिन्युएबल एनर्जी सर्टिफिकेट'' नहीं देगी। यहां उल्लेखनीय है कि आर.ई.सी. सर्टिफिकेट मार्केट में ''ट्रैडएबल कमोडिटी'' है, जिसे बेचने पर इन कंपनियों को प्रति युनिट बिजली उत्पादन के लिए एक रुपये का फायदा होता।

याचिकाकर्ता कंपनियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन. माथुर तथा वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को कहा कि उनकी मुवक्किल कंपनियों को तीन साल से भारी नुकसान हुआ है, इसलिए वह राज्य सरकार से अदालत के अंतरिम आदेश के तौर पर समझौता वार्ता से तय करी गई दर पर भुगतान लेने को तैयार है। दोनों वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अदालत को कहा कि अदालत को पूर्वाग्रह और बिना किसी शर्त के अंतरिम आदेश पारित करने चाहिए और 2011-12 में तय नीति के अनुसार ही सभी कंपनियों को ''रिन्यूएबल एनर्जी सर्टिफिकेट'' दिया जाये। दोनों वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अदालत से आगे कहा कि क्योंकि इस मामले समझौता नहीं हुआ है इस मामले को ''फाईनल हियरिंग'' के लिए सूचीबद्ध किया जाये।

अब अदालत इस मामले को पांच अगस्त से अंतिम बहस के लिए सुनेगी और अपना फैसला सुनाएगी।

राम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नजदीक स्थित मन्नार द्वीप तक फैली हुई है।

डॉ. स्वामी ने ट्वीट किया: ''आज सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश राम सेतु को प्राचीन स्मारक का दर्जा दिये जाने से संबंधित मेरी याचिका की सुनवाई के लिये सहमत हो गये। याचिका 26 जुलाई के लिये सूचीबद्ध कर ली गई। जब मैंने सेतु प्रोजैक्ट प्रकरण को लिया था तो उसके बाद, मोदी ने अपने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे मुझे राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किये जाने से रोकने के लिये मुझे हतोतसाहित करें।''

सी.जे.आई. एन.वी. रमना तथा न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी एवं हिमा कोहली की बनी बैंच ने स्वामी के इस अनुरोध पर ध्यान दिया कि यह एक छोटा किन्तु आवश्यक प्रकरण है तथा इसे सुनवाई के लिये सूचीबद्ध किया जाना जरूरी है।

सी.जे.आई. रमना ने मज़ाक में स्वामी से कहा कि इसकी सुनवाई मेरी सेवानिवृत्ति के बाद हो जायेगी।

स्वामी ने कहा कि वे इस बाद की पहली सीढ़ी को तो जीत चुके हैं जिसमें केन्द्र ने राम सेतु के अस्तित्व को स्वीकार कर लिया था। उन्होंने आगे कहा कि संबंधित केन्द्रीय मंत्री ने 217 में उनकी माँग पर विचार करने के लिये एक मीटिंग बुलाई थी लेकिन मीटिंग के बाद कुछ नहीं हुआ।

भाजपा नेता ने राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा अपनी पी.आई.एल. में उठाया था, जो सेतुमुद्रम शिप चैनल प्रोजैक्ट, जिसकी शुरुआत यू.पी.ए.-1 सरकार ने की थी, के खिलाफ था।

श्रीलंका अकाल की ओर ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। अल्पकालीन तथा तात्कालिक जरूरत इस बात की है कि एक अन्तरिम सरकार बने तथा वह आई.एम.एम.एफ. से कर्ज के लिये बातचीत करे जिससे मौजूदा अभाव एवं संकट से उबरा जा सके।

कुछ अर्थशास्त्रियों तथा देश की जमीनी स्तर से जुड़े विशेषज्ञों की आंशका के अनुसार, अगर ऐसा कुछ तुरन्त ही अपातकालीन आधार पर नहीं किया गया तो श्रीलंका को आगामी तीन-चार महीनों में घोर अकाल की स्थिति का सामना करना पड़ सकता हैं।

अर्थशास्त्री एवं युनिवार्सिटी के प्रोफेसर अलीलान कादिरगमार, जिन्होंने हाल ही के विरोध प्रदर्शनों में स्वयं भाग लिया, महसूस करते हैं कि वर्तमान संकट तो आना ही था। यह मुख्यत: अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों से भारी धन उधार लेने के कारण शुरू हुआ। अब यह मानते हैं कि श्रीलंका कर्ज के जाल में फंस गया है। देश अपने ऋण चुकाने की औपचारिकताओं को पूरा करने में दो माह पूर्व ही विफल हो गया था।

महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि देश की त्वरित जरूरतों को पूरा करने के लिए आई.एफ. के साथ कुछ ब्रिज लोन्स लेने के लिए क्या बातचीत चल रही हैं? पहला काम तो लोगों को राहत प्रदान करने और खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं का आयात करने के लिए कुछ ऋण लेने का होना चाहिए।

आई.एम.एफ. के साथ वार्ताओं में कठिनाई यही है कि जनता अब अधिक संयम नहीं बरत सकती, यद्यपि आई.एम.एफ. के ऋण पूर्ण संयम की शर्त रखते हैं। कादिरगमार ने आशंका जताई कि अगले तीन या चार महीनों में देश खाद्यान्न की व्यापक कमी का सामना कर सकता हैं।

लेकिन इसे बदलाव के एक अवसर के रूप में देखा जा रहा है। पहला बदलाव सरकार की संरचना में परिवर्तन तथा वित्तीय व बेलगाम भ्रष्टाचार को रोकने के लिए नियम कानूनों में सुधार करना होगा। इसके अलावा विशालकाय इन्फ्राक्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स का पुनरावलोकन करना होगा ताकि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पटरी पर आ सके।

विशेषज्ञ महसूस करते हैं कि किसी स्पष्ट राजनीतिक समाधान के अभाव में श्रीलंका में अगले कुछ वर्षों तक राजनीतिक अस्थिरता रह सकती हैं।

बालिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के दौरान वह अपनी नानी से कुछ आगे चलने लगी। थोड़ी देर में बच्ची और उसकी नानी के बीच फासला बढ़ गया। इसी दौरान आरोपी बब्बू मोटरसाइकिल लेकर आया और उसे घर छोड़ने की बात कहने लगा। इस पर वह उसकी बातों में आ गई और मोटरसाइकिल पर बैठ गई।

आरोपी उसे स्कूल के पास ही एक खंडहरनुमा बिल्डिंग में ले गया और उससे रेप किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरी सहमी बच्ची थोड़ी देर बाद घर पहुंची। घर पर नानी ने उससे पूछताछ की तो उसने अपने साथ हुई वारदात के बारे में बताया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908